राष्ट्रीय हिन्दी दैनिक

क्रांति समय

कार्यालय ऑफिस

क्रांति समय दैनिक समाचार में
प्रेसनोट, नोटिस, वेपार संबंधित संपर्क करें
पता:- एस.टी.पी.आई-सुरत-395023
संपर्क नं.-7490923915
ईमेल:-info.krantisamay@gmail.com

सुरत गुजरात से प्रकाशित, मुंबई, उत्तरप्रदेश, बिहार, राजस्थान, मध्यप्रदेश, उत्तरांचल, उत्तराखंड, दिल्ली, हरियाणा में प्रकाशित

सुरत-गुजरात, संस्करण बुधवार 16 जुलाई 2025 वर्ष-8,अंक-147 पृष्ठ-08 मूल्य-01 रूपये

Website : www.krantisamay.com & epaper.krantisamay.com www.facebook.com/krantisamay1 www.twitter.com/krantisamay1

टल गई निमिषा की फांसी, यमन से आई गुड न्यूज

● हूती विद्रोहियों से भारत सरकार की बन गई है बात

सना (एजेंसी)। यमन की जेल में बंद भारतीय नर्स निमिषा प्रिया की फांसी की सजा टल गई है। प्रिया को 16 जुलाई को फांसी दी जानी थी, लेकिन फिलहाल सजा पर अमल को टाल दिया गया है। भारत सरकार के सूत्रों ने बताया है कि स्थानीय अधिकारियों ने यह फैसला लिया है। निमिषा प्रिया यमन के हूती विद्रोहियों के नियंत्रण वाले सना की जेल में मौत की सजा का सामना कर रही हैं। भारत सरकार इस मामले में निमिषा प्रिया के परिवार को हर संभव सहायता प्रदान कर रही है। इसने हाल के दिनों में प्रिया के परिवार को दूसरे पक्ष के साथ आपसी सहमति से समाधान निकालने के लिए और समय देने के लिए लगातार प्रयास किए हैं। सूत्रों ने बताया कि इसमें शामिल संवेदनशीलता के बावजूद भारतीय अधिकारी स्थानीय जेल अधिकारियों और अभियोजक कार्यालय के साथ नियमित संपर्क में रहे हैं, जिसके कारण

फांसी की सजा को फिलहाल के लिए रोकना संभव हो पाया है। सजा स्थगित होने के बाद प्रिया के परिवार के लिए पीड़ित परिवार के साथ आपसी समझौते के लिए समय मिल सकेगा। इस बीच निमिषा प्रिया को बचाने के लिए कोशिशें तेज हो गई हैं। मनीकंट्रोल की एक रिपोर्ट के अनुसार, भारत के प्रभावशाली सुन्नी मुस्लिम धर्मगुरु निमिषा को फांसी से बचाने के लिए पीड़ित परिवार को ब्लड मनी के लिए मनाने का प्रयास कर रहे हैं। यमन के शरिया कानून के मुताबिक, ब्लड मनी के लिए सहमति बनने पर निमिषा प्रिया को सजा से माफी मिल सकती है। फिलहाल, पीड़ित परिवार ने अभी तक इस तरह का कोई संकेत नहीं दिया है। केरल की रहने वाली निमिषा प्रिया पर साल 2017 अपने यमनी बिजनेस पार्टनर तलाल अब्दो महदी की हत्या करने का आरोप है।

प्रिया को हत्या के बाद देश छोड़ने की कोशिश के आरोप में गिरफ्तार कर लिया गया। साल 2020 में एक अदालत ने उसे मौत की सजा सुनाई थी। भारत ने ईरान से भी इस संबंध में मदद मांगी थी।

ट्रंप की धमकी, रूस से तेल खरीदा तो खैर नहीं

● मास्को पर 100 फीसदी टैरिफ लगाने की चेतावनी

मास्को (एजेंसी)। अमेरिका के राष्ट्रपति डोनाल्ड ट्रंप और यूक्रेन में हमले कर रहे रूस के बीच चल रही जुबानी जंग में अब भारत और चीन जैसे देश भी फंस सकते हैं। ट्रंप ने कहा है कि रूस अगर 50 दिनों में यूक्रेन युद्ध को खत्म करने पर सहमत नहीं होता है तो अमेरिका मास्को के खिलाफ 100 फीसदी टैरिफ लगा सकता है। यही नहीं

ट्रंप ने यह भी धमकी दी है कि अगर रूस 50 दिन में तैयार नहीं होता है तो उससे तेल खरीदने वाले देशों पर भी प्रतिबंध लगाया जाएगा। ट्रंप की इस धमकी का इशारा सीधे भारत और चीन की ओर है जो रूस से सबसे ज्यादा तेल खरीद रहे हैं। यूक्रेन युद्ध शुरू होने के बाद रूस भारत को अब सबसे ज्यादा तेल का निर्यात कर रहा है। अमेरिका लगातार कई साल से भारत को धमका रहा है लेकिन दिल्ली ने वॉशिंगटन के आगे घुटने नहीं टेके हैं। ट्रंप ने नाटो के सेक्रेटरी मार्क रुटटे से मुलाकात की है जहां पर उन्होंने नाटो के जरिए यूक्रेन को बड़े पैमाने पर हथियार भेजने का ऐलान किया है। ट्रंप ने कहा, हम रूस से बेहद नाखुश हैं। अगर रूस ने 50 दिन में डील नहीं किया तो उसके खिलाफ भारी टैरिफ लगाया जाएगा। यह टैरिफ 100 फीसदी होगा।

राहुल गांधी का लखनऊ कोर्ट में सरेंडर, पांच मिनट बाद जमानत

● सांसद प्रमोद तिवारी की पुलिस से हो गई नोकझोंक

लखनऊ (एजेंसी)। कांग्रेस सांसद राहुल गांधी ने मंगलवार दोपहर को लखनऊ कोर्ट में सरेंडर किया। इसके 5 मिनट बाद कोर्ट ने उन्हें जमानत दे दी। एडिशनल चीफ ज्यूडिशियल मजिस्ट्रेट आलोक वर्मा ने 20-20 हजार के दो बॉन्ड पर राहुल को जमानत दी। राहुल के वकील ने जमानत याचिका डाली थी, जिसे कोर्ट ने मंजूर कर लिया। राहुल कोर्ट के अंदर करीब 30 मिनट तक रहे। राहुल दिल्ली से लखनऊ एयरपोर्ट आने के बाद सीधे एमपी-एमएलए कोर्ट पहुंचे थे। भारतीय सेना पर की गई टिप्पणी को लेकर कोर्ट ने उन्हें पेश होने का आदेश दिया था। पिछली 5 सुनवाई के दौरान राहुल हाजिर नहीं हुए।

इसके बाद कोर्ट ने उन्हें समन जारी किया था। जमानत मिलने के बाद राहुल कोर्ट से सीधे अमौसी एयरपोर्ट के लिए रवाना हो गए। राहुल के वकील प्रांशु अग्रवाल ने कोर्ट से राहुल की पेशी पर छूट की मांग की थी। मगर कोर्ट ने राहुल को व्यक्तिगत रूप से पेश होने का आदेश दिया था। कोर्ट गेट पर गाड़ियों का काफिला पहुंचते ही पुलिस ने राज्यसभा सांसद प्रमोद तिवारी और आराधना मिश्रा की कार रुकवा दी। पुलिस से नोकझोंक के बाद दोनों लोग पैदल चलकर अंदर गए। बॉर्डर रोड ऑर्गेनाइजेशन के पूर्व निदेशक उदय शंकर श्रीवास्तव ने 11 फरवरी को सीजेएम कोर्ट में राहुल के खिलाफ केस दायर किया था।

18 दिन बाद सकुशल धरती पर लौटे 'अंतरिक्षवीर' शुभांशु

● यान से निकले शुभांशु, मुस्कुराए, नजर आई तिरंगे की शान

कैलीफोर्निया (एजेंसी)। शुभांशु शुक्ला सहित चार एस्ट्रोनॉट 18 दिन अंतरिक्ष में रहने के बाद पृथ्वी पर लौट आए हैं। करीब 23 घंटे के सफर के बाद ड्रैगन स्पेसक्राफ्ट की दोपहर 3 बजे कैलीफोर्निया के समुद्र में लैंडिंग हुई। चारों एस्ट्रोनॉट एक दिन पहले शाम 4.45 बजे आईएसएस से पृथ्वी के लिए रवाना हुए थे। सभी एस्ट्रोनॉट 26 जून को भारतीय समय के अनुसार शाम 4.01 बजे आईएसएस पहुंचे थे। एक्सियम मिशन 4 के तहत 25 जून को दोपहर करीब 12 बजे ये रवाना हुए थे। स्पेसएक्स के

स्पेसक्राफ्ट की सफल लैंडिंग कैलीफोर्निया के तट पर हुई

फाल्कन-9 रॉकेट से जुड़े ड्रैगन कैप्सूल में इन्होंने कैनेडी स्पेस सेंटर से उड़ान भरी थी। आखिरकार वो ऐतिहासिक क्षण पूरी दुनिया ने देखा जब ग्रुप कैप्टन शुभांशु शुक्ला और ड्रैगन अंतरिक्ष यान पर सवार एक्सिओम-4 क्रू मेंबर्स के साथ 18 दिनों धरती पर पहुंचे। ये अंतरिक्षयात्री प्रशांत महासागर में उतरे। एक्सिओम-4 मिशन में शुभांशु शुक्ला के साथ कमांडर पैगी व्हिट्सन, मिशन एक्सपर्ट पोलैंड के स्लावोज उज्नान्स्की-विस्नीव्स्की और हंगरी के टिबोर कापू भी शामिल थे। ये ड्रैगन 'ग्रेस' अंतिरक्ष यान से भारतीय समयानुसार सोमवार शाम 4.45 बजे इंटरनेशनल स्पेस स्टेशन से धरती की ओर रवाना हुए थे। शुभांशु ने मिशन के दौरान 60 से ज्यादा वैज्ञानिक प्रयोगों में हिस्सा लिया।

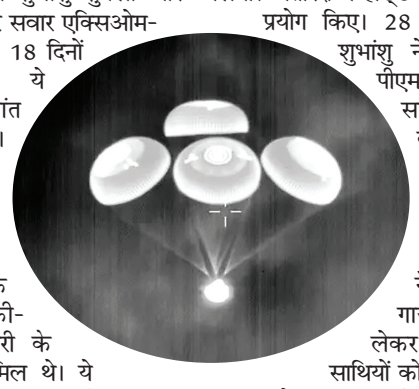

इनमें भारत के सात प्रयोग शामिल थे। उन्होंने मेथी और मूंग के बीजों को अंतरिक्ष में उगाया। स्पेस माइक्रोएल्गी प्रयोग में भी हिस्सा लिया। अंतरिक्ष में हड्डियों की सेहत पर भी प्रयोग किए। 28 जून 2025 को शुभांशु ने आईएसएस से पीएम नरेंद्र मोदी के साथ लाइव वीडियो कॉन्फ्रेंस की। इस दौरान उन्होंने कहा कि अंतरिक्ष से भारत बहुत भव्य दिखता है। पीएम ने पूछा कि आप गाजर का हलवा लेकर गए हैं। क्या साथियों को खिलाया। इस पर शुभांशु ने कहा- हां साथियों के साथ बैठकर खाया। अमेरिकी स्पेस एजेंसी नासा और भारतीय एजेंसी इसरो के बीच हुए एग्रीमेंट के तहत शुभांशु शुक्ला को इस मिशन के लिए चुना गया था।

अहमदाबाद हादसे के 4 हफ्ते पहले ब्रिटेन ने दी थी चेतावनी

● कहा था-बोइंग विमानों के फ्यूल कंट्रोल स्विच चेक करें, जरूरत हो तो रिपेयर करें या बदलें

नई दिल्ली (एजेंसी)। बोइंग विमानों के रखरखाव को लेकर ब्रिटेन की सिविल एविएशन अथॉरिटी ने मंगलवार को नया खुलासा किया। एजेंसी ने बताया कि अहमदाबाद प्लेन क्रैश के चार हफ्ते पहले बोइंग विमानों के फ्यूल कंट्रोल स्विच को लेकर को लेकर अलर्ट जारी किया था। एजेंसी ने15 मई को एयरलाइनों को निर्देश दिए थे कि वे अमेरिका की फेडरल एविएशन एडमिनिस्ट्रेशन के निर्देशों का पालन करें। एजेंसी ने अपने निर्देश में बोइंग 737, 757, 767, 777 और 787 विमानों में फ्यूल शटऑफ वॉल्व एक्ट्यूएटर्स को संभावित खतरा बताया था। एजेंसी ने ब्रिटेन आने वाली सभी एयरलाइनों को आदेश भी दिया था कि वे इन वॉल्व्स की जांच करें, जरूरत हो तो बदलें या रिपेयर करें और रोजाना जांच को अनिवार्य रूप से करें। वहीं, प्राइमरी रिपोर्ट में सामने आया है कि प्लेन के फ्यूल स्विच बंद होने की वजह से अहमदाबाद हादसा हुआ था। दरअसल, 12 जून को अहमदाबाद से लंदन जा रही फ्लाइट एआई 171 टेकऑफ के कुछ ही देर बाद एक मेडिकल हॉस्टल की इमारत से टकरा गई थी। इसमें 270 लोगों की मौत हो गई थी। क्या होता है

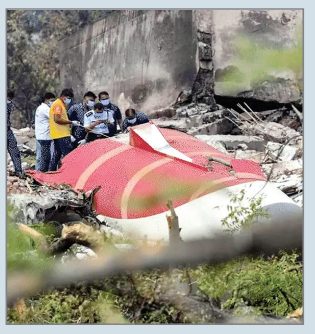

फ्यूल शटऑफ वॉल्व। यह एक महत्वपूर्ण सेफ्टी डिवाइस है, जो जरूरत पड़ने पर इंजन में ईंधन की सप्लाई रोकता है। इसका इस्तेमाल इंजन में आग लगने, आपात लैंडिंग या रखरखाव के दौरान किया जाता है। भारत में रजिस्टर्ड सभी बोइंग विमानों की जांच होगी।

कांवड़ मार्ग में क्यूआर कोड पर गरम हुआ सुप्रीम कोर्ट

योगी सरकार को नोटिस, पूछा-ऐसा करना क्यों है जरूरी

नई दिल्ली (एजेंसी)। यूपी और उत्तराखंड में कांवड़ यात्रा मार्ग पर दुकानों और रेस्तरां संचालकों को आदेश दिया गया है कि वे क्यूआर कोड लगाएं और नाम भी लिखें। यह मामला मंगलवार को सुप्रीम कोर्ट पहुंचा तो अदालत ने उत्तराखंड और उत्तर प्रदेश की योगी आदित्यनाथ सरकार को नोटिस जारी कर जवाब मांगा है। शीर्ष अदालत ने पूछा कि आखिर इसकी जरूरत क्या है। अब इस केस की अगली सुनवाई 22 जुलाई तय की गई है।

न्यायमूर्ति एमएम सुंदरेश और न्यायमूर्ति एन. कोटिश्वर सिंह की पीठ ने राज्य सरकार को नोटिस जारी किया और शिक्षाविद अपूर्वानंद झा व अन्य द्वारा दायर याचिका पर सुनवाई की अगली तारीख तय की। शीर्ष अदालत ने पिछले साल भाजपा शासित उत्तर प्रदेश, उत्तराखंड और मध्य प्रदेश द्वारा जारी इसी तरह के निर्देशों पर रोक लगा दी थी, जिसमें कांवड़ यात्रा मार्ग पर स्थित भोजनालयों को अपने मालिकों, कर्मचारियों के नाम और अन्य विवरण प्रदर्शित करने के लिए कहा गया था। उत्तर प्रदेश प्रशासन द्वारा 25 जून को

जारी एक प्रेस रिलीज का हवाला देते हुए झा ने कहा, 'नए उपायों में कांवड़ मार्ग पर स्थित सभी भोजनालयों पर क्यूआर कोड प्रदर्शित करना अनिवार्य है, जिससे मालिकों के नाम और पहचान का पता चलता हो।

एमपी और राजस्थान में बारिश ने मचाया आतंक

● राजस्थान में बाढ़ के हालात, 16 लोगों की गई जान ● एमपी में उफन रही नर्मदा, खतरे के निशान से ऊपर ● यूपी में उद्घाटन से पहले ही 4 पुलों की सड़कें बहीं

नई दिल्ली (एजेंसी)। राजस्थान में भारी बारिश के चलते बाढ़ के हालात हैं। प्रदेश में बरसात के कारण हुए अलग-अलग हादसों में 24 घंटे में 16 लोगों की मौत हो गई। सोमवार को कोटा में प्रदेश में सबसे ज्यादा 198 एमएम बारिश हुई। यहां कोटा बैराज के 12 गेट खोले गए हैं। मध्य प्रदेश में मानसून जमकर बरस रहा है। नर्मदा खतरे के निशान से ऊपर बह रही है। जबलपुर, रीवा समेत 10 जिलों में एक सप्ताह से लगातार बारिश जारी है। इन जिलों में बाढ़ जैसे हालात हैं। सोमवार को श्योपुर के कई इलाके और गांव पानी से घिरे रहे। मकान-दुकानों से लेकर अस्पताल तक में पानी भर गया। यूपी के लखनऊ, कानपुर, बरेली समेत 15 शहरों में तेज बारिश के

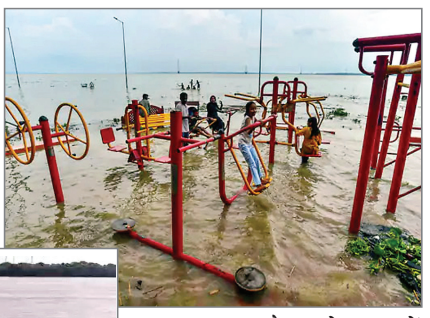

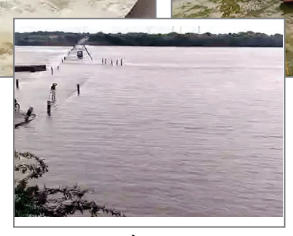

कारण जलभराव-बाढ़ के हालात हैं। प्रदेश के कई बांध ओवरफ्लो होने लगे हैं। सोमवार को ललितपुर के गोविंद सागर बांध के 17 गेट खोले गए। चित्रकूट में उद्घाटन से पहले 51 करोड़ से बने 4 पुलों की एप्रोच सड़कें बह गईं। हिमाचल प्रदेश में बीते 24 दिन में 105 लोगों की मौत बारिश से जुड़ी घटनाओं में हो चुकी हैं। राज्य की 200 से ज्यादा सड़कें अभी भी बंद हैं। मनाली-चंडीगढ़ हाईवे पिछले 3 दिन से रोजाना लैंडस्लाइड के चलते बंद हो रहा है। राजस्थान के अधिकांश हिस्सों में आज तेज बारिश हो रही है। निचले इलाकों कई फीट तक पानी भरा हुआ है। जोधपुर में साबरमती-जोधपुर एक्सप्रेस रद्द की गई। भीलवाड़ा के बिजोलिया में सबसे ज्यादा 183.0 एमएम बारिश दर्ज की गई। चित्तौड़गढ़ के भैंसरोड़गढ़, नागौर के मकराना में 136 एमएम, टोंक के निवाई में 127 एमएम, कोटा के मंडाना में 117.0 एमएम और जयपुर के सांभर में 102 एमएम बारिश दर्ज की गई।

मात्र 2.5 घंटे में पहुंचेंगे दिल्ली से पटना!

● भारत में दौड़ेगी जापान की सबसे तेज बुलेट ट्रेन, जल्द होगी शुरुआत

नई दिल्ली (एजेंसी)। भारत में बुलेट ट्रेन का काम तेजी से चल रहा है। अहमदाबाद-मुंबई के बीच बन रही बुलेट ट्रेन परियोजना में एक नया अपडेट आया है। रेलवे अधिकारियों ने बताया है कि इस प्रोजेक्ट में जापानी शिंकानसेन ट्रेनों के ई 5 मॉडल का इस्तेमाल होगा। ये ई 5 मॉडल गुजरात सेक्शन में 2026-27 में ट्रायल रन के लिए उपयोग किए जाएंगे। इसके बाद भारत ई 10 मॉडल खरीदेगा। ये और भी आधुनिक ट्रेनें होंगी। ई 10 शिंकानसेन ट्रेनें भारत और जापान में एक साथ 2030 में शुरू होने की संभावना है। मतलब, जिस साल ये ट्रेन जापान में शुरू होगी, उसी साल भारत में भी दौड़ेगी। ई 10 को अल्फा एक्स भी कहा जाता है। यह 400 किमी प्रति घंटे की रफ्तार से चल सकती है। यानी दिल्ली से पटना की 1,000 किमी दूरी मात्र 2.5 घंटे में पूरी की जा सकती है। यह अहमदाबाद और मुंबई की 508 किलोमीटर की दूरी को करीब सवा घंटे में पूरा करेगी।

जम्मू में खाई में गिरी मिनी बस, पांच लोगों की मौत

जम्मू (एजेंसी)। जम्मू-कश्मीर के डोडा जिले में एक मिनी बस के खाई में गिर गई। हादसे में पांच लोगों की मौत हो गई जबकि 17 अन्य गंभीर रूप से घायल हैं। हादसे की जगह से चार शव बरामद किए गए थे,

जबकि गंभीर रूप से घायल एक व्यक्ति की अस्पताल में इलाज के दौरान मौत हो गई। जिले के चीफ मेडिकल ऑफीसर ने बताया कि मौतों का आंकड़ा और बढ़ सकता है। कई घायलों की हालत गंभीर है। हादसा मंगलवार को डोडा-बराथ रोड पर पोंडा इलाके हुआ। मिनी बस के सड़क से फिसलकर गहरी खाई में गिरने की खबर है।

हैरान कर रहीं छांगुर बाबा गैंग की 'करतूतें'

● धर्म बदलवाने के लिए महिलाओं संग रेप, वीडियो वायरल करने की धमकी

बलरामपुर (एजेंसी)। जलालुद्दीन उर्फ छांगुर बाबा पिछले कुछ दिनों से सुर्खियों में हैं। जांच में सामने आया है कि गिरोह में शामिल लोग धर्मांतरण के लिए राजी नहीं होने वाली महिलाओं का दुष्कर्म कर वीडियो बनाते थे। वीडियो वायरल करने का दबाव डालकर उन्हें धर्म परिवर्तन के लिए मजबूर करते थे। इस मामले में छांगुर बाबा और नीतू उर्फ नसरीन सहित कई लोगों से पूछताछ की जा रही है। एटीएस को जांच में धर्मांतरण के नेटवर्क और पीड़ितों के बारे में कई अहम जानकारियां मिली हैं। पता चला है कि छांगुर बाबा ने महिलाओं के जबरन धर्मांतरण का गंदा काम गिरोह की महिलाओं को ही सौंप रखा था। नाम बदलकर मुस्लिम युवक हिंदू घर की महिलाओं और युवतियों को प्रेमजाल में फंसाकर उनका धर्मांतरण कराते थे। बलरामपुर के उतरौला कोतवाली का मधपुर गांव धर्मांतरण का केन्द्र बिन्दु बन गया था। यहां बैठकर जलालुद्दीन नेटवर्क चला रहा था।

Web site : www.krantisamay.com & epaper.krantisamay.com www.facebook.com/krantisamay1 www.twitter.com/krantisamay1

शमशान - शवदाह संस्कार

साथियों बात अगर हम इंसान के बराबरी भाव की करें तो कहावत है कि ईश्वर की नजर में सब बराबर हैं, क्योंकि उसने सबको बराबर जो बनाया है। उसके लिए न कोई अमीर है, न गरीब। न कोई ऊँच, न नीच। न कोई छोटा, न बड़ा। लेकिन विडंबना यह है कि दिन-रात उससे याचना कर उसकी राह पर चलने का दावा करने वाले उसके बंदे, उसके भक्त ही सबको बराबरी की नजर से नहीं देखते, क्योंकि उनकी नजर, उनके मन, आचरण में भेदभाव होता है।इसी कारण वे सामने वाले को अपने से छोटा या बड़ा, ऊँचा या नीचा मानते हैं।

(लेखक-एडवोकेट किशन सनमुखदास भावनानीं)

शमशान तेरा हिसाब बड़ा ही नेक है - तेरे यहां अमीर हो या गरीब सबका बिस्तर एक है

शमशान घाट का नाम सुनते ही आंखों के सामने खण्डहरनुमा वीरान स्थान, जलती चिता और उसकी राख की तस्वीर ही उभरती है। परंतु हमें किसी के कहे इन सुंदर वाक्य को वर्तमान परिपेक्ष में याद रखने की जरूरत है कि शमशान तेरा हिसाब बड़ा ही नेक है, तेरे यहां अमीर हो या गरीब सब का बिस्तर एक है। मैं एडवोकेट किशन सनमुखदास भावनानी गोंदिया महाराष्ट्र मेरा मानना है कि यहां यह एक ऐसा स्थान है जहां सबका एक समान स्थिति का बोध होता है समाज के हर वर्ग के हर प्राणी को उसी चिता पर लिटाया जाता है। हालांकि प्रक्रिया रीति रिवाज मान्यताएं हर वर्ग की अलग अलग हो सकती है क्योंकि इस रीति रिवाज की घनिष्ठता से ही भारत अनेकता में एकता का भाव रखता है परंतु भेदभाव के भाव में महसूस होता है अभाव! हम सब जीवन के करीब क़रीब हर स्तरपर, हर स्थिति में भेदभाव का भाव महसूस करते हैं। हर कोई अपनों को प्राथमिकता देता है बड़े नामचीन लोगों का साथ प्रतिष्ठा का एक प्रतीक माना जाता है, परंतु अंतिम पंक्ति के अंतिम व्यक्ति से कोई मतलब पड़ने पर ही बात करना पसंद करता है परंतु असल में श्मशान का बिस्तर ही एक ऐसा स्थान है जहां हर रिक्शा वाले रेहड़ी पटरी वाले और मजदूर इंसान से लेकर बड़े से बड़े उद्योगपति ऑफिसर नेता व्यक्ति की देह को भी उसी बिस्तर पर ही प्रक्रिया कर अग्नि सुपुर्द या सुपुर्द ए खाक किया जाता है जो एक सबसे बड़ा समानता का प्रतीक है। चूंकि आज हम शमशान की नेक सबका बिस्तर एक पर चर्चा कर रहे हैं इसीलिए हमें श्मशान और उससे जुड़ी प्रथाओं मान्यताओं और महिलाओं के प्रवेश वर्जित की मान्यताओं पर इलेक्ट्रॉनिक मीडिया के सहयोग उपलब्ध जानकारी के सहयोग से इस आर्टिकल के माध्यम से चर्चा करेंगे।

साथियों बात अगर हम अंतिम संस्कार की करें तो, हिंदू धर्म में 16 संस्कारों में 16वां संस्कार अंतिम संस्कार होता है। हिंदुओं में व्यक्ति की मृत्यु के बाद दाह संस्कार की रस्में निभाई जाती हैं। मृत व्यक्ति की शव यात्रा निकालने के बाद श्मशान घाट में देह को पंचतत्व में विलीन किया जाता है। अक्सर हमने देखा होगा कि अंतिम संस्कार में केवल पुरुष ही शामिल होते हैं, जबकि महिलाओं का श्मशान घाट में जाना वर्जित होता हैं। ऐसा क्यों होता है? इसके पीछे कुछ पौराणिक मान्यताएं हैं।

साथियों बात अगर हम इंसान के बराबरी भाव की करें तो कहावत है कि ईश्वर की नजर में सब बराबर हैं, क्योंकि उसने सबको बराबर जो बनाया है। उसके लिए न कोई अमीर है, न गरीब। न कोई ऊँच, न नीच। न कोई छोटा, न बड़ा। लेकिन विडंबना यह है कि दिन-रात उससे याचना कर उसकी राह पर चलने का दावा करने वाले उसके बंदे, उसके भक्त ही सबको बराबरी की नजर से नहीं देखते, क्योंकि उनकी नजर, उनके मन, आचरण में भेदभाव होता है।इसी कारण वे सामने वाले को अपने से छोटा या बड़ा, ऊँचा या नीचा मानते हैं। और जो ऐसा करते हैं, वे अपने पास सब कुछ होने के बाद भी एक कमी-सी, एक अभाव-सा महसूस करते हैं। वे यह समझ ही नहीं पाते कि यह अभाव अपने मन में बसी भेदभाव की भावना की वजह से है। जिस दिन वे इससे ऊपर उठ जाएँगे, उस दिन यह कमी खुद-ब-खुद दूर हो जाएगी। लेकिन समस्या यह है यह जानते हुए भी लोग इससे मुक्त नहीं हो पाते।

साथियों बात अगर हम मानवीय भाव में हर क्षेत्र में विभाजन की करें तो वर्तमान समय में श्मशान में भी सामाजिक विभाजन के एक भाव को आधुनिकता एवं अलग वैचारिक सामाजिक सोच के प्रभाव में आकर बदले जाने की कोशिश तेज हो गई है क्योंकि,भारत के सामाजिक ढांचे में इंसानियत का यह विभाजन जन्म के साथ शुरू होता है और मौत के बाद भी श्मशान घाट तक इंसान का पीछा करता है। भारतीय समाज अनेक जाति-धर्मों में तो बंटा रहा है, लेकिन यह बंटवारा श्मशान घाट में भी दिखाई देता है। एक राज्य में विभिन्न जातियों के लिए अलग अलग श्मशान की परंपरा रियासत काल' की विरासत है। उस राज्य में रियासत के दौर में अलग-अलग जातियों के शमशान घाट का चलन शुरू हुआ। यह आज भी जारी है। एक छोटे से शहर में लगभग 47 श्मशान घाट है जबकि जयपुर में इनकी तादाद 57 है। हर जाति का अपना अंतिम दाह-संस्कार स्थल हैं और उपजातियों ने भी अपने मोक्ष धाम बना लिए है।

साथियों बात अगर हम महिलाओं के श्मशान घाट पर वर्जित होने संबंधी मान्यताओं की करे तो, महिलाओं का मन कमजोर और कोमल होता है। श्मशान में जो दृश्य होते हैं उसको देखकर वह अपने आपको विलाप करने से नहीं रोक पाती हैं। जिससे मृत आत्मा को भी दुख होने लगता है। इस कारण से भी महिलाएं श्मशान में नहीं जाती। ऐसा माना जाता है, श्मशान घाट पर हमेशा नकारात्मक ऊर्जा फैली होती है। महिलाओं के श्मशान घाट जाने पर नकारात्मक ऊर्जा आसानी से उनके शरीर प्रवेश कर सकती है क्योंकि स्त्रियां कोमल हृदय की मानी जाती है। साथ ही नकारात्मक ऊर्जा से उनके अंदर बीमारी फैलने की संभावना ज्यादा होती है। हिंदू मान्यताओं के अनुसार, अंतिम संस्कार में परिवार के पुरुषों को मुंडन करवाना पड़ता है, जबकि महिलाओं का मुंडन करना शुभ नहीं माना जाता है, इस वजह से महिलाओं को अंतिम संस्कार में शामिल नहीं किया जाता है। मान्यता है कि अंतिम संस्कार के दौरान घर में नकारात्मक शक्तियां हावी रहती हैं, इसलिए घर को सूना नहीं छोड़ना चाहिए, श्मशान घाट से लौटने के बाद पुरुष स्नान करने के बाद घर में प्रवेश करते हैं, तब तक महिलाओं को घर पर ही रहना पड़ता है।

साथियों शवदाह संस्कार के बाद घर लौटते समय पीछे मुड़कर नहीं देनी देखने की मान्यता की करें तो, शवदाह संस्कार के बाद घर लौटते समय वापस पीछे मुड़कर देखने पर आत्मा का अपने परिवार के प्रति मोह टूट नहीं पाता है। दूसरी ओर पीछे मुड़कर देखने का मतलब यह भी होता है कि मृत व्यक्ति के प्रति हम में भी मोह बना हुआ है। इसलिए मोह से मुक्ति के लिए शवदाह संस्कार के बाद लौटते समय पीछे मुड़कर नहीं देखना चाहिए। पुराणों में बताया गया है कि मृत्यु के बाद भी कुछ लोगों की आत्मा का अपने परिवार के सदस्यों के साथ मोह बना रहता है। आत्मा के मोहग्रस्त होने पर व्यक्ति की आत्मा अपने परिजनों के आस-पास भटकती रहती है। इस स्थिति में व्यक्ति को मुक्ति नहीं मिल पाती है और उसे कष्ट भोगना पड़ता है। शव दाह संस्कार करके मृत व्यक्ति की आत्मा को यह संदेश दिया जाता है कि अब तुम्हारा जीवित लोगों से और तुम्हारे परिजनों से संबंध तोड़ने का समय आ गया है। मोह के बंधन से मुक्त होकर मुक्ति के लिए आगे बढ़ो।अंतिम संस्कार में वेद मंत्रों के साथ शव को अग्नि के हवाले कर दिया जाता है। शास्त्रों में बताया गया है कि अग्नि में भष्म होने के बाद शरीर जिन पंच तत्वों से बना है उन पंच तत्वों में जाकर वापस मिल जाता है।

अतः अगर हम उपरोक्त पूरे विवरण का अध्ययन करउसका विश्लेषण करें तो हम पाएंगे के शमशान-शव दाह संस्कार, शमशान तेरा हिसाब बड़ा ही नेक है-तेरे यहां अमीर हो या गरीब सब का बिस्तर एक है। सामाजिक ढांचे में इंसानियत का विभाजन जन्म के साथ शुरू होकर मौत के बाद शमशान में, समानता का भाव, सबका बिस्तर एक से महसूस होता है।

संपादकीय

मातृभाषा से आशा

भले ही जनाधार खोते राजनेता नई शिक्षा नीति के तीन भाषा फॉर्मूले का विरोध अपनी राजनीति चमकाने के लिये कर रहे हों, लेकिन इस दिशा में किए गए नये प्रयोग आशा की नई किरण भी जगा रहे हैं। यह निर्विवाद सत्य है कि बच्चा अपनी मातृभाषा में जितनी आसानी और सहजता से सीख सकता है, उतना किसी थोपी गई भाषा में नहीं। तमाम शिक्षाविद् और भाषाविज्ञानी मानते रहे हैं कि दैनिक जीवन में उपयोग किए जाने वाले शब्दों व परिवेशगत ज्ञान विद्यार्थियों को जल्दी सीखने में मददगार हो सकता है। देश में 121 से अधिक भाषाएं बोली जाती हैं। वहीं मातृभाषाओं की संख्या सोलह से अधिक है। इतनी अधिक भाषायी विविधता वाले देश में, जब बच्चे अपने आसपास जो देखते और महसूस करते हैं, वो उनकी स्मृतियों में स्थायी बस जाते हैं। जब ये बातें उनके शैक्षिक पाठ्यक्रम का हिस्सा बनती हैं, तो वे इसका आसानी से अंगीकार कर लेते हैं। कई शिक्षा आयोगों ने भी इसी बात की वकालत की है। इसी सोच के चलते देश के विभिन्न भागों में तीन भाषा फॉर्मूले को लेकर कई प्रयोग हो रहे हैं। इस रचनात्मक पहल के सकारात्मक परिणाम भी सामने आए हैं। जिसके निष्कर्ष बताते हैं कि मातृभाषा में पढ़ाई करने से बच्चों की सीखने की गति तेज हुई है। इससे साक्षरता की दर में सकारात्मक बदलाव आया है। इतना ही नहीं इससे जहां छात्र-छात्राओं में आत्मविश्वास बढ़ा है, वहीं उनकी कक्षा में सहभागिता भी बढ़ी है। सही मायनों में नई शिक्षा नीति में तीन भाषा फॉर्मूले का मकसद भी यही रहा है। विगत के अनुभव बताते हैं कि जब छात्र-छात्राओं को उनकी मातृभाषा से इतर अन्य भाषा में पढ़ाया जाता रहा है तो इसका असर उनकी सीखने की प्रक्रिया पर पड़ता है। ऐसे में दूर-दराज के गांव-देहात या आदिवासी इलाकों से आने वाले विद्यार्थी अन्य शहरी बच्चों का मुकाबले करने में असफल हो जाते हैं। जिससे उनके स्कूल छोड़ने के प्रतिशत में भी वृद्धि होती है। मौजूदा स्थितियों में तीन भाषा फॉर्मूले को लेकर किए जा रहे नये प्रयोग नई उम्मीद जगा रहे हैं। लैंग्वेज एंड लर्निंग फाउंडेशन ने छत्तीसगढ़, झारखंड, राजस्थान और ओडिशा के 13 जिलों में बच्चों को उनकी राज्यभाषा और अंग्रेजी के साथ-साथ मातृभाषा में पढ़ाने के लिये राज्य सरकारों के साथ मिलकर बहुभाषी शिक्षा कार्यक्रम शुरू किया। इससे न केवल चयनित जिलों में बच्चों की साक्षरता दर में सुधार हुआ, बल्कि उनमें अन्य भाषा को सीखने की अभिरुचि भी बढ़ी है। एक महत्वपूर्ण प्रयोग के रूप में प्रारंभिक कक्षाओं में स्थानीय भाषा, सांस्कृतिक परंपराओं व परंपरागता ज्ञान को शामिल करने के लिये स्थानीय समुदायों की मदद भी ली गई। जिसमें स्थानीय परिवेश में उपजी लोककथाओं, स्थानीय संस्कृति आधारित कहानियां तथा कई पीढ़ियों से हासिल पारंपरिक ज्ञान को भी शामिल किया गया। बच्चों की पढ़ाई में रुचि बनी रहे, इसके लिये रचनाधर्मिता का सहारा भी लिया गया। जिसमें मौखिक शिक्षा प्रणाली का भी उपयोग किया गया। ऐसी शिक्षण सामग्री तैयार की गई जिससे बच्चे आसानी व रुचि के साथ आसानी से सीख सकें।

ट्रंप के टैरिफ वार पर जग हंसाई- दुनियाँ से दुश्मनी की नौबत आई ?- नोबेल शांति पुरस्कार पाने की चांस घटाई?

(लेखक - एडवोकेट किशन सनमुखदास भावनानीं/ईएमएस)

वैश्विक स्तरपर पूरी दुनियाँ जानती है कि अमेरिका के राष्ट्रपति डोनाल्ड ट्रंप द्वारा अमेरिकी फर्स्ट, टैरिफ, मेक अमेरिका ग्रेट अगेन,गैरकानूनी अप्रवासियों का मुद्दा सहित अनेको वादे किए थे जिन्हें पूरा करने के लिए वह हद से अधिक स्पीड से भिड़ गए हैं, परंतु में जल्दबाजी से कोई भी काम करना हानिकारक हो सकता है, इसपर भारत में कई कहावतें हैं, जैसे जल्दबाजी का काम शैतानी कम, धैर्य रखो सहित अनेकों कहावतें हैं। आज हम इस विषय पर चर्चा इसलिए कर रहे हैं क्योंकि ट्रंप जब से चुनकर आए हैं,अपने चुनावी वादे बहुत जल्दबाज़ी से लागू करने उमड़ पड़े हैं, जबकि मैं एडवोकेट किशन सनमुखदास भावनानीं गोंदिया महाराष्ट्र मानता हूं के किसी भी काम, वादों, उम्मीदों को पूरा करने धैर्य से व संकल्प के साथ रणनीतिक रूप से काम करने कीजरूरत है, ताकि उसके दूरगामी सकारात्मक परिणाम देखने को मिले। मेरे विचार में शायद ट्रंप साहब इस जल्दबाजी में ही काम कर रहे हैं, जिसका सटीक उदाहरण यह है कि जिस तरह वह निर्णय लेकर फिर उन्हें खारिज करना,या उन्हेंएक्सटेंशन देना एक बारगेनिंग नीति की और बढ़ रहे हैं, अफ्रीकी पांच देशों के के साथ सम्मेलन में व्यवहार, अनेक आर्थिक मजबूत देशों से व्यवहार सहित अनेक मुद्दों पर दबावतंत्र व दादागिरी का आभास हो रहा है,कि पूरी दुनियाँ से एक तरह से दुश्मनी की ओर पग बढ़ा रहे हैं। क्योंकि वह अपने घरेलू यूरोपीय यूनियन पर भी टैरिफ लगाकर, चीन पर 145 पर्सेंट टैक्स लगाकर फिर पीछे हटना, सभी को टैरिफ का अल्टीमेटम देकर दबाव बनाना उचित नहीं है, इस बात का संयुक्त वक्तव्य ब्रिक्स सम्मेलन में भी दिया गया था। चूँकि ट्रंप जब से राष्ट्रपति बने हैं अपनी नीतियों, बयानों से सुर्खियों में रहे हैं, इसलिए आज हम मीडिया में उपलब्ध जानकारी के सहयोग से इस आर्टिकल के माध्यम से चर्चा करेंगे, ट्रंप के टैरिफ वार पर जग हंसाई- दुनियाँ से दुश्मनी की नौबत आई?-नोबेल शांति पुरस्कार पाने की चांस घटाई?साथियों बात अगर हम 12 जुलाई 2025 को मेक्सिको व यूरोपीय यूनियन पर 30 पेर्सेंट टैरिफ़ 1 अगस्त 2025 से लागू करने की घोषणा करने की करें तो,उन्होंने इस संबंध में मैक्सिको और यूरोपीय संघ को लिखे पत्रों को अपने सोशल मीडिया हैंडल से शेयर करके जानकारी दी।ट्रंप के इस कदम से ट्रेड वॉर के और तीव्र होने की संभावना बढ़ गई है, खासकर ऐसे समय में जब यूरोपीय संघ अपने सहयोगी अमेरिका के साथ एक व्यापक व्यापार समझौते पर काम कर रहा है। 27 सदस्यीय यूरोपीय संघ को अब अमेरिकी बाजारों में भारी बाधाओं का सामना करना पड़ रहा है, ट्रंप की यह घोषणा इस सप्ताह की शुरुआत में जापान, साउथ कोरिया, कनाडा और ब्राजील से आने वाले सामानों पर टैरिफ में की गई बढ़ोतरी के बाद आई है।उन्होंने इन देशों से तांबे के आयात पर 50 प्रतिशत का भारी टैरिफ लगाया है।यूरोपियन यूनियन कमीशन की प्रेसिडेंट ने अमेरिकी राष्ट्रपति ट्रंप के फैसले पर कहा, यूरोपीय संघ के निर्यात पर 30 परसेंट टैरिफ अटलांटिक के दोनों ओर के व्यवसायों,उपभोक्ताओं और मरीजों को नुकसान पहुंचाएगा।हम 1 अगस्त तक समझौते की दिशा में काम करना जारी रखेंगे,साथ ही, हम 30 पेर्सेंट टैरिफ के इस फैसले पर उचित प्रक्रियात्मक कदम उठाने और यूरोपीय संघ के हितों की रक्षा के लिए तैयार हैं।इस चिट्ठी में कहा गया है कि मजबूत संबंधों के बावजूद, अमेरिका ने मैक्सिको के फेंटेनल संकट से निपटने के लिए उस पर टैरिफ लगाया है, इसके बारे में कहा गया कि यह आंशिक तौर पर मैक्सिको की तरफ से कार्टेल्स को रोकने में असफलता के कारण है,ट्रंप के अनुसार, मेक्सिको मुझे बॉर्डर सुरक्षित करने में मदद कर रहा है,लेकिन इस देश ने जो किया है वह काफी नहीं है,मेक्सिको ने अभी तक उन कार्टेल्सय को नहीं रोका है जो पूरे उत्तरी अमेरिका को नार्को-तस्करी के मैदान में बदलने की कोशिश कर रहे हैं. जाहिर है, मैं ऐसा नहीं होने दूंगा।अमेरिकी राष्ट्रयपति ट्रंप ने मैक्सिको और यूरोपियन यूनियन (ईयू) पर 30 फीसदी तक टैरिफ लगाने का ऐलान कर दिया है, इन देशों पर टैरिफ एक अगस्ति से लागू हो जाएगा, इससे पहले ट्रंप ने अमेरिका के सात छोटे व्यापारिक साझेदारों को टैरिफ की चिट्ठी भेजी है जिसमें फिलीपींस, ब्रुनेई, मोल्दोवा, अल्जीरिया, लीबिया, इराक और श्रीलंका जैसे देश शामिल हैं।

साथियों बात अगर हम ब्राजील में दो दिवसीय ब्रिक्स शिखर सम्मेलन के संयुक्त वक्तव्य पर ट्रंप के नाराजगी वाले बयान की करें तो,एक संयुक्त वक्तव्य में पीएमसहित ब्रिक्स नेताओं ने कहा कि हम एकतरफा टैरिफ और गैर-टैरिफ उपायों के बढ़ने पर गंभीर चिंता व्यक्त करते हैं, जो व्यापार को विकृत करते हैं और डब्ल्यूटीओ के नियमों के अनुरूप नहीं हैं। बयान में वैश्विक व्यापार में टैरिफ के बढ़ते उपयोग का भी उल्लेख किया गया। हालांकि इस दौरान नाम नहीं लिया गया, लेकिन सभी जानते हैं कि बात अमेरिका की हो रही है।इसके अलावा ब्रिक्स के साझा बयान में चेतावनी दी गई कि टैरिफ के निरंतर 'अंधाधुंध' उपयोग से वैश्विक व्यापार कम हो सकता है। इसके अलावा वैश्विक आपूर्ति श्रृंखला बाधित हो सकती है, तथा अंतर्राष्ट्रीय आर्थिक और व्यापारिक गतिविधियों में अनिश्चितता पैदा हो सकती है, जिससे मौजूदा आर्थिक असमानताएं और बढ़ सकती हैं। तेहरान अब इस संगठन का पूर्ण सदस्य है और यह अपरिहार्य था कि संयुक्त वक्तव्य में इजरायल के साथ सैन्य संघर्ष और अमेरिका द्वारा उसके परमाणु प्रतिष्ठानों पर बमबारी का उल्लेख किया गया। अब सवाल ये हैं कि आखिर क्यों ट्रंप ब्रिक्स को निशाना क्यों बना रहा है। इसको लेकर पश्चिम के अर्थशास्त्री और नीति विश्लेषक चाहे जो भी कहें, ऐसा प्रतीत होता है कि यह गुट अपने समर्थक जुटा रहा है और अमेरिका तथा अन्य पारंपरिक शक्तियों के लिए चुनौती के रूप में उभर रहा है। उदाहरण के लिए अंतर्राष्ट्रीय व्यापार के लिए पसंदीदा मुद्रा के रूप में डॉलर को हटाने की बात करने को बल1 दे रहा है।इसके अलावा नव-विकसित,विकासशील और अल्प-विकसित अर्थव्यवस्थाओं पर इसके बढ़ते प्रभाव के कारण अमेरिका और अन्य पश्चिमी देशों के लिए सौदे करते समय शर्तें तय करना कठिन हो गया है। ब्रिक्स की स्थापना 2009 में हुई थी, इथियोपिया, संयुक्त अरब अमीरात और ईरान तथा 2025 में इंडोनेशिया भी इसमें शामिल होंगे। 6 महीने पहले ब्रिक्स करेंसी को लेकर जब समूह के देशों ने बड़ा ऐलान किया था, और डॉलर को चुनौती देने की बात कही थी, तो उस दौरान भी ट्रंप ने गुस्सा जाहिर किया था। ट्रंप ने कहा था कि ऐसे देशों पर 100 फीसदी टैरिफ लगाया जाएगा। एक तरफ ट्रंप धमकियां दे रहे हैं तो दूसरी ओर उनकी धमकियों से ब्रिक्स देशों के बीच संबंध और ज्यादा मजबूत होते नजर आ रहे हैं।

साथियों बात अगर हम अमेरिकी विदेश विभाग के 1300 से अधिक कर्मचारियों की छटनी की करें तो,अमेरिका में, संघीय कर्मचारियों की संख्या में कटौती करने के ट्रम्प प्रशासन के प्रयासों के तहत, विदेश विभाग के 1,000 से ज्यादा कर्मचारियों को नौकरी से निकाल दिया गया है।

(चिंतन-मनन)

कर्त्तव्य को बनाएं सर्वोपरि लक्ष्य

अध्यापक ने विद्यार्थियों से पूछा- 'रामायण और महाभारत में क्या अंतर है?' विद्यार्थियों ने अपनी-अपनी समझ के अनुसार उत्तर दिए।

अध्यापक को संतोष नहीं हुआ। एक विद्यार्थी ने अनुरोध किया- 'आप ही बताइए' अध्यापक बोला-रामायण और महाभारत में सबसे बड़ा अंतर है 'हक-हकूक' का। रामायण में राम ने अपना अधिकार छोड़ा, राज्य छोड़ा और चौदह वर्षों तक वन में जाकर रहे। वे चाहते तो अधिकार के लिए लड़ाई कर सकते थे। दशरथ उन्हें वन में नहीं भेजना चाहते थे। अयोध्या की जनता उनके वन-गमन से व्यथित थी। पर राम ने अपने कर्त्तव्य को अधिकार से ऊपर रखा। पिता के कहे का पालन उनके जीवन का महान आदर्श था।

महाभारत का संपूर्ण कथानक अधिकारों की लड़ाई का कथानक है। कौरव और पांडव आपस में चचेरे भाई थे। भाई-भाई के रिश्तों में जो गंध होती है, मिठास होती है, अपनापा होता है, उसका दर्शन ही वहां कहां होता है! पांडव सब कुछ जुए में हार गए। सब वादे पूरे कर वे लौटे तो दुर्योधन ने पांच गांव तो क्या, सूई की नोक के बराबर भूमि भी देने से मना कर दिया। ये दो उदाहरण हैं-हमारे सामने। प्रथम उदाहरण अपनेपन से भरे आत्मीय संबंधों का है। यह संबंधों की मधुरता व्यक्ति को कभी आत्मकेंद्रित नहीं होने देती। वह अपने बारे में नहीं सोचता; परिवार, समाज और देश के बारे में सोचता है। उसका अपना कोई स्वार्थ होता ही नहीं। पद-प्रतिष्ठा और सुख-सुविधा के संस्कारों से वह ऊपर उठ जाता है। ऐसा वही व्यक्ति कर सकता है, जो कर्त्तव्य को अपने जीवन का सवरेपरि लक्ष्य मानता है। वह संस्कृति सफल होती है जो कर्त्तव्यनिष्ठ व्यक्तियों को जन्म देती है।

वह शताब्दी सफल होती है, जो कर्त्तव्य की धारा को सतत प्रवाही बनाकर जन-जन तक पहुंचाती है। वह परंपरा सफल होती है, जो कर्त्तव्य का बोध देती है। आज आवश्यकता इस बात की है कि पूजा-प्रतिष्ठा, मान-सम्मान और सुख-सुविधा की अर्थहीन चिंता छोड़कर व्यक्ति अपने जीवन को कर्त्तव्य के लिए समर्पित कर दे।

विचार मंथन

मुख्यमंत्री के साथ सुरक्षाकर्मियों की झूमाझटकी, हाउस अरेस्ट, स्कूटर की सवारी

(लेखक- सनत जैन)

श्रीनगर में सोमवार को जो कुछ देखने को मिला है वह बड़ा आश्चर्यचकित करने वाला है। जम्मू कश्मीर के मुख्यमंत्री उमर अब्दुल्ला को शहीद दिवस मनाने को लेकर पहले उन्हें घर पर ही हाउस अरेस्ट किया गया। इसके बाद भी जब वह शहीद दिवस मनाने के लिए जबरदस्ती अपने घर से निकले तो सुरक्षा कर्मियों ने उनको रोकने का प्रयास किया। वह नहीं माने और मंत्रियों के साथ कब्रिस्तान में जाकर 1931 में हुए शहीदों के नाम पर फातिहा पढ़ना चाह रहे थे। उन्हें रास्ते में ही रोक लिया गया। सुरक्षा कर्मियों ने मुख्यमंत्री के साथ झूमाझपटी की। इसके बाद भी वह रुके नहीं, स्कूटर से वह कब्रिस्तान की ओर रवाना हुए। रास्ते में उन्हें फिर रोक दिया गया। लगभग 1 किलोमीटर पैदल चलते हुए वह नक्शबंद की साहिब कब्रिस्तान पर पहुंचे। कब्रिस्तान का दरवाजा बंद था, वहाँ सुरक्षा कर्मी खड़े हुए थे। उन्होंने दीवाल फांदकर कब्रिस्तान के अंदर प्रवेश किया। वहां उन्होंने शहीदों की याद में फातिहा पड़ा। उसके बाद वह बाहर निकले। मुख्यमंत्री उमर अब्दुल्ला ने सोशल मीडिया पर अपने साथ हुए व्यवहार की फोटो और वीडियो पोस्ट की। मुख्यमंत्री ने आरोप लगाया है, उप राज्यपाल मनोज सिन्हा द्वारा शहीदी दिवस मनाने से रोकना पूरी तरह गलत था। पिछले कई दशकों से शहीद दिवस पर फातिहा पढ़ने के लिए जाया जाता था। फौत हो चुके बुजुर्गों और शहीदों की याद में फातिहा पढ़ना हमारा अधिकार है। मैं एक निर्वाचित मुख्यमंत्री हूं। मेरे ही राज्य में सुरक्षाकर्मियों द्वारा उप राज्यपाल के आदेश पर मुख्यमंत्री और मंत्रियों के साथ जिस तरह की झूमाझटकी की गई है, उससे ऐसा लगता है, हम स्वतंत्र नहीं हैं। एक गुलाम प्रदेश का निर्वाचित मुख्यमंत्री हूं। जम्मू कश्मीर की सत्ता केंद्र सरकार और उपराज्यपाल के हाथों में है।

केंद्र शासित प्रदेश दिल्ली में पूर्व मुख्यमंत्री अरविंद केजरीवाल के समय जिस तरह के हालात वहां देखने को मिलते रहे, अब वही हालात जम्मू कश्मीर में देखने को मिल रहे हैं। जम्मू कश्मीर एक स्वतंत्र राज्य था। केंद्र ने पूर्ण राज्य का दर्जा खत्म करके केंद्र शासित प्रदेश के रूप में तब्दील कर दिया है। जम्मू कश्मीर विधानसभा के चुनाव हो गए हैं। केंद्र सरकार ने पूर्ण राज्य का दर्जा वापस करने के लिए सुप्रीम कोर्ट और लोकसभा में आश्वासन दिया हुआ है। शहीद दिवस के रूप में कब्रिस्तान में जाकर फातिहा पढ़ना उनका धार्मिक और निजी मामला था। शहीद दिवस मनाने के कार्यक्रम पर प्रतिबंध लगाया जा सकता है, लेकिन धार्मिक मान्यताओं के अनुसार फातिहा पढ़ने से कैसे रोका जा सकता था। वह भी इस राज्य के संवैधानिक मुख्यमंत्री के रूप में जब उमर अब्दुल्ला की जिम्मेदारी है। संवैधानिक पदों पर बैठे हुए लोगों के साथ यदि उनके ही सुरक्षाकर्मी तथा उनके ही राज्य की पुलिस इस तरह का व्यवहार करेगी तो संविधान मौलिक अधिकार स्वतंत्रता केंद्र एवं राज्यों के बीच के अधिकार जैसे कई प्रश्न उत्पन्न हो जाते हैं। जिसको लेकर मुख्यमंत्री उमर अब्दुल्ला ने सोशल मीडिया के जरिए अपनी लड़ाई लड़ना शुरू की है। वह एक नई दिशा की ओर आगे बढ़ रही है। कुछ दिन पहले ही पहलगाम में 26 पर्यटकों की हत्या की गई थी, वहां पर सुरक्षा व्यवस्था के कोई इंतजाम नहीं थे। अभी तक हमले के जिम्मेदारी आतंकवादी नहीं पकड़े गए। हाल ही में उपराज्यपाल ने उक्त घटना को लेकर जिम्मेदारी स्वीकार की है। अभी यह मामला ठंडा भी नहीं हुआ था, जम्मू कश्मीर में एक नया विवाद शुरू हो गया है। एनडीए और इंडिया गठबंधन को लेकर पक्ष और विपक्ष के बीच में पहले से ही तलवारें खिंची हुईं थीं। जम्मू कश्मीर के मुख्यमंत्री बनने के बाद उमर अब्दुल्ला द्वारा केंद्र सरकार विशेष रूप से प्रधानमंत्री के साथ अपने संबंधों को बेहतर बनाने की दिशा में सहयोग देने का काम किया जा रहा था, जिसके कारण उन्हें इंडिया गठबंधन की आलोचनाओं का भी शिकार होना पड़ रहा था। उसके बाद भी इस घटना ने केंद्र एवं राज्यों के संबंधों और अधिकारों को लेकर एक नए विवाद की शुरुआत कर दी है। इस विवाद का अंत किस तरह से होगा यह कह पाना मुश्किल है, लेकिन जिस तरह से एक निर्वाचित मुख्यमंत्री के साथ झूमाझटकी की गई उन्हें बिना किसी सुरक्षा व्यवस्था के दो पहिया वाहन और पैदल बिना किसी सुरक्षा के चलकर जाना पड़ा दीवाल फांदकर कब्रिस्तान के अंदर प्रवेश करना पड़ा, यह राजनीतिक अपरिपक्वता और अहंकार का परिचायक ही माना जा सकता है। उपराज्यपाल को मुख्यमंत्री से इस संबंध में बात करके निर्णय लेना था। वर्तमान घटना को देखते हुए यही लगता है उपराज्यपाल के रूप में मनोज सिन्हा अपने आपको सुपर सीएम मानकर चलते हैं। जम्मू कश्मीर की सुरक्षा व्यवस्था की जिम्मेदारी उन्हीं के पास है। ऐसी स्थिति में मानसून-सत्र शुरू होने पर संसद में यह मामला तूल पकड़ेगा।

Web site : www.krantisamay.com & epaper.krantisamay.com www.facebook.com/krantisamay1 www.twitter.com/krantisamay1

रिलायंस ने नेपाल में लांच किया 'कैम्पा' ब्रांड

नई दिल्ली । लायंस इंडस्ट्रीज की उपभोक्ता इकाई रिलायंस कंज्यूमर प्रोडक्ट्स लिमिटेड (आरसीपीएल) ने अपने लोकप्रिय शीतल पेय ब्रांड 'कैम्पा' को नेपाल में लॉन्च कर दिया है। कंपनी ने इसके लिए नेपाल के एक अग्रणी कारोबारी के साथ रणनीतिक साझेदारी की है। हाल ही में जारी एक संयुक्त बयान में दोनों कंपनियों ने घोषणा की कि यह साझेदारी नेपाल के बाजार में 'कैम्पा' को सफलतापूर्वक स्थापित करने के उद्देश्य से की गई है। इस पहल के माध्यम से रिलायंस नेपाल में अपने उपभोक्ता उत्पादों की उपस्थिति को मजबूत करना चाहती है। आरसीपीएल के कार्यकारी ने कहा कि हम चौधरी ग्रुप के साथ साझेदारी कर नेपाल में प्रवेश करते हुए बेहद उत्साहित हैं। हमें विश्वास है कि 'कैम्पा' ब्रांड नेपाल के उपभोक्ताओं को ताजगी और बेहतरीन स्वाद प्रदान करेगा। चौधरी ग्रुप के एक वे रिष्ठ अे धिकारी ने कहा कि यह साझेदारी हमारी उपभोक्ताओं को उच्च गुणवत्ता वाले पेय उपलब्ध कराने की प्रतिबद्धता को दर्शाती है।

नैसकॉम ने लॉन्च किया 'यूएस सीईओ फोरम'

न्यूयॉर्क । भारत-अमेरिका के बीच प्रौद्योगिकी साझेदारी को मजबूत बनाने के उद्देश्य से उद्योग संगठन नैसकॉम ने 'नैसकॉम यूएस सीईओ फोरम' की शुरुआत की है। इस मंच का उद्घाटन हाल ही में न्यूयॉर्क स्थित भारतीय महावाणिज्य दूतावास में किया गया। इस मंच का उद्देश्य दोनों देशों के बीच तकनीकी सहयोग, नवाचार और प्रतिभा विकास को बढ़ावा देना है। यह भारत और अमेरिका के अग्रणी प्रौद्योगिकी उद्योगपतियों और नीति निर्माताओं को एक साझा मंच प्रदान करेगा, जहां वे रणनीतिक संवाद और साझेदारी के नए अवसरों पर विचार-विमर्श कर सकेंगे। कॉग्निजेंट के सीईओ रवि कुमार को इस मंच का अध्यक्ष नियुक्त किया गया है, जबकि एलएंडटी टेक्नोलॉजी सर्विसेज के सीईओ और प्रबंध निदेशक अमित चड्ढा सह-अध्यक्ष होंगे। भारतीय महावाणिज्य दूत बिनय प्रधान ने इसे समयानुकूल पहल बताते हुए कहा कि यह मंच भारत-अमेरिका प्रौद्योगिकी साझेदारी को नया बल देगा और भविष्य की नेतृत्व क्षमताओं को आकार देगा। नैसकॉम अध्यक्ष राजेश नांबियार के अनुसार, यह मंच एआई, सेमीकंडक्टर, स्वच्छ प्रौद्योगिकी और भविष्य के कौशल जैसे क्षेत्रों में सहयोग और सह-निर्माण को प्रोत्साहित करेगा। साथ ही, यह मंच डिजिटल नवाचार आधारित पर्यावरण को बढ़ावा देने और सीमा-पार भागीदारी को सुरक्षित एवं मजबूत बनाने की दिशा में कार्य करेगा।

टाटा टेक्नोलॉजीज का पहली तिमाही में मुनाफा बढ़कर 170 करोड़ पहुंचा

- एक साल पहले इसी अवधि में कंपनी का मुनाफा 1,268.97 करोड़ रुपए था

नई दिल्ली । टाटा टेक्नोलॉजीज का चालू वित्त वर्ष की पहली तिमाही (अप्रैल-जून) का मुनाफा सालाना आधार पर पांच प्रतिशत बढ़कर 170.28 करोड़ रुपए रहा है। टाटा टेक्नोलॉजीज लिमिटेड (टीटीएल) ने शेयर बाजारों को यह जानकारी दी। इससे पिछले वित्त वर्ष की समान तिमाही में कंपनी ने 162.03 करोड़ रुपए का मुनाफा दर्ज किया था। समीक्षाधीन तिमाही में कंपनी का परिचालन राजस्व 1,244.29 करोड़ रुपए रहा, जो एक साल पहले इसी अवधि में 1,268.97 करोड़ रुपए था। वैश्विक उत्पाद इंजीनियरिंग और डिजिटल सेवा कंपनी ने कहा कि उसका कुल खर्च सालाना आधार पर 1,072.33 करोड़ रुपए से मामूली बढ़कर 1,080.11 करोड़ रुपए हो गया। टीटीएल के एक वरिष्ठ अधिकारी ने कहा कि तिमाही की शुरुआत सतर्कता के साथ हुई, लेकिन आगे चलकर ग्राहकों का भरोसा लगातार मजबूत होता गया, जिससे उत्पाद नवाचार और डिजिटल बदलाव के प्रति दीर्घकालिक प्रतिबद्धताओं की पुष्टि हुई।

मोदी सरकार के कार्यकाल में महंगाई दर 5 प्रतिशत,

बीते 11 सालों में

नई दिल्ली।

भारत में खुदरा महंगाई दर बीते 11 वर्षों में 5 प्रतिशत के आसपास रही है, लेकिन हाल के महीनों में इसमें तेज गिरावट दर्ज हुई और जून 2025 में गिरकर 2.1 प्रतिशत पर आ गई है। वित्त मंत्रालय के आंकड़ों के मुताबिक, प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी के कार्यकाल में औसत महंगाई दर 5.1 प्रतिशत रही है, जो कि यूपीए के कार्यकाल में 8.1 प्रतिशत रहती थी। सरकारी डेटा के मुताबिक, कांग्रेस के नेतृत्व वाले यूपीए के कार्यकाल में जनवरी 2012 से लेकर अप्रैल 2014 तक के 28 महीनों में से 22 महीनों में महंगाई दर 9 प्रतिशत से अधिक रही थी। मनमोहन सरकार-2 के आखिरी तीन वर्षों में देश में खुदरा महंगाई दर औसत 9.8 प्रतिशत रही थी, जबकि उस समय वैश्विक स्तर पर महंगाई 4-5 प्रतिशत के बीच थी। वहीं, पीएम नरेंद्र मोदी के नेतृत्व में ज्यादा समय खुदरा महंगाई दर 5 प्रतिशत से कम रही है और कभी भी महंगाई ने 8 प्रतिशत से ऊपर का स्तर नहीं छूआ है। खुदरा महंगाई दर जून 2025 में घटकर 2.1 प्रतिशत हो गई है। इसमें बीते महीने के मुकाबले 0.72 प्रतिशत की कमी दर्ज की गई है। मई में यह 2.82 प्रतिशत थी। जून 2025 में रिकॉर्ड की गई खुदरा महंगाई दर जनवरी 2019 के बाद रिटेल मुद्रास्फीति का सबसे न्यूनतम आंकड़ा है। मंत्रालय के डेटा के अनुसार, बीते महीने में ग्रामीण स्तर पर खुदरा महंगाई दर 1.72 प्रतिशत रही है, जबकि शहरी स्तर पर खुदरा महंगाई दर 2.56 प्रतिशत रही है। इस महीने के दौरान महंगाई में मजबूत गिरावट मुख्य रूप से सब्जियों, दालों, मांस और मसालों की कीमतों में गिरावट के कारण हुई है। इस बीच, रिजर्व बैंक के गवर्नर संजय मल्होत्रा ने हाल ही में कहा कि आरबीआई ने 2025-26 के लिए अपने महंगाई दर अनुमान को भी 4 प्रतिशत के पूर्व अनुमान से घटाकर 3.7 प्रतिशत कर दिया है। वित्त वर्ष 2025-26 के लिए उपभोक्ता मूल्य सूचकांक (सीपीआई) महंगाई दर अब 3.7 प्रतिशत रहने का अनुमान है, जिसमें महंगाई दर पहली तिमाही में 2.9 प्रतिशत, दूसरी तिमाही में 3.4 प्रतिशत, तीसरी तिमाही में 3.9 प्रतिशत और चौथी तिमाही में 4.4 प्रतिशत रहने का अनुमान है।

रुपया बढ़त के साथ बंद

मुंबई । अमेरिकी डॉलर के मुकाबले भारतीय रुपया मंगलवार को आठ पैसे की बढ़त के साथ ही 85.84 रुपये पर बंद हुआ। आज सुबह विदेशी मुद्रा के मुकाबले डॉलर के कमजोर रुख और वैश्विक स्तर पर कच्चे तेल की कीमतों में गिरावट के बीच रुपया शुरुआती कारोबार में अमेरिकी डॉलर के मुकाबले 85.92 पर स्थिर रहा। विदेशी मुद्रा कारोबारियों का कहना है कि विदेशी पूंजी की निकासी और भारत-अमेरिका व्यापार वार्ता के परिणाम को लेकर जारी अनिश्चितता के कारण घरेलू मुद्रा में वृद्धि नहीं हो पाई। अंतरबैंक विदेशी मुद्रा विनिमय बाजार में रुपया डॉलर के मुकाबले 85.97 पर खुला। फिर 85.92 प्रति डॉलर पर पहुंच गया जो पिछले बंद भाव के बराबर है। रुपया सोमवार को 12 पैसे की गिरावट के साथ अमेरिकी डॉलर के मुकाबले 85.92 पर बंद हुआ। इस बीच छह प्रमुख मुद्राओं के मुकाबले अमेरिकी डॉलर की स्थिति को दर्शाने वाला डॉलर सूचकांक 0.04 फीसदी की गिरावट के साथ 98.04 पर आ गया।

ईपीएफओ ने बदले पीएफ निकासी के नियम, घर खरीदने वालों को बड़ी राहत

- अब ईपीएफ सदस्य अपने खाते से निकाल सकते हैं 90 फीसदी तक की राशि

नई दिल्ली । कर्मचारी भविष्य निधि संगठन (ईपीएफओ) ने भविष्य निधि (पीएफ) निकासी के नियमों में बड़ा बदलाव किया है, जिससे घर खरीदने या बनाने की योजना बना रहे कर्मचारियों को बड़ी राहत मिलेगी। अब ईपीएफ सदस्य अपने खाते से 90 फीसदी तक की राशि निकाल सकते हैं, जबकि पहले यह सीमा कम थी। यह सुविधा पहला घर खरीदने, नया घर बनवाने या होम लोन की ईएमआई चुकाने के लिए ली जा सकती है। पहले इस लाभ के लिए कम से कम 5 साल की सेवा जरूरी थी, लेकिन नए नियमों के अनुसार अब केवल 3 साल की सेवा के बाद भी यह सुविधा उपलब्ध है। यह लाभ जीवन में सिर्फ एक बार लिया जा सकता है और इसे ईपीएफ स्कीम 1952 के पैरा 68-बीडी के तहत लागू किया गया है। ऑनलाइन क्लेम प्रक्रिया को भी सरल बना दिया गया है। अब बैंक चेक या पासबुक की स्कैन कॉपी अपलोड करने की आवश्यकता नहीं होगी। बैंक खाता आधार ओटीपी के माध्यम से ही सत्यापित हो जाएगा और नियोक्ता की भूमिका खत्म कर दी गई है। यदि कोई सदस्य बैंक खाता बदलना चाहता है, तो नया खाता नंबर और आईएफएससी कोड डालकर ओटीपी से सत्यापन किया जा सकता है। इसके साथ ही ऑटो-सेटलमेंट की सीमा को 1 लाख से बढ़ाकर 5 लाख कर दिया गया है, जिससे कर्मचारियों को 72 घंटे के भीतर तेज भुगतान संभव हो सकेगा।

शेयर बाजार तेजी के साथ बंद

सेंसेक्स 317 , निफ्टी 113 अंक उछला

मुंबई ।

भारतीय शेयर बाजार मंगलवार को तेजी के साथ बंद हुआ। सप्ताह के दूसरे ही कारोबारी दिन बाजार में ये तेजी दुनिया भर से मिले अच्छे संकेतों के साथ ही खरीददारी हावी होने से आई है। दिन भर के कारोबार के बाद 30 शेयरों वाला बीएसई सेंसेक्स 317 अंकों की बढ़त के साथ ही 82,570.91 अंकों पर बंद हुआ। वहीं 50 शेयरों वाला एनएसई पर निफ्टी भी 113 अंक बढ़कर 25,195.80 पर बंद हुआ। आज के कारोबार के दौरान निफ्टी पर हीरो मोटोकॉर्प, सन फार्मा, बजाज ऑटो, अपोलो हॉस्पिटल्स, बजाज फिनसर्व के शेयरों में उछाल आया जबकि एचसीएल टेक्नोलॉजीज, एचडीएफसी लाइफ, एसबीआई लाइफ इंश्योरेंस, इटरनल (जोमेटो) और टाटा स्टील के शेयर गिरे।

आज कारोबार के दौरान धातु को छोड़कर, बाकी सभी सेक्टोरल इंडेक्स लाभ के साथ ही हरे निशान पर बंद हुए। दूसरी ओर फार्मा, ऑटो, पीएसयू बैंक, कंज्यूमर ड्यूरेबल्स, आईटी, रियल्टी में 0.5-1 फीसदी की बढ़त रही। बीएसई मिडकैप और स्मॉलकैप इंडेक्स में 0.5-0.5 फीसदी की बढ़त दर्ज की गई। वहीं जापानी उपभोक्ता क्षेत्र की कंपनियों के संभावित 1.1 अरब डॉलर के निवेश की खबरों के बाद से ही यस बैंक के शेयरों में 3.3 फीसदी की तेजी आई, जिससे बैंक की हिस्सेदारी बढ़कर 25 फीसदी हो सकती है। पिछले सत्र में वैश्विक व्यापार तनाव, विदेशी पूंजी निकासी और टैरिफ संबंधी चिंताओं के कारण सेंसेक्स और निफ्टी में लगातार चौथे सत्र में गिरावट दर्ज की गई थी।

इससे पहले आज सुबह बाजार तेजी के साथ खुला। सेंसेक्स 181 अंकों की बढ़ोतरी के साथ 82,418.21 पर जबकि निफ्टी 0.22 फीसदी की बढ़ोतरी के साथ 25,137.10 पर खुला। आज एनएसई पर 3,015 शेयरों में ट्रेडिंग हुई। इनमें से 1,968 शेयर तेजी के साथ बंद हुए। वहीं 961 शेयर गिरावट के साथ बंद हुए। इसके अलावा 86 शेयरों की कीमत में अंतर नहीं आया। वहीं एशियाई बाज़ार मंगलवार को बढ़त के साथ कारोबार कर रहे थे। निवेशकों ने अमेरिकी राष्ट्रपति डॉनल्ड ट्रंप के टैरिफ़ पर बदलते रुख़ से जुड़ी अनिश्चितता को नज़रअंदाज़ कर दिया और अपना ध्यान चीन के आर्थिक आंकड़ों पर केंद्रित कर दिया। जापान का निक्केई इंडेक्स 0.4 3 फीसदी और व्यापक टॉपिक्स सूचकांक में 0.3 फीसदी चढ़कर कारोबार कर रहा था। कोस्पी में 0.29 3 फीसदी और एएसएक्स 200 में 0.6 3 फीसदी की वृद्धि हुई। अमेरिकी बेंचमार्क इंडेक्स सोमवार को बढ़त के साथ बंद हुए। एसएंडपी 500 0.14 3 फीसदी बढ़कर 6,268.56 पर, नैस्डैक कंपोजिट 0.27 3 फीसदी बढ़कर 20,640.33 पर और डाउ जोन्स इंडस्ट्रियल एवरेज 0.20 3 फीसदी बढ़कर 44,459.65 पर बंद हुआ।

दक्षिण कोरिया में गूगल यूट्यूब प्रीमियम लाइट लांच करने की तैयारी में

फेयर ट्रेड कमीशन की आपत्ति के बाद कम हुई गूगल की अकड़

सोल। दक्षिण कोरिया में गूगल यूट्यूब के लिए एक नया, सस्ता सब्सक्रिप्शन प्लान, यूट्यूब प्रीमियम लाइट लांच करने की तैयारी कर रहा है। यह प्लान केवल विज्ञापन-मुक्त वीडियो स्ट्रीमिंग प्रदान करेगा और इसमें यूट्यूब म्यूजिक शामिल नहीं होगा। यह कदम दक्षिण कोरिया के फेयर ट्रेड कमीशन (एफटीसी) द्वारा गूगल की कथित प्रतिस्पर्धा-विरोधी प्रथाओं की जांच के बाद आया है। एफटीसी ने आरोप लगाया था कि गूगल ग्राहकों को यूट्यूब प्रीमियम के साथ यूट्यूब म्यूजिक को बंडल करके उन लोगों के विकल्पों को सीमित कर रहा है जो केवल विज्ञापन-मुक्त वीडियो स्ट्रीमिंग चाहते थे। इससे उपभोक्ता के विकल्प सीमित हो रहे थे और गूगल अपने बाज़ार के प्रभुत्व का दुरुपयोग कर रहा था। यूट्यूब प्रीमियम लाइट की कीमत मौजूदा यूट्यूब प्रीमियम प्लान की लगभग आधी होगी। इस प्लान में केवल विज्ञापन-मुक्त वीडियो स्ट्रीमिंग मिलेगी, इसमें म्यूजिक स्ट्रीमिंग शामिल नहीं होगी। एंड्रॉइड यूजर्स के लिए इसकी मासिक कीमत 6.15 डॉलर (8,500 वॉन) और आईओएस यूजर्स के लिए 7.89 डॉलर (10,900 वॉन) होगी। गूगल ने प्रस्तावित किया है कि वह कम से कम एक साल के लिए यूट्यूब प्रीमियम लाइट और यूट्यूब प्रीमियम दोनों की कीमतों को स्थिर रखेगा।

आगे क्या होगा?

एफटीसी गूगल के प्रस्ताव को स्वीकार करने या न करने पर अंतिम निर्णय लेने से पहले 14 अगस्त तक संबंधित मंत्रालयों और हितधारकों से चर्चा करेगा। यदि एफटीसी प्रस्ताव को स्वीकार करता है, तब गूगल इस साल के अंत तक यूट्यूब प्रीमियम लाइट योजना शुरू करने की योजना बना रहा है। कोरियाई संगीत उद्योग के लिए समर्थन- गूगल ने घोषणा की है कि वह कोरियाई संगीत उद्योग के विकास का समर्थन करने के लिए 15 बिलियन वॉन का एक फंड बनाएगा। इस फंड का उपयोग नए कलाकारों को खोजने और विदेशी संगीत समारोहों में उनकी भागीदारी में मदद करने के लिए किया जाएगा।

जुलाई सीरीज़ में एफआईआई की आक्रामक बिकवाली

- जुलाई सीरीज में बेचे 68,000 से ज्यादा निफ्टी फ्यूचर्स

नई दिल्ली । जुलाई सीरीज़ की शुरुआत से अब तक विदेशी संस्थागत निवेशक (एफआईआई) इंडेक्स फ्यूचर्स खासकर निफ्टी फ्यूचर्स में आक्रामक बिकवाली कर रहे हैं। नेशनल स्टॉक एक्सचेंज (एनएसई) के फ्यूचर्स एंड ऑप्शंस (एफएंडओ) डेटा के मुताबिक एफआईआई ने अब तक कुल 16,844.97 करोड़ की शुद्ध बिकवाली की है। यह आंकड़ा 11 ट्रेडिंग सत्रों में सामने आया है और इसमें निफ्टी, बैंक निफ्टी और मिडकैप फ्यूचर्स के कुल 87,554 कॉन्ट्रैक्ट शामिल हैं। निफ्टी फ्यूचर्स में सबसे अधिक दबाव देखा गया, जहां एफआईआई ने 68,622 कॉन्ट्रैक्ट्स की शुद्ध बिकवाली की, जो कुल बिकवाली का 78 फीसदी है। इसी अवधि में निफ्टी फ्यूचर्स में ओपन इंटरेस्ट में 47 फीसदी की बढ़ोतरी हुई है, जो शॉर्ट पोजिशन के निर्माण का संकेत देता है। नतीजतन एनएसई निफ्टी 50 इंडेक्स 1.8 फीसदी तक गिरा है। एफआईआई का लॉन्ग-शॉर्ट रेशियो घटकर 0.22 हो गया है, यानी हर एक लॉन्ग पोजिशन पर लगभग 5 शॉर्ट पोजिशन हैं। हालांकि, विश्लेषकों का मानना है कि अगर निफ्टी 24,900 के स्तर को बनाए रखता है, तो बाजार को राहत मिल सकती है।

मुंबई में टेस्ला का पहला एक्सपीरियंस सेंटर खुला

- भारत में निवेश की उम्मीदें बढ़ी

मुंबई ।

इलेक्ट्रिक कार निर्माता टेस्ला ने मंगलवार को मुंबई के बांद्रा कुर्ला कॉम्प्लेक्स (बीकेसी) में भारत का पहला 'एक्सपीरियंस सेंटर' शुरू किया। इस मौके पर महाराष्ट्र के उपमुख्यमंत्री देवेंद्र फडणवीस ने टेस्ला से भारत में अनुसंधान, विकास और विनिर्माण संयंत्र स्थापित करने का आग्रह किया। फडणवीस ने कहा कि हम चाहते हैं कि टेस्ला अपने अनुसंधान और निर्माण की प्रक्रिया भारत में ही करे। महाराष्ट्र इस यात्रा में उसका भागीदार बनने को तैयार है। उन्होंने कहा कि मुंबई में पहला सेंटर खोलना राज्य और शहर पर टेस्ला के विश्वास को दर्शाता है। उन्होंने कहा कि मुंबई केवल वित्तीय और मनोरंजन की राजधानी नहीं, बल्कि नवाचार और उद्यमशीलता का केंद्र भी है। टेस्ला का यह एक्सपीरियंस सेंटर पारंपरिक कार शोरूम से अलग है और ग्राहकों को टेस्ला की कारों और तकनीक का प्रत्यक्ष अनुभव प्रदान करता है। यह सेंटर कंपनी के उत्पादों और इनोवेशन को सामने लाने का खास मंच होगा। इसके अलावा, टेस्ला इंडिया ने मुंबई के लोढ़ा लॉजिस्टिक्स पार्क में 24,565 वर्ग फुट का वेयरहाउस पांच साल के लिए लीज पर लिया है, जो उसके भारत में बढ़ते कदमों का संकेत है। हालांकि, केंद्रीय भारी उद्योग मंत्री एच. डी. कुमारस्वामी ने जून में कहा था कि टेस्ला फिलहाल भारत में कार निर्माण की इच्छुक नहीं है, लेकिन देश में शोरूम खोलने पर ध्यान दे रही है।

डेयरी सेक्टर खुला तो 8 करोड़ किसानों को हो सकता है 1 लाख करोड़ का घाटा: एसबीआई रिसर्च

भारत ने अमेरिकी मांग के अनुसार डेयरी और कृषि उत्पादों पर शुल्क में छूट देने से किया इनकार

नई दिल्ली । भारत और अमेरिका के बीच प्रस्तावित द्विपक्षीय व्यापार समझौता अंतिम दौर में है, लेकिन कुछ प्रमुख मुद्दों पर अब भी सहमति नहीं बन सकी है। मीडिया रिपोर्ट्स के अनुसार, समझौते का मसौदा लगभग तैयार है, लेकिन कृषि और डेयरी उत्पादों को लेकर मतभेद बने हुए हैं। भारत ने अमेरिकी मांग के अनुसार डेयरी और कृषि उत्पादों पर शुल्क में छूट देने से इनकार कर दिया है। भारत ने आज तक किसी भी व्यापारिक साझेदार को डेयरी क्षेत्र में रियायत नहीं दी है। इसी पृष्ठभूमि में भारतीय स्टेट बैंक (एसबीआई) की एक रिसर्च रिपोर्ट सामने आई है, जिसमें अमेरिका को डेयरी सेक्टर में प्रवेश देने से भारत को होने वाले संभावित लाभ और हानियों का विश्लेषण किया गया है। रिपोर्ट के अनुसार अगर भारत कृषि और डेयरी सेक्टर को अमेरिका के लिए खोलता है, तो इससे कुछ क्षेत्रों में लाभ की संभावना है। अमेरिका में उच्च मूल्य वाले उत्पादों जैसे ऑर्गेनिक फूड, मसाले, आम, लीची, केले और भिंडी की भारी मांग है। फिलहाल भारत इन उत्पादों का सालाना निर्यात 1 अरब डॉलर से भी कम करता है, लेकिन यह बढ़कर 3 अरब डॉलर तक पहुंच सकता है। इसके अलावा यदि अमेरिका भारत के आयुष और जेनेरिक दवाओं पर लगे गैर-शुल्क प्रतिबंध हटाता है, तो इन क्षेत्रों में 1-2 अरब डॉलर का अतिरिक्त निर्यात संभव है। वीजा नियमों में ढील और आउटसोर्सिंग पर सहयोग से भारतीय आईटी और सेवा क्षेत्र को भी बड़ा लाभ मिल सकता है। वहीं, अमेरिका से कोल्ड स्टोरेज, लॉजिस्टिक्स और प्रिसिशन फार्मिंग जैसे क्षेत्रों में निवेश आने की उम्मीद है। हालांकि, यह समझौता भारतीय डेयरी किसानों के लिए नुकसानदायक साबित हो सकता है। अमेरिका में डेयरी सेक्टर को भारी सब्सिडी मिलती है, जिससे वहां के उत्पाद काफी सस्ते होते हैं। यदि भारत इस सेक्टर को खोलेगा, तो सस्ते अमेरिकी उत्पाद भारतीय बाजार में आ सकते हैं, जिससे घरेलू दूध की कीमतों में 15 से 25 फीसदी तक की गिरावट संभव है। एसबीआई की रिपोर्ट बताती है कि यदि दूध की कीमतों में 15 फीसदी की गिरावट आती है, तो कुल डेयरी राजस्व में 1.8 लाख करोड़ की कमी आ सकती है। किसानों की इसमें 60 फीसदी हिस्सेदारी मानें, तो किसानों को सालाना ₹.03 लाख करोड़ तक का नुकसान हो सकता है।

अमेरिकी दबाव के बावजूद चीन की जीडीपी ने लगाई 5.2 फीसदी की छलांग

- विश्लेषकों के 5.1 फीसदी के अनुमान से थोड़ा बेहतर रही

बीजिंग ।

चीन की अर्थव्यवस्था ने अप्रैल से जून (दूसरी तिमाही) के बीच 5.2 फीसदी की सालाना वृद्धि दर्ज की है, जो विश्लेषकों के 5.1 फीसदी के अनुमान से थोड़ा बेहतर रही। यह जानकारी मंगलवार को चीन के राष्ट्रीय सांख्यिकी ब्यूरो द्वारा जारी की गई। विश्लेषकों को उम्मीद थी कि देश की आर्थिक रफ्तार पहली तिमाही के मुकाबले थोड़ी धीमी हो सकती है, लेकिन नतीजे ने बाज़ार को हैरानी में डाल दिया। चीन की जीडीपी में दूसरी तिमाही में सालाना वृद्धि 5.2 फीसदी जबे कि पहली तिमाही में 5.4 फीसदी रही, दूसरी तिमाही में 1.1 फीसदी, तिमाही वृद्धि अनुमान- 0.9 फीसदी, पिछली तिमाही की तिमाही वृद्धि 1.2 फीसदी रही। चीन ने साल 2025 के लिए लगभग 5 फीसदी की आर्थिक वृद्धि का लक्ष्य रखा है, और अभी तक के आँकड़ों के अनुसार देश उस दिशा में आगे बढ़ रहा है। चीन की यह मजबूती पूरी तरह से नीतिगत सहायता, विनिर्माण और निर्यात में स्थिरता और अमेरिका के साथ चल रहे व्यापार तनाव में अस्थायी राहत के कारण मानी जा रही है।

लेकिन विश्लेषक यह भी चेतावनी दे रहे हैं कि वर्ष की दूसरी छमाही में हालात और चुनौतियाँ गंभीर हो सकती हैं। विशेषज्ञ मानते हैं कि चीन को आगे आर्थिक रफ्तार बनाए रखने के लिए घरेलू मांग को मज़बूत करना, उद्योगों को सब्सिडी व समर्थन देना और रियल एस्टेट संकट से बाहर निकलने की रणनीति बनानी होगी।

मेटा ने 1 करोड़ अकाउंट किए बंद

नई दिल्ली ।

डिजिटल कंटेंट से कमाई करने वालों के लिए एक बड़ी खबर सामने आई है। सोशल मीडिया कंपनी मेटा ने फेसबुक पर गैर-मौलिक (कॉपी-पेस्ट) कंटेंट शेयर करने वाले यूजर्स पर सख्त कार्रवाई शुरू कर दी है। मेटा ने अब तक 1 करोड़ से ज्यादा अकाउंट बंद कर दिए हैं, जिन पर दूसरों के कंटेंट को बिना अनुमति के इस्तेमाल करने का आरोप है। इसके अलावा 5 लाख ऐसे अकाउंट भी हटाए गए हैं, जो स्पैम या नकली गतिविधियों में लिप्त थे। मेटा की नई नीति के तहत अब फेसबुक पर वही कंटेंट मोनेटाइज होगा जो मौलिक और यूजर द्वारा खुद तैयार किया गया हो। जो यूजर बार-बार किसी दूसरे के टेक्स्ट, फोटो या वीडियो को कॉपी कर पोस्ट करेंगे, उनका मोनेटाइजेशन बंद कर दिया जाएगा। साथ ही उनकी पोस्ट की रीच और डिस्ट्रिब्यूशन भी घटा दी जाएगी। कंपनी की कोशिश है कि प्लेटफॉर्म पर केवल असली और रचनात्मक कंटेंट को बढ़ावा दिया जाए। इस दिशा में मेटा ने यूट्यूब की तर्ज पर एक नया सिस्टम भी टेस्ट करना शुरू किया है, जो डुप्लीकेट वीडियो की पहचान करेगा और ऑडियंस को मूल कंटेंट क्रिएटर का लिंक दिखाएगा। हालांकि, मेटा ने स्पष्ट किया है कि जो यूजर्स किसी और के कंटेंट पर रिएक्शन, व्याख्या या अपनी राय जोड़कर वीडियो बनाते हैं, उनके खिलाफ कार्रवाई नहीं की जाएगी। यानी जो लोग किसी ट्रेंड में हिस्सा ले रहे हैं या शिक्षाप्रद/मनोरंजक कमेंट्री कर रहे हैं, वे इस नीति के दायरे में नहीं आएंगे।

Web site : www.krantisamay.com & epaper.krantisamay.com www.facebook.com/krantisamay1 www.twitter.com/krantisamay1

केएल राहुल की फॉर्म भारत के लिए बहुत बड़ी उपलब्धि: पूर्व भारतीय बल्लेबाज

नई दिल्ली (एजेंसी)। पूर्व भारतीय बल्लेबाज संजय मांजरेकर का मानना है कि इंग्लैंड के खिलाफ मौजूदा टेस्ट सीरीज में सलामी बल्लेबाज केएल राहुल की फॉर्म मेहमान टीम के लिए सबसे बड़ी उपलब्धि है। राहुल ने अब तक इस दौरे पर छह पारियों में 375 रन बनाए हैं, जिसमें दो शतक और एक अर्धशतक शामिल है।

मांजरेकर ने जियोहॉटस्टार पर कहा, 'एक विश्लेषक और एक पूर्व क्रिकेटर के तौर पर मुझे सबसे बड़ी संतुष्टि केएल राहुल को देखकर मिली है। उनका खेल हमेशा से ही शानदार रहा है। हां, उनकी तकनीक में कुछ खामियां थीं, लेकिन उन्होंने उन पर काम किया और उन्हें सुलझाया। बस एक कमी निरंतरता की थी। हमारे एक शो में, हमने मजाक में उन्हें 'मिस्टर कंसिस्टेंट केएल राहुल' की उपाधि भी दी थी लेकिन उन्हें यह तमगा हासिल करने में काफी समय लगा।'

पूर्व क्रिकेटर ने कहा, 'उन्होंने अब तक भारत के लिए 50 से ज़्यादा टेस्ट मैच खेले हैं और अब मैं जो देख रहा हूं वह लगभग पूर्णता के करीब है, उनमें कोई भी कमजोरी नजर नहीं आती। किसी विदेशी सीरीज में पहली बार उन्होंने 200 से ज़्यादा रन बनाए हैं। मेरे लिए यह भारत के लिए बहुत बड़ी उपलब्धि है।

सोमवार को लॉर्ड्स में भारत की 22 रनों से मामूली हार के बाद मांजरेकर ने रवींद्र जडेजा और जसप्रीत बुमराह के बीच नौवें विकेट की साझेदारी पर भी बात की। उन्होंने कहा, 'रवींद्र जडेजा अच्छी बल्लेबाज़ी कर रहे थे और मज़बूती से डिफेंस कर रहे थे, लेकिन ऐसा कभी नहीं लगा कि वह भारत को जीत दिलाने के लिए जरूरी जोखिम उठा रहे हैं। वह इंतजार कर रहे थे और उम्मीद के खिलाफ उम्मीद कर रहे थे। हालांकि उस साझेदारी के असली स्टार जसप्रीत बुमराह थे। वह एक घंटे 40 मिनट तक बेहतरीन तेज गेंदबाजी, बाउंसरों का सामना करते हुए मैदान पर डटे रहे, और यह देखना उल्लेखनीय था कि बल्ले से उनके नेट सत्र का आखिरकार क्या असर हुआ। उनकी गेंदबाजी में जो मानसिक दृढ़ता हम देखते हैं, वह उनकी बल्लेबाजी में भी दिखाई दी और यह वाकई खास था।'

उन्होंने कहा, 'यह देखकर खुशी होती है कि इन दिनों जडेजा अपने डिफेंस पर कितना भरोसा करते हैं। वह अब लंबी पारी खेलते हैं, धैर्य रखते हैं और समय का पूरा ध्यान रखते हैं। पहली पारी में उन्होंने जो 70 रन बनाए, वे कोई तेज तर्रार 70 रन नहीं थे, उन्होंने चार घंटे तक बल्लेबाजी की। और इस पिच पर 50 रन बनाना ऐसा लगा जैसे 50 घंटे बल्लेबाजी की हो। लेकिन अगर आप उस पल को देखें जब जडेजा ने अपना अर्धशतक पूरा किया, तो लॉर्ड्स की बालकनी से जो नजारे दिख रहे थे, वे ज़्यादा सकारात्मक नहीं लग रहे थे।'

मांजरेकर ने जडेजा की दमदार पारी के बारे में कहा, 'ड्रेसिंग रूम की ऊर्जा ने सब कुछ बयां कर दिया, ऐसा लगा जैसे टीम जानती थी कि जीतना बहुत मुश्किल होगा। जडेजा कोशिश कर रहे थे, इसमें कोई शक नहीं, लेकिन पिच, हालात और भारत के रन रेट को देखते हुए, लक्ष्य का पीछा करना मुश्किल लग रहा था।'

बुमराह की दोनों पारियों में अनुकूलनशीलता और प्रभाव पर विचार करते हुए मांजरेकर ने इस तेज गेंदबाज की महानता की प्रशंसा की जो उनकी विरासत

बन गई है। पूर्व बल्लेबाज ने कहा, 'पहली पारी में, बुमराह ने दिखाया कि वह कितने बेहतरीन गेंदबाज हैं। यह ऐसी पिच थी जहां वह अपनी पूरी क्षमता का प्रदर्शन नहीं कर पा रहे थे, इसलिए उन्होंने धैर्यपूर्वक गेंदबाजी की और मौकों का इंतजार किया। और जब मौका आया - पारी के उत्तरार्ध में - तो वह तैयार थे। उन्होंने पहली पारी में एक ऐसी सतह पर 5 विकेट लिए जहां ज़्यादा मदद नहीं मिल रही थी। फिर जब वाशिंगटन सुंदर ने चार अहम विकेट लिए और भारत को इंग्लैंड को जल्दी समेटना था, बुमराह ने फिर से आगे आकर अच्छा प्रदर्शन किया। ब्रायडन कार्से को आउट करने वाली वो यॉर्कर आज भी जहन में ताजा है। अलग-अलग तरीकों से अपनी महानता दिखाना - यही बुमराह की विरासत बन गई है।'

वैभव सूर्यवंशी की शानदार फॉर्म जारी, इंग्लैंड अंडर-19 के खिलाफ टेस्ट में ठोका अर्धशतक

लंदन (एजेंसी)। केंट में चल रहे इंग्लैंड अंडर-19 बनाम भारत अंडर-19 के पहले युवा टेस्ट में 14 वर्षीय वैभव सूर्यवंशी ने एक बार फिर इंटरनेट पर धूम मचा दी है। इस बाएं हाथ के बल्लेबाज ने 39 गेंदों में अर्धशतक जड़कर भारत को मजबूत स्थिति में पहुंचा दिया। भारत ने पहले बल्लेबाजी करते हुए कप्तान आयुष म्हात्रे के शतक की बदौलत 540 रन बनाए। हालांकि वैभव सूर्यवंशी पहली पारी में कुछ खास कमाल नहीं दिखा पाए और 13 गेंदों में तीन चौकों की मदद से केवल 14 रन ही बना पाए। इस बीच इंग्लैंड ने जवाब में 439 रन बनाए जिससे भारत अंडर-19 को 101 रनों की बढ़त मिल गई। 14 वर्षीय वैभव ने दूसरी पारी में कहर बरपाया और 39 गेंदों में 9 चौकों और एक छक्के की मदद से ताबड़तोड़ अर्धशतक जड़ा। आर्ची वॉन द्वारा बाएं हाथ के इस बल्लेबाज को आउट करने के बाद सूर्यवंशी आखिरकार पवेलियन लौट गए। बहरहाल, स्टंप्स तक भारत 239 रनों की बढ़त बना चुका है और पहला युवा टेस्ट जीतने की प्रबल संभावना है। 14 वर्षीय वैभव सूर्यवंशी के लिए यह दौरा यादगार रहा है क्योंकि यह खिलाड़ी इंग्लैंड में हर मैच का पूरा फायदा उठा रहा है। भारत के इस सलामी बल्लेबाज ने 5 पारियों में 355 रन बनाए जिसमें एक शतक और युवा वनडे में सबसे तेज शतक का रिकॉर्ड शामिल है। मौजूदा टेस्ट सीरीज की बात करें तो पहली पारी में उनके प्रदर्शन के बाद आलोचकों ने सूर्यवंशी की लाल गेंद की फॉर्म पर सवाल उठाए थे, लेकिन 14 वर्षीय खिलाड़ी ने दूसरी पारी में अर्धशतक जड़कर संदेहों को शांत कर दिया, जिससे इस युवा खिलाड़ी का आत्मविश्वास बढ़ा। सूर्यवंशी न सिर्फ बल्ले से बल्कि गेंद से भी धूम मचा रहे हैं। गौरतलब है कि 14 वर्षीय इस गेंदबाज ने इंग्लैंड अंडर-19 टीम के कप्तान हमजा शेख का अहम विकेट लेकर इतिहास रच दिया। वह युवा टेस्ट इतिहास में विकेट लेने वाले सबसे कम उम्र के गेंदबाज बन गए। इस बाएं हाथ के गेंदबाज ने 13 ओवर फेंके और अपनी बाएं हाथ की स्पिन से 2 विकेट लिए। इस विकेट ने मनीषी का रिकॉर्ड तोड़ दिया जिन्होंने 2019 में दक्षिण अफ्रीका के खिलाफ यह उपलब्धि हासिल की थी।

स्टार्क ने 100 वें टेस्ट में बनाये कई रिकार्ड

हैदराबाद (एजेंसी)। ऑस्ट्रेलियाई तेज गेंदबाज मिचेल स्टार्क ने अपने 100 वें टेस्ट मैच में 400 विकेट पूरे करने के साथ ही कई नये रिकार्ड भी अपने नाम किये हैं। मेजबान वेस्टइंडीज के खिलाफ इस मैच में घातक गेंदबाजी करते हुए 7.3 ओवरों में केवल नौ रन देकर छह विकेट लिए। इससे ऑस्ट्रेलियाई टीम ने टेस्ट के साथ ही सीरीज भी जीत ली है। बाएं हाथ के तेज गेंदबाज ने अपने स्पेल की पहली गेंद पर मेजबान टीम के जॉन कैंबल को आउट कर दिया। इसी ओवर में उन्होंने केवलोन एंडरसन और ब्रेंडन किंग को भी चलता किया। फिर अपने तीसरे ओवर में स्टार्क ने मिकेल लुईस और शाई होप को आउट करके इतिहास रच दिया। मिकेल लुईस टेस्ट में स्टार्क के 400वें शिकार बने। यह उपलब्धि उन्होंने अपने 100वें टेस्ट में हासिल की। वो टेस्ट इतिहास में 400 विकेट लेने वाले ऑस्ट्रेलिया के चौथे और तीसरे बाएं हाथ के तेज गेंदबाज बने हैं। स्टार्क ने अपने घातक स्पेल से विश्व रिकॉर्ड भी स्थापित किया। स्टार्क सबसे कम गेंदों में एक पारी में पांच विकेट लेने वाले दुनिया के पहले गेंदबाज बने। बाएं हाथ के तेज गेंदबाज ने केवल 15 गेंदों में पांच विकेट लिए। इससे पहले यह रिकॉर्ड संयुक्त रूप से तीन गेंदबाजों एर्नी तोषाक, स्टुअर्ट ब्रॉड और स्कॉट बोलैंड के नाम था जिन्होंने 19 गेंदों में पांच विकेट लिए थे।

शेफाली की टी20 रैंकिंग में शीर्ष 10 में वापसी, इंग्लैंड के खिलाफ 158.56 के स्ट्राइक रेट से बनाए थे रन

दुबई (एजेंसी)। भारत की आक्रामक सलामी बल्लेबाज शेफाली वर्मा मंगलवार को जारी आईसीसी महिला टी20 अंतरराष्ट्रीय बल्लेबाजों की ताजा रैंकिंग में शीर्ष 10 में वापसी करने में सफल रही। इंग्लैंड के खिलाफ हाल ही में समाप्त हुई टी20 अंतरराष्ट्रीय श्रृंखला में 158.56 के स्ट्राइक रेट से 176 रन बनाने वाली शेफाली इस रैंकिंग में 655 अंकों के साथ चार स्थान की छलांग लगाकर नौवें स्थान पर पहुंच गयी है।

उप-कप्तान स्मृति मंधाना तीसरे नंबर के साथ इस सूची में शीर्ष भारतीय खिलाड़ी है। मध्यक्रम की बल्लेबाज जेमिमा रोड्रिग्स दो पायदान नीचे 14वें स्थान पर खिसक गई। भारत की ऐतिहासिक 3-2 से श्रृंखला जीत में अहम योगदान देने वाली अरुंधति रेड्डी गेंदबाजी रैंकिंग में चार स्थान की सुधार के साथ 39वें स्थान पर और हरफनमौला खिलाड़ियों की सूची में 26 स्थान की छलांग लगाकर 80वें स्थान पर पहुंच गई।

अनुभवी ऑफ स्पिनर दीप्ति शर्मा को गेंदबाजों की रैंकिंग में एक स्थान का नुकसान हुआ है और वह तीसरे पायदान पर खिसक गयी है। राधा यादव तीन पायदान के सुधार के साथ रैंकिंग में 15वें स्थान पर है। इस रैंकिंग में श्रृंखला गंवाने वाली इंग्लैंड की टीम के कई खिलाड़ियों को रैंकिंग में फायदा हुआ है। श्रृंखला के आखिरी मैच में 'प्लेयर ऑफ द मैच% का पुरस्कार हासिल करने वाली स्पिनर चार्ली डीन रैंकिंग में शीर्ष 10 में जगह बनाने में सफल रही। वह आठ स्थान के सुधार के साथ तालिका में छठे स्थान पर पहुंच गई।

लिसे स्मिथ 9 पायदान ऊपर चढ़कर 38वें स्थान पर पहुंच गई जबकि तेज गेंदबाज इस्सी वोंग सात स्थान के सुधार के साथ 50वीं रैंकिंग हासिल करने में सफल रही। एमिली अर्लट 15 स्थान के सुधार के साथ 67वें

स्थान पर पहुंच गई। श्रृंखला में 151 रन के साथ इंग्लैंड की शीर्ष स्कोरर सोफिया डंकले बल्लेबाजी रैंकिंग में सात अंक हासिल कर 19वें स्थान पर पहुंच गई। टैमी ब्यूमोंट 19 स्थान की छलांग के साथ 45 वें स्थान पर पहुंच गई।

अपनी निजी निजी ज़िंदगी को लेकर चर्चाओं में रही हैं साइना और सानिया

नई दिल्ली । टेनिस स्टार साइना मिर्जा और बैडमिंटन खिलाड़ी साइना नेहवाल दोनों ही अपने-अपने क्षेत्र की दिग्गज खिलाड़ी हैं पर कई लोग इन दोनो के मिलते जुलते नामों के कारण संशय में आ जाते हैं। जहां साइना बैंडमिंटन खिलाड़ी हैं, वहीं सानिया टेनिस खिलाड़ी है के तौर पर जानी जाती हैं। सानिया ने फरवरी 2023 में दुबई टेनिस चैंपियनशिप के बाद पेशेवर टेनिस को अलविदा कह दिया था। सानिया मिर्जा का जन्म मुंबई में हुआ था पर वे पली-बढ़ी हैदराबाद में थीं, जबकि साइना नेहवाल हरियाणा की रहने वाली हैं। ये दोनो ही अपनी निजी ज़िंदगी को लेकर भी चर्चाओं में रही है। हरियाणा के हिसार की साइना नेहवाल ने हैदराबाद के सेंट ऐनी कॉलेज, मेहदीपट्टनम से 10वीं पास की थी। बैडमिंटन में व्यस्तता के कारण वह कॉलेज की पढ़ाई पूरी नहीं कर पाई थीं। साइना ने कई अंतरराष्ट्रीय खिताब जीते और भारत को बैडमिंटन में ग्लोबल पहचान दिलाई। वहीं दसूरी ओर हैदराबाद से स्कूली शिक्षा पूरी करने के बाद सानिया ने सेंट मैरी कॉलेज, हैदराबाद से ग्रेजुएशन किया। साल 2008 में उन्हें चेन्नई के एमजीआर शैक्षिक और अनुसंधान संस्थान से डीलिट की मानद उपाधि भी मिली.

गांगुली से प्रेरित थे आर्चर : स्टोक्स

लंदन । इंग्लैंड क्रिकेट टीम के कप्तान बेन स्टोक्स ने कहा है कि तीसरे टेस्ट से वापसी करने वाले तेज गेंदबाज जोफा आर्चर भारतीय टीम के पूर्व कप्तान सौरव गांगुली द्वारा लार्ड्स की बालकनी में शर्ट लहराने की घटना से प्रभावित थे। गांगुली ने साल 2002 में नेटवेस्ट ट्रॉफी में जीत के बाद जश्न के दौरान अपनी शर्ट लहरा दी थी। स्टोक्स ने कहा कि आर्चर इससे काफी प्रेरित थे और इसी कारण चार साल बाद भी वापसी के दौरान उनका प्रदर्शन ठीक रहा। आर्चर ने तीसरे टेस्ट मैच के पांचवें और अंतिम दिन ऋषभ पंत और वाशिंगटन सुंदर के विकेट लेकर अपनी टीम की जीत में अहम भूमिका निभाई । स्टोक्स ने 22 रनों से मिली जीत के बाद कहा, 'मैंने आज सुबह उससे कहा, तुम्हें पता है कि आज क्या है। पता है ना। उसने मुझसे कहा, तुम्हें पता है कि उस दिन भारत ने 300 से अधिक रन बनाकर जीत हासिल की थी और गांगुली ने शर्ट लहराई थी। उसे लग रहा था कि वह विश्व कप फाइनल था और इस घटना को आज छह साल हो गए हैं। इंग्लैंड ने लॉर्ड्स में अपनी जीत उसी दिन दर्ज की जिस दिन उसने 2019 में एकदिवसीय विश्व कप फाइनल में स्कोर बराबर रहने के बाद अधिक बाउंड्री के आधार पर न्यूजीलैंड के खिलाफ जीत हासिल की थी।

क्रिकेटर यश दयाल की गिरफ्तारी पर रोक लगी

प्रयागराज । इलाहाबाद हाईकोर्ट ने मंगलवार को क्रिकेटर यश दयाल की याचिका पर सुनवाई करते हुए यौन शोषण के आरोप में दर्ज प्राथमिकी के आधार पर फिलहाल उनकी गिरफ्तारी पर रोक लगा दी है। हाईकोर्ट की पीठ ने इस क्रिकेटर की उस याचिका पर यह आदेश पारित किया जिसमें उन्होंने मामले में

अपनी गिरफ्तारी पर रोक लगाने और प्राथमिकी रद्द करने का अनुरोध किया था। इस मामले में याचिकाकर्ता के वकील ने कहा कि अदालत ने यश दयाल की गिरफ्तारी पर रोक लगा दी है और अगली सुनवाई तक उनके खिलाफ कोई कार्रवाई नहीं करने का निर्देश दिया है। इससे पहले एक युवती ने इस क्रिकेटर के खिलाफ शारीरिक और मानसिक शोषण के मामले में प्राथमिकी दर्ज करायी थी। इसमें कहा गया था कि इस क्रिकेटर ने शादी का झांसा देकर उसका यौन शोषण किया। इस युवती के अनुसार वह इस क्रिकेटर के साथ पांच साल से रिलेशनशिप में थी और इस दौरान उसने शादी का वादा किया था पर बाद में उसने धोखेबाजी कर दी। गाजियाबाद जिले के इंदिरापुरम थाना में शिकायत दर्ज की गई थी जिसमें इसयुवती ने यश दयाल पर यौन शोषण का भी आरोप लगाया था। इस युवती ने यह भी दावा किया है कि क्रिकेटर यश दयाल शादी करने का उसका प्रस्ताव टालता रहा और अंत में उसे पता चला कि यश दयाल का अन्य महिलाओं के साथ भी संबंध है। इस मामले की शिकायत पहले उसने मुख्यमंत्री के ऑनलाइन शिकायत निपटान पोर्टल पर की थी।

शुभमन फैसला करें कोहली या धोनी किसकी तरह खेलेंगे: मांजरेकर

लंदन (एजेंसी)। भारतीय क्रिकेट टीम के पूर्व बल्लेबाज संजय मांजरेकर ने कहा है कि टेस्ट टीम के कप्तान शुभमन गिल को ये तय करना होगा कि वह विराट कोहली की तरह आक्रामक बनना चाहेंगे या महेन्द्र सिंह धोनी जैसे शांत स्वभाव वाले क्रिकेटर। उन्हें ये देखना होगा कि वह किसमें बेहतर प्रदर्शन कर पाते हैं आक्रामक अंदाज में या शांत होकर। मांजरेकर के अनुसार स्वाभाव का बल्लेबाजी पर भी प्रभाव पड़ता है। उन्होंने कहा कि दूसरी पारी में शुभमन के आउट होने के पीछ मैच में हुआ विवाद भी एक कारण रहा। इसी कारण उनका मन एकाग्र नहीं था। इसी कारण शुरुआती दो मैचों में एक दोहरे शतक सहित 3 शतक लगाने

वाले शुभमन लॉर्ड्स में बल्लेबाजी में विफल रहे। दूसरी पारी में तो वह सिर्फ 6 रन बनाकर आउट हुए। उन्होंने 9 गेंदों का सामना किया। इसमें 6 बार तो उन्होंने जिस तरह से गेंदों को खेला, उससे लगा कि वह खुद ही तय नहीं थे कि गेंद कैसी आ रही है और वह उसे खेलना किधर है। अंत में ब्राइडन कार्स की गेंद पर वह एलबीडबल्यू हुए।

मांजरेकर ने कहा कि उनके संशय में होने का कारण कहीं न कहीं एक दिन पहले मैदान पर दोनों टीमों के बीच हुआ विवाद भी रहा। इसके साथ ही उन्होंने सोशल मीडिया पर लिखा, 'शुभमन अचानक ही अनिश्चित से दिखने लगे और इसके इंग्लैंड की तरफ से खराब रुख राह जिसके कारण विवाद पैदा हुआ था। ' मांजरेकर ने इस क्रिकेटर के टेंपरामेंट की तुलना विराट कोहली और महेंद्र सिंह धोनी से करते हुए कहा कि विराट गुस्से में और बेहतर प्रदर्शन करते थे वहीं धोनी इससे अलग थे। ऐसे में अब शुभमन को फैसला करना ही होगा कि एक बल्लेबाज के तौर पर वह क्या चाहते हैं और किस प्रकार से बेहतर प्रदर्शन कर सकते हैं।

114 वर्षीय एथलीट फौजा सिंह की सड़क दुर्घटना में मौत, पीएम मोदी ने जताया दुख

जालंधर - जाने-माने मैराथन धावक फौजा सिंह की एक अज्ञात वाहन की चपेट में आने से एक घातक सड़क दुर्घटना में मृत्यु हो गई। यह हादसा दोपहर में जालंधर के पास फौजा के गृहग्राम ब्यास पिंड में हुआ। वह 114 वर्ष के थे। उनकी मौत पर भारत के प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी ने दुख प्रगट किया है। जानकारी के अनुसार 14 जुलाई दोपहर करीब 3:30 बजे सड़क पार करते समय सिंह को एक अज्ञात वाहन ने टक्कर मार दी। बाद में एक निजी अस्पताल में इलाज के दौरान उनकी मृत्यु हो गई। उन्हें प्यार से 'टर्बन्ड टॉरनेडो' कहा जाता था और उनका जन्म 1 अप्रैल, 1911 को जालंधर में हुआ था। फौजा ने 89 वर्ष की आयु में मैराथन दौड़ना शुरू करके वैश्विक ख्याति प्राप्त की। उन्होंने 100 वर्ष की आयु में 2011 टोरंटो वाटरफ्रंट मैराथन पूरी करके पूर्ण मैराथन पूरी करने वाले सबसे वृद्ध व्यक्ति होने का रिकॉर्ड बनाया। उन्होंने कई आयु-वर्ग के रिकॉर्ड तोड़े और 101 वर्ष की आयु तक प्रतिस्पर्धात्मक रूप से दौड़ते रहे।

पीएम मोदी ने जताया दुख - प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी ने फौजा सिंह की मौत पर एक्स पर लिखा, 'फौजा सिंह जी अपने अद्वितीय व्यक्तित्व और फिटनेस जैसे महत्वपूर्ण विषय पर भारत के युवाओं को प्रेरित करने के अपने तरीके के कारण असाधारण थे। वह अविश्वसनीय दृढ़ संकल्प वाले एक असाधारण एथलीट थे। उनके निधन से दु:ख हुआ। मेरी संवेदनाएं उनके परिवार और दुनिया भर में उनके अनगिनत प्रशंसकों के साथ हैं।'

पीसीबी में करोड़ों के घोटाले का खुलासा हुआ

लाहौर । पाकिस्तान क्रिकेट बोर्ड (पीसीबी) में विवाद कोई नई बात नहीं है। वहीं इसमें अब एक और नया मामला जुड़ गया है। एक ऑडिट रिपोर्ट में बढ़े वित्तीय घोटाले की बात सामने आयी है। इसमें खुलासा हुआ है कि 2023 के दौरान करोड़ों रुपयों का घोटाला हुआ। इसके अलावा कई अनधिकृत नियुक्तियां हुई और जरूरत से ज्यादा भुगतान किये गये। पुलिस के भोजन, कोच और मैच अधिकारियों को दी गयी रकम में भी हैराफेरी हुई। इसके अलावा टिकट अनुबंधों में भी सही बोली नहीं लगाई गई। इस रिपोर्ट के बाद पीसीबी अध्यक्ष मोहसिन नकवी की मुश्किलें बढ़ गयी हैं। वह भी इसकी जांच के घेरे में हैं। इसके अलावा 2023 में पीसीबी के चेयरमैन रहे अशरफ भी संदे के घेरे में आ गये हैं। पथे। एक रिपोर्ट के अनुसार मुख्य तौर पर अंतरराष्ट्रीय मैचों की सुरक्षा ड्यूटी के दौरान भोजन उपलब्ध कराने के लिए पुलिस को दिए गए 63.39 मिलियन पाकिस्तानी रुपये में हेराफेरी हुई। रिपोर्ट में कराची हाई परफॉर्मेंस सेंटर में तीन अंडर-16 कोचों की अवैध वनियुक्ति की भी बातें कही गयी हैं। है। इसमें 5.4 मिलियन रुपये का वेतन भुगतान किया गया है जो तय सीमा से कहीं अधिक है।

रेसलर ऑर्टन निभाना चाहते हैं बैटमैन की भूमिका

सेन डियागो (एजेंसी)। डब्लयूडब्यूई के कई स्टार सुपरहीरो बने हैं। उसी में अब डब्लयूडब्यू ई स्टार रैंडी ऑर्टन का नाम भी जुड़ने जा रहा है। ऑर्टन अब जेम्स गन की जगह पर डीसीयू में बैटमैन की भूमिका निभाते दिखेंगे। ऑर्टन ने सोशल मीडिया पर कहा है कि वह बैटमैन की भूमिका निभाने तैयार हैं। जिसमें द रॉक ब्लैक एडम बने और जॉन सीना पीसमेकर बने हैं। डेव बाटिस्टा गार्डियन ऑफ गैलेक्सी में ड्रेक्स की भूमिका में दिखेंगे। ऑर्टन आमतौर पर विलेन की भूमिका निभाते हैं। उनकी भूमिका बैटमैन से काफी मिलती है। उनकी आवाज और

पर्सनालिटी भी बैटमैन की भूमिका के अनुरुप है। एक सोशल मीडिया पोस्ट में पूछा गया था, आपके हिसाब से जेम्ल गन की डीसीयू में बैटमैन की भूमिका किसे निभानी चाहिये? इसके जवाब में ऑर्टन ने कहा कि वे इस भूमिका के लिए तैयार हैं। डब्लयूडब्यू के कई स्टार्स पहले भी सुपरहीरो की दुनिया में जा चुके हैं। रैंडी ऑर्टन इसमें भी अंधेरे में रहकर काम करते हैं। ऑर्टन की आवाज प्रभावशाली है। उनकी पर्सनालिटी भी अच्छी है। इसलिए प्रशंसक रैंडी को बैटमैन की भूमिका में पसंद कर सकते हैं। यह देखना दिलचस्प होगा कि क्या रैंडी ऑर्टन को बैटमैन का रोल मिलता है या नहीं। अगर उन्हें यह भूमिका मिलती है तो वह डब्ल्यूडब्यलूई के एक और स्टार होंगे।

बशीर के खिलाफ जोखिम उठाकर आक्रामक शॉट खेल सकते थे जडेजा : कुंबले

लंदन (एजेंसी)। नई दिल्ली - भारत के पूर्व कप्तान अनिल कुंबले का मानना है कि इंग्लैंड के खिलाफ लॉर्ड्स में खेले गए तीसरे टेस्ट मैच में भारतीय हरफनमौला रविंद्र जडेजा को स्पिनर शोएब बशीर के खिलाफ मोहम्मद सिराज को स्ट्राइक देने की जगह खुद जोखिम उठाकर आक्रामक शॉट खेलना चाहिए था।

जडेजा के साथ पुछल्ले बल्लेबाजों के संघर्ष से भारत मैच में वापसी करने में काफी हद तक सफल रहा लेकिन उसे 22 रन से शिकस्त का सामना करना पड़ा। कुंबले को इस मैच ने चेन्नई में पाकिस्तान के खिलाफ टेस्ट की याद दिला दी जिसमें सचिन तेंदुलकर ने पीठ दर्द के बावजूद 136 रन की पारी खेली लेकिन भारतीय टीम को 12 रन से हार का सामना करना पड़ा था। उस मैच में ऑफ स्पिनर सकलैन मुश्ताक द्वारा जवागल श्रीनाथ का आउट होना सोमवार को सिराज के स्टंप्स की गिल्लियों को गिराने वाली गेंद के समान था।

चेन्नई में जनवरी 1999 में खेले गये उस टेस्ट मैच में टीम का हिस्सा रहे कुंबले ने 'जियोहॉटस्टार' पर कहा, 'मुझे इस मैच को देखकर चेन्नई में पाकिस्तान के खिलाफ खेला गया टेस्ट मैच याद आ गया, जिसमें हम 12 रन से हार गए थे। (सिराज का आउट होना) कुछ वैसा ही था। टीम लक्ष्य से सिर्फ 22 रन दूर थी। जडेजा एक छोर पर बस खड़े रहे। मेरा मतलब है, वह भारत को जीत के इतने करीब लाने की योजना में सफल रहे लेकिन इंग्लैंड ने कोई ढिलाई नहीं बरती।'

जडेजा ज्यादातर ओवर की चौथी या पांचवीं गेंद पर एक रन चुरा रहे थे, लेकिन कुंबले का मानना है कि उन्हें कम गति के गेंदबाजों के खिलाफ जोखिम उठाना चाहिए था। कुंबले ने कहा, 'उन्हें उन गेंदबाजों का चयन करना चाहिए थे जिसके खिलाफ वह आक्रामक रूख अपना सकते थे। क्रिस वोक्स , जो रूट और बशीर ऐसे गेंदबाज थे। बशीर और रूट भले ही ऑफ स्पिनर है लेकिन उनकी गेंद बहुत ज्यादा टर्न नहीं ले रही थी।'

उन्होंने कहा, 'अगर किसी को जोखिम उठाना था तो वह जडेजा ही थे जिन्हें ऐसा करना चाहिए था। उन्होंने बुमराह और सिराज के साथ बल्लेबाजी के दौरान अपने पास ज्यादा स्ट्राइक रखकर अच्छा काम किया लेकिन सिराज को बशीर का पूरा ओवर खेलने के लिए देना जोखिम भरा था। उन्हें इसकी जगह खुद ही आक्रामक रुख अपनाना चाहिए थे।' कुंबले ने जडेजा की नाबाद 61 रन की जुझारू पारी की तारीफ करते हुए कहा कि उन्होंने जीत के लिए 193 रन के लक्ष्य का पीछा करते हुए भारत को 170 रन पहुंचा कर लगभग चमत्कार कर दिया था।

कुंबले ने कहा, 'वह पूरे समय बेहतरीन रहे। वह दिन के छठे ओवर में ही बल्लेबाजी के लिए आ गए थे और आखिर तक नाबाद रहे। बुमराह और सिराज के साथ 82 पर 7 विकेट गिरने के बाद स्कोर को दोगुना करना अविश्वसनीय है।' उन्होंने कहा, 'उनकी बल्लेबाजी देखकर टीम के अन्य बल्लेबाज खुद के प्रदर्शन से निराश होंगे। भारत को दोनों पारियों में लगभग 65 अतिरिक्त रन देना भी भारी पड़ा। यह चर्चा का एक बड़ा विषय होगा।'

कुंबले ने कहा कि जोफा आर्चर की गेंद कंधे पर लगने से सिराज थोड़े असहज हो गए और उनका ध्यान थोड़ा भंग हो गया। उन्होंने कहा, 'सिराज की गेंदबाजों पर हावी होने की कोई योजना नहीं थी लेकिन उनके आस-पास क्षेत्ररक्षकों के जमावड़े से वह थोड़े दबाव में आ गये। मुझे लगा कि यह एक ऐतिहासिक जीत हासिल करने का शानदार मौका था।' कुंबले ने लॉर्ड्स टेस्ट को 'टेस्ट क्रिकेट का शानदार प्रचार' करार दिया। उन्होंने आगे कहा, 'तीनों टेस्ट मैच बेहद रोमांचक रहे और दोनों टीमों ने शानदार प्रदर्शन किया। इंग्लैंड की टीम श्रृंखला में 2-1 से आगे है लेकिन अगर आप हर सत्र के प्रदर्शन को देखें तो यह बराबरी मुकाबला रहा है।'

जडेजा 7,000 रन बनाने वाले खिलाड़ियों में शामिल

लंदन । ऑलराउंडर रवींद्र जडेजा भले ही लॉर्ड्स में अपनी नाबाद 61 रनों की पारी से भारतीय टीम को जीत नहीं दिला पाये पर इस मैच में उन्होंने एक अहम उपलब्धि अपने नाम कर ली। जडेजा 7,000 अंतरराष्ट्रीय रन पूरे करने वाले खिलाड़ियों के क्लब में शामिल हो गये। इसमें अब तक ऋषभ पंत, सौरव गांगुली, महेंद्र सिंह धोनी और मंसूर अली खान पटौदी जैसे खिलाड़ी शामिल थे। इस अनुभवी ऑलराउंडर ने अपने 7,000 अंतरराष्ट्रीय रन पूरे किए। 361 अंतरराष्ट्रीय मैचों की 302 पारियों में पूरे किये। इस दौरान उन्होंने चार शतक और 39 अर्द्धशतक लगाये। उन्होंने 33.41 के औसत से 7,018 रन बनाए हैं और इस दौरान उनका सर्वश्रेष्ठ स्कोर 175 रनों का रहा। 83 टेस्ट मैचों में उन्होंने 36.97 की औसत से 3,697 रन बनाए हैं, जिसमें चार शतक और 26 अर्द्धशतक शामिल हैं, और उनका सर्वश्रेष्ठ स्कोर 175 रन रहा है। इस श्रृंखला के दौरान तीन मैचों में उन्होंने छह पारियों में 109.00 की औसत से 327 रन बनाए हैं जिसमें चार अर्द्धशतक शामिल हैं। उनका सर्वश्रेष्ठ स्कोर 89 है। वह अब तक सीरीज में पांचवें सबसे ज्यादा रन बनाने वाले खिलाड़ी हैं।

Web site : www.krantisamay.com & epaper.krantisamay.com www.facebook.com/krantisamay1 www.twitter.com/krantisamay1

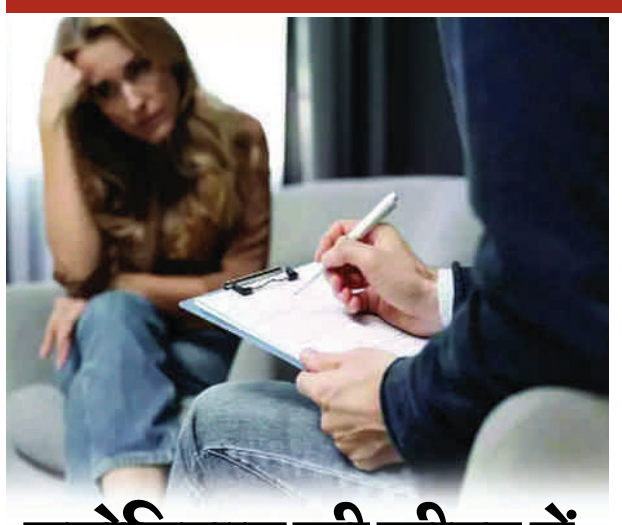

मनोविज्ञान की फील्ड में बना सकते हैं करियर

मनोविज्ञान का क्षेत्र है, जिसमें प्रत्येक आयुवर्ग के लोग विशेषज्ञता हासिल कर अपना करियर बना सकते हैं। इसमें मानव मन और व्यवहार का अध्ययन किया जाता है। मसलन, मस्तिष्क तनाव में कैसे काम करता है, यह कैसे भाषा सीखता है, तथ्यों को कैसे याद रखता है या किसी भी तरह की मानसिक बीमारी इसके काम करने के तरीके को कैसे प्रभावित कर सकती है। इस सेक्टर में विशेषज्ञता और रुचियों के आधार पर मनोविज्ञान डिग्री धारकों के लिए कई अलग-अलग विकल्प उपलब्ध हैं, जो कि इस प्रकार हैं-

◗ मनोविज्ञानी ◗ मनोचिकित्सक ◗ समाज सेवक ◗ काउंसलर ◗ शैक्षिक मनोवैज्ञानिक ◗ मानव संसाधन प्रबंधक ◗ अध्यापक ◗ अनुसंधान भूमिकाएं ◗ मीडिया भूमिकाएं ◗ मनोविज्ञान में करियर

मनोविज्ञान का कोर्स करने के बाद छात्र पब्लिक और प्राइवेट हेल्थ केयर, एजुकेशन, मेंटल हेल्थ स्पोर्ट्स, सोशल वर्क, थेरेपी एंड काउंसलिंग जैसे कई सेक्टर में करियर बना सकते हैं। यहां पर वे सलाहकार, अनुसंधान-आधारित, उपचार-आधारित या चिकित्सीय की भूमिका निभा सकते हैं। इसके अलावा मीडिया और अन्य रचनात्मक फील्ड में नौकरियों सहित मनोविज्ञान स्नातकों के लिए कई ऑप्शन भी हैं।

चार्टर्ड मनोवैज्ञानिक

एक चार्टर्ड मनोवैज्ञानिक के तौर पर आप व्यावसायिक मनोविज्ञान, शैक्षिक मनोविज्ञान, खेल और मानसिक स्वास्थ्य जैसे कई क्षेत्रों में विशेषज्ञता हासिल कर सकते हैं। यहां आप सभी पृष्ठभूमि के लोगों, रोगियों और क्लाइंट के साथ काम कर सकते हैं। इसके अंतर्गत आप कुछ मनोवैज्ञानिक मुद्दों पर बेहतर ढंग से समझने और सलाह देने के लिए आप व्यवहार, विचारों और भावनाओं का विश्लेषण कर सकते हैं। हालांकि यदि आप मनोचिकित्सक बनना चाहते हैं तो इसके लिए आपको मेडिकल डिग्री हासिल करने की आवश्यकता होगी।

मनोचिकित्सक

एक मनोचिकित्सक के तौर आपको व्यक्तियों, जोड़ों, समूहों या परिवारों के साथ काम करता होगा। जिससे आप अपने क्लाइंट्स को भावनात्मक और रिश्ते से संबंधित मुद्दों, तनाव और यहां तक कि व्यसन सहित मनोवैज्ञानिक परेशानियों को दूर करने में मदद कर सके। इनमें संज्ञानात्मक व्यवहार विधियां, मनोविश्लेषणात्मक और मनोगतिक चिकित्सा, साथ ही कला चिकित्सा, नाटक चिकित्सा, ह्यूमनिस्टिक और एकीकृत मनोचिकित्सा, सम्मोहन-मनोचिकित्सा और अनुभवात्मक चिकित्सा शामिल हैं।

समाज सेवक

एक सामाजिक कार्यकर्ता के तौर पर आपको ऐसे लोगों की स्थितियों में सुधार लाने के लिए काम करना होगा, जो अपने जीवन में कठिन दौर से गुजर रहे हैं। ये कोई भी हो सकते हैं जैसे बच्चों या बुजुर्गों का या ऐसा ही अन्य कोई ग्रुप, विकलांग लोगों और अपराध और दुर्व्यवहार के शिकार लोगों सहित अन्य कई। सामाजिक कार्यकर्ता स्कूलों, घरों, अस्पतालों या अन्य सार्वजनिक एजेंसियों के भीतर काम कर सकते हैं।

काउंसलर

एक काउंसलर लोगों को उनके जीवन, भावनाओं और अनुभवों के साथ बेहतर तरीके से सामंजस्य बिठाने में मदद करता है। यहां पर क्लाइंट की बातों को ध्यान से सुनना एक काउंसलर के लिए सबसे ज्यादा महत्वपूर्ण होता है। एक काउंसलर में सुनने, सहानुभूति देने, सम्मान और धैर्य प्रदान करने की क्षमता साथ विश्लेषण करने की क्षमता होनी जरूरी है, ताकि क्लाइंट को उनकी स्थिति से बेहतर तरीके से निपटने में सक्षम बनाया जा सके। एक काउंसलर अक्सर विवाह और परिवार, स्वास्थ्य, दुर्व्यवहार, पुनर्वास, शिक्षा, दुख, मानसिक स्वास्थ्य, करियर मार्गदर्शन और बाल रोग सहित अनेक क्षेत्र शामिल हैं।

शिक्षा में मनोविज्ञान करियर

मनोविज्ञान कोर्स के बाद आप शिक्षा के क्षेत्र में भी जा सकते हैं। यहां आप शिक्षा के साथ-साथ शैक्षिक चिकित्सा, शैक्षिक मनोविज्ञान और शिक्षा के भीतर सामाजिक कार्य, मनोविज्ञान स्नातक प्राथमिक, माध्यमिक या कॉलेज, यूनिवर्सिटी स्तर की शिक्षा में काम कर रहे शिक्षकों के रूप में कार्य कर सकते हैं। इसके अलावा जेल के अंदर के युवा अपराधियों को ठीक करने के लिए काम कर सकते हैं। वहीं महाविद्यालयों और विश्वविद्यालयों में करियर में प्रवेश करने के लिए आपको मास्टर / पीएचडी योग्यता की आवश्यकता होगी। उच्च शिक्षा के अंतर्गत आप शिक्षण या रिसर्च दोनों ही क्षेत्र में करियर बना सकते हैं।

रिसर्च में करियर

मनोविज्ञान के तौर पर आप रिसर्च एजेंसियों, पब्लिक और प्राइवेट ऑर्गनाइजेशन या विश्वविद्यालयों में रिसर्च कर सकते हैं। सभी क्षेत्रों के भीतर रिसर्च करियर और भी व्यापक हैं, इसमें सरकारी नीति विकास या उद्योग के लिए काम कर सकते हैं। आप एक चैरिटी या अन्य गैर-लाभकारी संगठन के लिए भी काम कर सकते हैं जो भाषण बाधाओं, मस्तिष्क क्षति, बाल विकास या मनोवैज्ञानिक स्वास्थ्य पर कानूनी और अवैध दवाओं के प्रभाव जैसी चुनौतियों को हल करने के लिए रिसर्च कर रहे हैं।

मीडिया और विज्ञापन करियर

मनोविज्ञान डिग्री होल्डरों के लिए मीडिया में भी विविध करियर हैं। मनोविज्ञान स्नातक मानव व्यवहार को लेकर कंपनी के लिए कई महत्वपूर्ण बातें बता सकते हैं। साथ ही समस्याओं का विश्लेषण करने, ध्यान से सुनने, प्रतिक्रिया देने और सहानुभूति और कारण के साथ कार्य करने की क्षमता प्रदान कर सकते हैं। इस वजह से, प्रबंधन, उत्पादन, शेड्यूलिंग और लेखन सहित सभी विभागों के भीतर मनोविज्ञान स्नातकों की मांग होती है।

मानव संसाधन और संचार करियर

मनोविज्ञान की डिग्री के साथ ह्यूमन रिसोर्स और कम्युनिकेशन करियर भी एक अच्छा विकल्प है। पब्लिक और प्राइवेट दोनों क्षेत्रों में उपलब्ध इन भूमिकाओं में कर्मचारी संतुष्टि, व्यावसायिक विकास, प्रशिक्षण, भर्ती, पीआर, पेरोल और आंतरिक संचार जैसे क्षेत्र शामिल हैं।

इंटरनेशनल रिलेशन में पीएचडी करना चाहते है तो मास्टर्स में न्यूनतम 55% अंक आवश्यक है। इसके अलावा इंटरनेशनल रिलेशन से संबंधित विषयों में पोस्ट ग्रेजुएशन या एम. फिल की डिग्री होनी चाहिए।

इंटरनेशनल रिलेशन में पीएचडी करना चाहते हैं क्या है प्रवेश प्रक्रिया

अगर आप भी इंटरनेशनल रिलेशन में पीएचडी करना चाहते है तो मास्टर्स में न्यूनतम 55% **अंक आवश्यक है। इसके अलावा इंटरनेशनल रिलेशन से संबंधित** विषयों में पोस्ट ग्रेजुएशन या एम. फिल **की डिग्री होनी चाहिए।** यह 3-5 साल का कोर्स होता है। इसमें अंतर्राष्ट्रीय व्यापार, अंतर्राष्ट्रीय संबन्ध, और विभिन्न देशों के बीच सम्बन्ध के कारकों और पहलुओं का अध्ययन और विश्लेषण किया जाता है। अगर आप भी इंटरनेशनल स्टडीज में पीएचडी करके राजनयिक के तौर पर काम करना चाहते है तो आइये जानते है इसमें नामांकन के लिए क्या योग्यताएं होनी चाहिये।

योग्यता

- **संबंधित विषय में एम फिल की डिग्री** या पोस्ट ग्रेजुएशन होना चाहिए।
- उम्मीदवार के पास मास्टर डिग्री में न्यूनतम 55% **अंक होना आवश्यक है।**
- विश्वविद्यालयों द्वारा भी परीक्षाएं आयोजित कराई जाती है।
- **आरक्षित वर्ग के उम्मीदवारों के लिए** 5% अंकों की छूट दी जाती है।
- यूजीसी-नेट **जैसी राष्ट्रीय परीक्षाओं** भी आयोजित की जाती हैं।
- प्रवेश परीक्षा के बाद साक्षात्कार होता है अगर आपने उसमें अच्छा स्कोर किया तो आपको स्कॉलरशिप भी मिल सकती है।

रजिस्ट्रेशन प्रक्रिया

पीएचडी इन इंटरनेशनल स्टडीज के लिए भारत के टॉप कॉलेजों द्वारा अपनाई जाने वाली एडमिशन प्रोसेस इस प्रकार है

- ऑफिशयल वेबसाइट पर जाएं।
- **ऑफिशयल वेबसाइट पर जाने के** बाद आवेदन फॉर्म भरें।
- फार्म को ध्यान से भरें नहीं तो **आपका फार्म रिजेक्ट हो सकता है**
- **सभी दस्तावेज जो भी मांगे गए है** उनको अपलोड करिये।
- ऑनलाइन **फॉर्म की फीस जमा करें।**
- फार्म को सबमिट करें।

प्रवेश परीक्षा

अगर आप किसी अच्छी यूनिवर्सिटी में **प्रवेश लेना चाहते है तो प्रवेश परीक्षा में अच्छा स्कोर करना पड़ेगा।** रजिस्ट्रेशन **के बाद एडमिट कार्ड जारी किये जाते है। जिनमे परीक्षा की सारी जानकारी होती है। प्रवेश प्रक्रिया** सीएसआईआर यूजीसी नेट, एसआईयू पीईटी, एमिटी यूनिवर्सिटी पीईटी जैसे एंट्रेंस एग्जाम पर निर्भर करती है।

प्रवेश प्रक्रिया

परीक्षा परिणाम के लिए आप वेबसाइट से जानकारी प्राप्त कर सकते है, प्रवेश परीक्षा में सफल अभ्यर्थियों को **साक्षात्कार के लिए बुलाया जाता है।** साक्षात्कार में सफल होने के बाद डॉक्टरेट स्तर पर इंटरनेशनल स्टडीज का अध्ययन करने के लिए एडमिशन दिया जाता है।

पीएचडी इन इंटरनेशनल स्टडीज- सिलेबस

- एडवांस्ड थ्योरी ऑफ इंटरनेशनल रिलेशन
- एडवांस्ड रिसर्च मेथेड
- **फेमिनिस्ट इंटरनेशनल रिलेशन**
- थिसिस
- शांति और संघर्ष अध्ययन

देश के कुछ टॉप कॉलेज

- झारखंड केंद्रीय विश्वविद्यालय
- सिम्बायोसिस लॉ स्कूल, पुणे
- लाजपत राय लॉ कॉलेज
- शिव नादर विश्वविद्यालय
- गौतम बुद्ध विश्वविद्यालय
- रॉयल ग्लोबल यूनिवर्सिटी
- एमिटी यूनिवर्सिटी, नोएडा
- कलिंग विश्वविद्यालय
- पंजाब विश्वविद्यालय
- पी.पी. सवानी विश्वविद्यालय
- यूएनओएम, मद्रास विश्वविद्यालय
- गुरु नानक देव विश्वविद्यालय

क्रिएटिव राइटिंग सिर्फ शौक ही नहीं, करियर भी बन सकता है। इसी के साथ जुड़ा हुआ है एक और करियर, जो है ट्रांसलेटर यानी अनुवादक का। इसके लिए तो अनेक संस्थानों में काफी स्कोप रहता है।

करियर भी बना सकता है क्रिएटिव राइटिंग का शौक

कहां है मांग?

रेलवे, बैंक, सार्वजनिक क्षेत्र की कंपनियों (पीएसयू) आदि में अनुवादकों की अच्छी डिमांड रहती है। आप चाहें, तो फ्रीलांसर के तौर पर भी काम कर सकते हैं। वहीं इंटरप्रेटर के रूप में खुद को तैयार करके आप विभिन्न देशों के दूतावासों तथा विदेशी कंपनियों में जॉब पा सकते हैं। यह एक दिलचस्प जॉब है, जिसमें हर दिन कुछ नया सीखने को मिलता है। अभ्यास बहुत जरूरी लेखक बनने का हुनर कई लोगों में जन्मजात होता है मगर इस हुनर को मांजना बहुत जरूरी है। हर लिखने वाला प्रभावशाली नहीं होता। अगर आप भी बतौर क्रिएटिव राइटर करियर बनाना चाहते हैं, तो सरल, सहज और प्रभावी लिखने का अभ्यास करते रहें। पुराने क्लासिक्स से लेकर नए, प्रमुख लेखकों की किताबें तथा पत्र-पत्रिकाओं मे छपने वाले उनके कॉलम जरूर पढ़ते रहें। आप जितना ज्यादा पढ़ेंगे, उतना ही आपका लेखन निखरेगा। यहां ध्यान रखने वाली बात यह है कि आप सीखें सबसे लेकिन लिखते समय अपनी मौलिक पहचान जरूर बनाए रखें। आपके लेखन में किसी अन्य लेखक की नकल या प्रभाव नहीं दिखना चाहिए।

कहां से पढ़ें?

यदि आप करियर के तौर पर क्रिएटिव राइटिंग या ट्रांसलेशन को अपनाना चाहते हैं, तो बेहतर होगा कि आप इसके लिए बाकायदा कोर्स कर लें। क्रिएटिव राइटिंग का कोर्स इंदिरा गांधी राष्ट्रीय मुक्त विश्वविद्यालय तथा अन्य प्रमुख विश्वविद्यालयों से किया जा सकता है। वहीं ट्रांसलेटर या इंटरप्रेटर बनने के लिए आपको केंद्रीय हिंदी संस्थान या किसी अन्य आधिकारिक संस्थान से अनुवाद का कोर्स करना होगा।

अगर आप सक्सेसफुल करियर बनाना चाहते हैं, तो आपके अंदर बेहतर कम्युनिकेशन स्किल का होना बेहद जरूरी है। क्योंकि एक अच्छी कम्युनिकेशन स्किल से आप अपने करियर को उच्च स्तर तक ले जा सकते हैं। कम्युनिकेशन स्किल आपकी पर्सनेलिटी का ही हिस्सा है, इसलिए अपनी पर्सनालिटी को इंप्रूव करने के लिए आपको अपनी कम्यूनिकेशन स्किल भी बेहतर करनी होगी।

पर्सनालिटी को इंप्रूव करने के लिए जरूरी है कम्युनिकेशन स्किल

कम्युनिकेशन स्किल बातचीत करना की एक कला है। ये बिल्कुल भी जरूरी नही है कि हर इंसान को बात करने की कला या सही तरीका आता हो। कम्युनिकेशन स्किल का डिग्री और पढ़ाई-लिखाई से भी कुछ लेना देना नहीं है, क्योंकि ये जरूरी नही है कि हर पढ़े-लिखे और डिग्रीधारी शख्स की कम्युनिकेशन स्किल अच्छी ही हो। लेकिन कुछ बातों का ध्यान रखकर इसमें सुधार जरूर किया जा सकता है।

बॉडी लैंग्वेज सही रखें

यह एक तरह का नॉन-वर्बल कम्युनिकेशन होता है, जिसमें आप बिना कुछ बोले बॉडी के हाव-भाव से सब कुछ कह देते हैं। बॉडी लैंग्वेज को देखकर आप सामने वाले पर्सन के बारे में सब कुछ समझ जाते हैं, तो अगर आप अपनी कम्युनिकेशन स्किल्स को बढ़ाना चाहते हैं तो आपको अपनी बॉडी लैंग्वेज को सही रखना जरूरी है। अपनी बॉडी लैंग्वेज के द्वारा आप सामने वाले को अपनी बात आसानी से समझा सकते हैं, लोगों से बात करते समय या मीटिंग्स में जेब में हाथ डालकर या हाथों को फोल्ड करने नहीं रखना चाहिए है आपको सामने वाले को अपनी बात समझाने के लिए अपनी बॉडी लैंग्वेज का सही तरह से यूज करना चाहिए।

दूसरों की बातें ध्यान से सुनें

अगर आप अपनी कम्युनिकेशन स्किल्स को इंप्रूव करना चाहते हैं तो आपको कोई दूसरों भी बात को भी बहुत ही ध्यान से सुनना होगा। इससे आप उसकी बातों को अच्छे से समझ सकेंगे। शुरुआत में बात करते समय आपसे कुछ गलतियां भी हो सकती हैं, लेकिन जब आप डेली प्रैक्टिस करते रहेंगे तो गलतियां कम होंगी और आप सही से कम्युनिकेशन कर सकेंगे। इसीलिए किसी भी बात को अच्छे से सुनिए फिर बोलना सीखिए।

सामने वाले को समझें

अगर आप किसी से कम्युनिकेशन कर रहे है, तो आपको उसकी बातों को अच्छे से समझने के साथ उसे भी समझना होगा कि वो आपसे क्या कहना चाहता है। तभी आप उसके साथ कम्युनिकेशन कर पाएंगे। इसलिए पहले सामने वाले पर्सन की बातों को अच्छे से समझें कि वो क्या कहना चाहता है, कैसा एक्सप्रेशन दे रहा है और उसको अच्छे से समझने के बाद आप अपना जवाब दें।

सही शब्दों का प्रयोग करें

किसी से बात करते समय आपको सही शब्दों का यूज करना चाहिए। इसके लिए डेली नये शब्दों को सीखें और उन्हें लोगों से बात करते समय यूज करें। स्टार्टिंग में आपको लोगों से बात करते समय अपनी आवाज को स्लो रखना है और सही शब्दों को बोलना है, बहुत बार ऐसा होता है कि जल्दी-जल्दी में लोग कम्युनिकेशन करते समय गलत शब्दों का प्रयोग कर जाते हैं, आपको धीरे बोलना है और अपने शब्दों को स्पष्ट बोलना है। जिससे सामने वाला व्यक्ति आपकी बात को अच्छे से समझ सके।

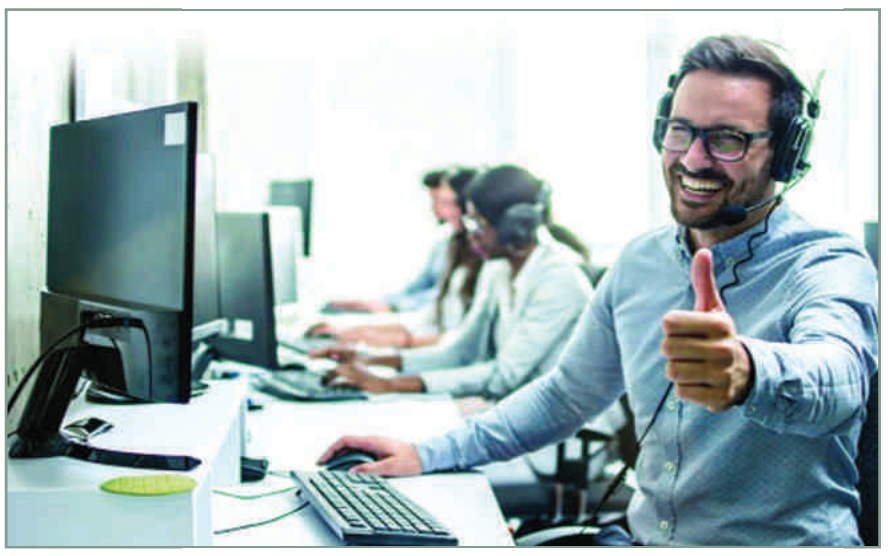

रोज प्रैक्टिस करें

अगर आप दिल से अपनी कम्युनिकेशन स्किल को इम्प्रूव करना चाहते हैं, तो आपको डेली प्रैक्टिस करनी होगी। आपको डेली कम्युनिकेशन के कुछ वर्ड्स याद करने होंगे और इन याद किये गये वर्ड्स को हफ्ते में 2 बार दोहराना होगा। क्योंकि अगर आप एक बार पढ़ने के बाद इन्हें दोबारा देखेंगे नहीं तो भूल जायेंगे। रोज थोड़ा टाइम अपनी कम्युनिकेशन पर दीजिए, डेली कुछ नये वर्ड्स सीखिए। इससे आपकी कम्युनिकेशन स्किल बेहतर होगी।

प्वॉइंट टू प्वॉइंट बात करें

चाहे आपका फ्रेंड हो या कोई अन्य व्यक्ति, किसी से भी बात करते समय ध्यान रखें कि आपको प्वॉइंट टू प्वॉइंट बात करना है। किसी से बात करना होता है तो आपको बिना डरे खुल कर बात करना चाहिए। अगर आप इधर उधर की बात करेंगे तो जिस प्वाइंट पर आप बात करना चाहते हैं, उसपर नहीं कर पाएंगे। साथ ही सामने वाला व्यक्ति भी कंफ्यूज रहेगा।

आई कांटेक्ट रखें

यह ध्यान रखें कि आप जब भी किसी से बात करें तो सामने वाले से आई कांटेक्ट बनाये रखें। इससे हमारी सिंसेरिटी और इंटरेस्ट दिखाई देता है और साथ ही हमारे इमोशन्स भी साफ-साफ दिखाई देते हैं। ये हमारी कम्युनिकेशन स्किल्स को भी इफेक्टिव बनती है। वहीं ऐसे बात करते समय आपका कॉन्फिडेंस भी बढ़ता है।

कॉफिडेंट रहें

किसी से बात करते समय कॉफिडेंट रहना जरूरी होता है। यह तभी हो पाएगा जब आप निडर होंगे, श्योर होंगे और जब आप बाहर की आवाजों पर डिपेंडेंट नहीं होंगे। इसीलिए स्टार्टिंग में जब भी आप किसी से बात करें, तो अपनी गलतियों से डरे नहीं, क्योंकि गलतियां होना एक नार्मल बात है, लेकिन जब धीरे-धीरे आप बोलना सीख लेंगे, आपकी कम्युनिकेशन स्किल्स अच्छी हो जाएगी तो आप पूरे कॉन्फिडेंस के साथ किसी भी फंक्शन में, पार्टी में, मीटिंग्स में या कहीं पर भी बोल सकेंगे।

Web site : www.krantisamay.com & epaper.krantisamay.com www.facebook.com/krantisamay1 www.twitter.com/krantisamay1

कावड़ को लेकर विवादित कविता वायरल, टीचर पर एफआईआर दर्ज

बरेली (एजेंसी)। उत्तर प्रदेश के बरेली में इंटरमीडिएट कॉलेज के टीचर पर एफआईआर दर्ज हुई। दरअसल, सोशल मीडिया पर टीचर की कविता वायरल हुई थी, जिसमें वे कांवड़ यात्रा को लेकर टिप्पणी कर रहे थे। कुछ लोगों को उनकी कांवड़ पर कही गई ये कविता पसंद नहीं आई और उन्होंने इस लेकर पुलिस में शिकायत दर्ज करा दी। उनका कहना था कि टीचर ने हिंदुओं की भावनाओं को ठेस पहुंचाई है। इसके बाद पुलिस ने टीचर के खिलाफ एक्शन ले लिया। आरोपी टीचर का नाम रजनीश गंगवार है। उन्होंने स्टूडेंट्स के सामने खड़े होकर कविता पढ़ी थी कि कांवड़ लेने मत जाना, तुम ज्ञान का दीप जलाना... मानवता की सेवा करके, तुम सच्चे मानव बन जाना... कांवड़ ले जाकर कोई एसपी-डीएम नहीं बना है... उनकी ये कविता आगे भी चली जिसमें कांवड़ यात्रा पर इसतरह की टिप्पणी की गई थी। वीडियो एमजीएम इंटर कॉलेज का बताया जा रहा है। जैसे ही टीचर गंगवार का ये वीडियो वायरल हुआ, हिंदू संगठन के लोग आक्रोशित हो गए। उन्होंने कहा कि जहां एक और कांवड़ यात्रियों के लिए सावन के महीने में जगह-जगह पुष्प वर्षा हो रही है, सीएम खुद कांवड़ यात्रियों के लिए व्यवस्था करा रहे हैं, वहीं दूसरी ओर एक टीचर स्कूल में कांवड़ को लेकर भड़काऊ और विवादित कविता गाकर माहौल खराब करने की कोशिश कर रहा है। ये कतई बर्दाश्त नहीं होगा।

हिमाचल में पैराग्लाइडर क्रैश होने से पर्यटक की दर्दनाक मौत

शिमला (एजेंसी)। धर्मशाला में सोमवार शाम एक दर्दनाक हादसा हुआ। यहां पैराग्लाइडर क्रैश होने से गुजरात के अहमदाबाद से आए 25 साल के पर्यटक की मौत हो गई। धर्मशाली के बाहरी हिस्से इंद्रुनाग में यह हादसा हुआ। घटना का वीडियो अब सोशल मीडिया पर तेजी से वायरल हो रहा है। कांगरा के एएसपी हितेश लखनपाल ने कहा कि यह हादसा टेकऑफ के दौरान हुआ जब ग्लाइटर हवा में उड़ नहीं सका। कुछ ही दूर जाने के बाद यह पर्यटक को लेकर जमीन पर गिर पड़ा। पर्यटक सतीश राजेश भाई और पायलट सूरज घायल हो गए। सतीश के सिर, मुंह और शरीर के अन्य हिस्सों पर गंभीर चोटें आईं। पहले उन्हें जोनल अस्पताल धर्मशाला में भर्ती कराया गया और यहां प्राथमिक उपचार के बाद टांडा मेडिकल कॉलेज रेफर किया गया। यहां इलाज के दौरान उनकी मौत हो गई। वहीं, सूरज का इलाज कांगड़ा के बालाजी अस्पताल में चल रहा है। पुलिस अधिकारियों ने बताया कि सतीश के परिवार को घटना की सूचना दी गई है और पोस्टमॉर्टम के बाद शव उन्हें सौंप दिया जाएगा। इंद्रुनाग में यह छह महीन के भीतर दूसरा पैराग्लाइटिंग हादसा है। जनवरी में यहां 19 साल की भवसार खुशी की मौत हो गई थी। वह भी गुजरात के अहमदाबाद की रहने वाली थी। टेकऑफ के दौरान खुशी का पैराग्लाइडर क्रैश हो गया था। एएसपी ने कहा कि पुलिस जांच कर रही है कि क्या सुरक्षा मानकों की अनदेखी की गई थी। कांगड़ा के डिप्टी कमिश्नर हेमराज बैरवा ने पूरे जिले में 15 सितंबर तक पैराग्लाइडिंग पर रोक लगा दी है।

पटना में लापता बैंक मैनेजर का शव कुएं में मिला

पटना (एजेंसी)। पटना में लापता हुए बैंक मैनेजर अभिषेक वरुण का शव बेउर जेल इलाके में एक कुएं में मिला। पुलिस को उसी कुएं में डूबा हुआ उनका स्कूटर भी मिला है। वरुण पटना में आईसीआईसीआई लोम्बार्ड में शाखा प्रबंधक के रूप में कार्यरत थे और कंकड़बाग इलाके में रहते थे। उनके परिवार के अनुसार, रविवार रात वे अपनी पत्नी और बच्चों के साथ एक पारिवारिक समारोह में शामिल होने गए थे। समारोह के बाद, उन्होंने अपनी पत्नी और बच्चों को घर लौटने का कहकर खुद समारोह स्थल पर ही रुक गए। उनकी पत्नी ने बताया कि घर पहुंचने के बाद अभिषेक ने उन्हें फोन कर बताया कि वे रास्ते में है। सुबह लगभग 3 बजे पति ने फिर फोन कर बताया कि उसका एक्सीडेंट हो गया है, जिसके बाद उसका फोन बंद हो गया। इसके बाद परिवार ने अगली सुबह उनकी तलाश शुरू कर दी और थाने में गुमशुदगी की शिकायत दर्ज कराई गई। फुलवारी के डीएसपी सुशील कुमार ने कहा कि प्रथम दृष्टया यह एक दुर्घटना का मामला लग रहा है। अभिषेक की सास और मौसी ने आरोप लगाया है कि जिन लोगों ने वरुण को पार्टी में बुलाया था, वहीं उसकी मौत के लिए जिम्मेदार हैं। उन्होंने दावा किया कि अभिषेक की उस व्यक्ति से दुश्मनी थी जिसने अभिषेक को पार्टी में बुलाया था और यह घटना सुनियोजित थी। उन्होंने आरोप लगाया कि घटना से पहले उस शराब पिलाई गई थी और उसके साथ जो हुआ उसके पीछे उन्हीं का हाथ है।

मुंबई की लोकल लाइफ लाइन या डेथ लाइन?, 8 साल में 8,273 यात्रियों की मौत

मुंबई (एजेंसी)। मुंबई की लोकल ट्रेनों को लाइफ लाइन कहा जाता है लेकिन बीते कुछ सालों के दौरान हुए अनगिनत हादसों के बाद अब लोग पूछ रहे हैं कि मुंबई की लोकल को लाइफ मानें या फिर डेथ लाइन ? दरअसल हाल ही में ठाणे से सटे मुंब्रा रेलवे स्टेशन के पास एक हादसा हुआ था, जिसमें चलती लोकल ट्रेन से नीचे गिरने से कुछ यात्रियों की मौत हो गई थी। यह मामला फिलहाल बॉम्बे हाईकोर्ट में है। इस मामले की सुनवाई के दौरान मध्य रेलवे ने मृतकों के आंकड़े दिए। रेलवे ने हाईकोर्ट को बताया कि साल 2025 के पहले पांच महीनों में विभिन्न कारणों से 443 लोगों की मौत हुई है। मध्य रेलवे द्वारा हाईकोर्ट में दाखिल हलफनामे में बताया गया है कि 2018 में रेलवे ट्रैक पार करते समय लोकल ट्रेनों के सामने आने से 1022 लोगों की मौत हुई। इसी साल लोकल ट्रेनों से गिरकर 482 यात्रियों की मौत हुई। मध्य रेलवे की वकील अनामिका मल्होत्रा द्वारा दाखिल इस हलफनामे में बताया गया है कि 2019 में रेलवे ट्रैक पार करते समय 920 लोगों की मौत हुई, जबकि लोकल ट्रेन से गिरकर 426 लोगों की जान गई। जबकि वर्ष 2020 में भी रेलवे ट्रैक पार करते समय लोकल ट्रेन के सामने आने से 471 लोगों की मौत हुई थी और लोकल ट्रेन से गिरकर 134 लोगों की मौत हुई थी। 2021 में रेलवे ट्रैक पार करते समय मौतों की संख्या 748 थी, जबकि लोकल ट्रेनों में यात्रा करते समय नीचे गिरने से मौतों की संख्या 189 थी।

पप्पू यादव ने दिया तेजस्वी को झटका कहा- कांग्रेस दलित को बनाएगी सीएम का चेहरा

पटना (एजेंसी)। पूर्णिया से निर्दलीय सांसद पप्पू यादव ने हाल ही में कांग्रेस अध्यक्ष मल्लिकार्जुन खरगे और राहुल गांधी से मुलाकात के बाद बिहार विधानसभा चुनाव 2025 को लेकर सियासी हलचल मचाने वाला बयान दिया। उन्होंने इशारों में तेजस्वी यादव को मुख्यमंत्री पद का उम्मीदवार मानने से इनकार करते हुए राजेश राम और तारिक अनवर को कांग्रेस की ओर से संभावित चेहरे के रूप में पेश किया। बता दें कि पप्पू यादव अपनी जन अधिकार पार्टी को कांग्रेस में विलय कर चुके हैं। वह कांग्रेस के बड़े नेताओं के संपर्क में हैं। हाल में ही राहुल गांधी और मल्लिकार्जुन खरगे से मुलाकात के बाद कहा कि उन्हें दोनों नेताओं का आशीर्वाद प्राप्त है। उन्होंने जोर देकर कहा कि राहुल गांधी की प्राथमिकता एनडीए और बीजेपी को रोकना है। पप्पू यादव ने बिहार कांग्रेस अध्यक्ष राजेश राम को बड़ी भूमिका सौंपे जाने की बात कही और उन्हें संभावित मुख्यमंत्री चेहरों में से एक बताया। इसके साथ ही उन्होंने तारिक अनवर का नाम भी प्रस्तावित किया, जिससे तेजस्वी यादव की उम्मीदवारी पर सवाल उठ गए।

पप्पू यादव के इस बयान ने महागठबंधन में दरार की अटकलों को हवा दी है, जबकि राजद ने स्पष्ट किया कि तेजस्वी यादव ही उनके नेता रहेंगे। राजद ने उनके बयान को खारिज करते हुए कहा कि तेजस्वी यादव 2020 की तरह ही 2025 विधानसभा चुनाव में महागठबंधन का नेता हैं। वहीं, दूसरी ओर पप्पू यादव का कांग्रेस के नेताओं को आगे करने वाला यह बयान बिहार की राजनीति में नये मोड़ का संकेत देता हुआ प्रतीत हो रहा है। पप्पू यादव ने स्पष्ट किया कि वह स्वयं मुख्यमंत्री पद के दावेदार नहीं हैं, लेकिन कांग्रेस की ओर से तेजस्वी यादव को सीएम उम्मीदवार घोषित करने पर भी कोई अंतिम फैसला नहीं हुआ है। हालांकि, उन्होंने कहा कि राहुल गांधी का अंतिम निर्णय ही मायने रखेगा। जाहिर है पप्पू यादव का यह बयान महागठबंधन की एकजुटता पर सवाल उठाता है, खासकर तब जब राजद प्रवक्ता मृत्युंजय तिवारी ने दोहराया कि 2020 की तरह 2025 में भी तेजस्वी यादव ही उनके नेता हैं और मुख्यमंत्री पद का चेहरा भी।

जानकार बताते हैं कि पप्पू यादव का तेजस्वी को सीएम चेहरा न मानना और हाल के बिहार बंद में उनके साथ मंच साझा न करने की घटना महागठबंधन में तनाव का संकेत देती है। बीते 9 जुलाई को पटना में राहुल गांधी और तेजस्वी यादव के साथ चक्का जाम के दौरान पप्पू यादव और कन्हैया कुमार को मंच पर जगह नहीं दी गई थी, जिसे राजद के दबदबे से जोड़कर देखा गया। पप्पू यादव ने इसे अपमान न मानते हुए जनता के लिए बलिदान बताया, लेकिन उनके ताजा बयान से साफ है कि वह राजद की एकछत्र भूमिका को चुनौती दे रहे हैं। जानकारों का मानना है कि पप्पू यादव का यह कदम सीमांचल क्षेत्र में उनकी मजबूत पकड़ और मुस्लिम-यादव वोट बैंक पर प्रभाव को बताता है। उनकी स्वतंत्र उम्मीदवाक के तौर पर जीत और लोकप्रियता महागठबंधन के लिए महत्वपूर्ण है, लेकिन राजद के साथ उनकी तल्खी गठबंधन की रणनीति को प्रभावित कर सकती है। दूसरी ओर, कांग्रेस बिहार में अपनी स्थिति मजबूत करने की कोशिश में है और राहुल गांधी की लगातार यात्राओं से दलित और शहरी वोटरों को लुभाने की रणनीति बना रही है।

नेतृत्व को लेकर मतभेद गहरा

दूसरी ओर राजद प्रवक्ता मृत्युंजय कुमार तिवारी ने पप्पू यादव के बयान को उनकी निजी राय बताकर पल्ला झाड़ लिया, लेकिन यह स्पष्ट है कि महागठबंधन में सीट बंटवारे और नेतृत्व को लेकर मतभेद गहरा रहे हैं। अगर कांग्रेस तेजस्वी को सीएम चेहरा घोषित करने में देरी करती है तो गठबंधन की एकता खतरे में पड़ सकती है। पप्पू यादव का यह रुख बिहार की सियासत में नया मोड़ ला सकता है, जहां एनडीए के खिलाफ लड़ाई में विपक्ष की एकजुटता अहम होगी।

फ्लाइट में हंगामा- कॉकपिट में जबरन घुसने लगे दो यात्री, दिल्ली एयरपोर्ट पर उतारे गए

नई दिल्ली (एजेंसी)। मुंबई जा रही स्पाइसजेट की फ्लाइट संख्या एसजी 9282 बैठे दो यात्रियों ने जमकर हंगामा किया। दोनों यात्री जबरन कॉकपिट में घुसने की कोशिश कर रहे थे तभी उन्हे दिल्ली एयरपोर्ट पर उतारकर सीआईएसएफ के हवाले कर दिया गया। स्पाइसजेट ने बताया कि विमान को मुंबई जाना था, उसे वापस 'बे'पर लाया गया। दोनों यात्रियों को उतारकर उन्हें केंद्रीय औद्योगिक सुरक्षा बल को सौंप दिया गया। उसने कहा, 14 जुलाई को दिल्ली से मुंबई जा रही स्पाइसजेट की उड़ान संख्या एसजी 9282 से दो उपद्रवी यात्रियों को उतार दिया गया है। विमानन कंपनी ने अपने बयान में कहा, 'दोनों यात्रियों ने कॉकपिट के पास जबरन जाने की कोशिश की और विमान की गतिविधियों में व्यवधान पैदा किया। विमानों की उड़ान पर नजर रखने वाली वेबसाइट पर भी इसे लेकर कुछ जानकारियां उपलब्ध हैं। इसके अनुसार, उड़ान संख्या एसजी 9282 को मूल रूप से दोपहर साढ़े 12 बजे रवाना होना था, वह शाम सात बजकर 21 मिनट पर रवाना हुई।

विमान दुर्घटना में 4 लोगों की मौत

दूसरी ओर, लंदन के साउथेंड एयरपोर्ट से उड़ान भरने के तुरंत बाद ही विमान दुर्घटनाग्रस्त हो गया। इसमें सवार चार लोगों की मौत हो गई है। एसेक्स पुलिस ने सोमवार को कहा कि पीड़ितों की पहचान की जा रही है, जिनमें से ब्रिटेन का कोई भी नागरिक नहीं है। डच कंपनी 'ज्यूश एविएशन'की ओरक से ऑपरेटेड बीचक्राफ्ट बी200 सुपर किंग विमान ने ग्रीस के एथेंस से पुला (क्रोएशिया) गया, फिर वहां से साउथेंड (ब्रिटेन) के लिए रवाना हुआ। यह विमान रविवार शाम को नीदरलैंड के लेलिस्टाड लौटने वाला था। 23 मीटर लंबा यह टर्बोप्रॉप विमान उड़ान भरने के कुछ ही पल बाद नीचे आ गिरा और उसमें आग लग गई।

औवेसी के लिए सुप्रीम कोर्ट से आई राहत भरी खबर... मान्यता रद्द करने की मांग वाली याचिका वापस

नई दिल्ली(एजेंसी)। असदुद्दीन ओवैसी की अगुवाई वाली पार्टी ऑल इंडिया मजलिस-ए-इत्तेहादुल मुस्लिमीन (एआईएमआईएम) के लिए राहत भरी खबर आई है। याचिकाकर्ता ने पार्टी की मान्यता रद्द करने की मांग को लेकर दायर याचिका वापस ले ली है। हालांकि, सुप्रीम कोर्ट ने याचिकाकर्ता को यह स्वतंत्रता दी है कि वह नई याचिका दाखिल कर सकता है।

यह याचिका शिवसेना (तेलंगाना विंग) के अध्यक्ष तिरुपति नरसिम्हा मुरारी की ओर से दाखिल हुई थी। याचिकाकर्ता के वकील विष्णु शंकर जैन ने सुप्रीम कोर्ट में दलील दी कि एआईएमआईएम संविधान में निहित सेक्युलरिज्म के सिद्धांत का पालन नहीं करती है। उन्होंने कहा कि पार्टी केवल एक विशेष समुदाय के हितों की बात करती है, जो कि भारतीय संविधान और जनप्रतिनिधित्व अधिनियम के खिलाफ है।

वकील जैन ने सुप्रीम कोर्ट में कहा कि अगर मैं चुनाव आयोग के पास जाकर कहूं कि मैं वेदों और पुराणों को आधार बनाकर पार्टी बनाना चाहता हूं, तब मेरा रजिस्ट्रेशन नहीं होगा। फिर भी आयोग ने कैसे एआईएमआईएम को अल्पसंख्यक वर्ग के धार्मिक विचारों पर आधारित पार्टी के तौर पर मान्यता दी गई? उन्होंने कहा कि संविधान में सिर्फ माइनॉरिटी एजुकेशन इंस्टीट्यूशन के गठन का अधिकार है, राजनीतिक पार्टी बनने का अधिकारी नहीं है।

याचिका में कहा गया था कि चुनाव आयोग ने एआईएमआईएम को राजनीतिक दल के रूप में मान्यता देकर संविधान के सेक्युलर ढांचे का उल्लंघन किया है। औवेसी की पार्टी का एजेंडा सांप्रदायिक और एकपक्षीय है। पार्टी का एकमात्र मकसद सिर्फ मुस्लिम समुदाय के पक्ष में काम करना है। याचिकाकर्ता का दावा था कि यह पार्टी देश के धर्मनिरपेक्ष ताने-बाने के खिलाफ कार्य कर रही है।

शिवसेना और मनसे का गठबंधन वेट एंड वाच मोड पर

– क्या बिहार चुनाव के बाद ठाकरे बंधु लेंगे फैसला ?

मुंबई (एजेंसी)। बीते 5 जुलाई को, लगभग 20 साल बाद, राज ठाकरे और उद्धव ठाकरे एक विजय रैली के लिए मंच पर एक साथ आए। ऐसी चर्चा थी कि शिवसेना और मनसे एक साथ आएंगे और ठाकरे बंधुओं का गठबंधन होगा। यह भी चर्चा थी कि ठाकरे बंधु एक साथ महानगरपालिका चुनाव लड़ेंगे। अब इस चर्चा में एक बड़ा मोड़ आ गया है। राज और उद्धव ठाकरे के बीच गठबंधन को लेकर जो सबसे बड़ी खबर सामने आई है इसने महाराष्ट्र की राजनीति में फिर से हलचल मचा दी है। दरअसल

ठाकरे बंधु मराठी भाषा के मुद्दे पर एक साथ आए। क्या महाराष्ट्र नवनिर्माण सेना (मनसे) के राज ठाकरे और शिवसेना (ठाकरे) के उद्धव ठाकरे राजनीतिक गठबंधन करेंगे? यह सवाल पूरे महाराष्ट्र में चर्चा का विषय बना हुआ है। हालांकि, अब

इस संबंध में जो जानकारी सामने आई है उसके मुताबिक ठाकरे बंधुओं का राजनीतिक गठबंधन को लेकर अभी तक कोई फैसला नहीं हुआ है। विश्वसनीय जानकारी के अनुसार, राज ठाकरे और उद्धव ठाकरे ने मराठी के मुद्दे पर साथ आने का फैसला किया था। लेकिन मनसे सूत्रों ने कहा है कि राजनीतिक गठबंधन पर कोई फैसला नहीं हुआ है। यह कहकर कि अभी तक कोई राजनीतिक गठबंधन नहीं हुआ है, मनसे ने शिवसेना सदस्यों की बेचैनी बढ़ा दी है। हालांकि, उद्धव ठाकरे के पुत्र आदित्य ठाकरे ने कहा है कि हम वही करेंगे जो महाराष्ट्र के हित में होगा। जबकि उद्धव ठाकरे ने मनसे के रुख पर प्रतिक्रिया देते हुए कहा है कि राज ठाकरे ने निर्देश दिया है कि प्रवक्ता कोई टिप्पणी नहीं करेंगे। आइए देखें कि महानगरपालिका चुनावों की घोषणा के बाद शिवसेना-मनसे गठबंधन होता है या नहीं? उद्धव ठाकरे ने भी प्रतीक्षा करने का रुख अपनाया है। यानि यह साफ नजर आ रहा है कि शिवसेना और मनसे का गठबंधन फ़िलहाल वेट एंड वाच मोड पर है।

क्या बिहार चुनाव के बाद ठाकरे बंधु लेंगे फैसला ?

सूत्रों की मानें तो बिहार विधानसभा चुनाव के बाद महाराष्ट्र में शिवसेना और मनसे के गठबंधन को लेकर कोई सकारात्मक फैसला लिया जा सकता है। इसके पीछे की रणनीति उत्तरभारतीय वोट बैंक मानी जा रही है। दरअसल मनसे अध्यक्ष राज ठाकरे लगातार मुंबई/महाराष्ट्र में उत्तरभारतीयों का विरोध करते आ रहे हैं और हाल ही में हिंदी के मुद्दे पर उनका आक्रामक रुख रहा है।

भारत में चल रहा बाबा वाद, गलत व्यक्ति के चक्कर में न पड़ें : धीरेंद्र शास्त्री

नई दिल्ली (एजेंसी)। बागेश्वर धाम के प्रमुख और कथावाचक पंडित धीरेंद्र शास्त्री ने छांगुर बाबा द्वारा कथित धर्मांतरण के मामले पर प्रतिक्रिया देते हुए कहा कि छांगुर बाबा ने धर्म की आड़ में कई महिलाओं का शोषण किया, गंदे कृत्यों को अंजाम दिया और हिंदुओं का धर्म परिवर्तन कराया। धीरेंद्र शास्त्री ने अपने बयान में हिंदू समुदाय को चेतावनी देते हुए कहा कि भारत में अभी बाबा वाद बहुत चल रहा है। हमें बाबाओं से दिक्कत नहीं है, आप से दिक्कत है। उन्होंने लोगों से अपील की कि किसी गलत व्यक्ति के चक्कर में न पड़ें। गलत परंपरा, गलत संस्कृति, गलत विचारधारा और गंदी मानसिकता वाले व्यक्ति के संरक्षण में जाने से वह आपको भी भ्रष्ट कर देगा। इसका सबसे बड़ा नुकसान हिंदू धर्म को होगा। शास्त्री ने कहा कि हमने पहले भी कहा है कि सब कुछ टूटे पर किसी का भरोसा न टूटे। हम ये कहेंगे कि तुम बाबाओं के चक्कर में मत पड़ो, बल्कि बालाजी के चक्कर में पड़ो। उन्होंने साफ कहा कि हिंदू धर्म की रक्षा के लिए समाज को एकजुट होने और सही मार्ग पर चलने की जरूरत है। बता दें हाल ही में उत्तर प्रदेश पुलिस ने छांगुर बाबा के कारनामों का पर्दाफाश किया है। पुलिस ने छांगुर बाबा को धर्मांतरण और महिलाओं के शोषण के गंभीर आरोपों में गिरफ्तार किया है। पुलिस को जांच में पता चला कि छांगुर बाबा एक संगठित

कर्नाटक में अल्पसंख्यकों और एससी-एसटी के लोगों को भेदभाव से बचाएगा रोहित वेमुला बिल

बेंगलुरु (एजेंसी)। कर्नाटक की कांग्रेस सरकार एक ऐसा बिल लाने जा रही है जो अल्पसंख्यकों और एससी-एसटी के लोगों को भेदभाव से बचाएगा। इस बिल में भेदभाव करने वालों को जेल और जुर्माने का प्रावधान किया गया है। साल 2016 में आत्महत्या करने वाले दलित पी एचडी छात्र रोहित वेमुला के नाम पर यह विधेयक विधानसभा के मॉनसून सत्र के दौरान पेश हो सकता है। खबर है कि इसमें भेदभाव करने के दोषियों के खिलाफ भारी सजा के प्रावधान हैं। हालांकि, इसके प्रावधानों को लेकर लेकर राज्य सरकार की ओर से आधिकारिक तौर पर कुछ नहीं कहा गया है।

कर्नाटक रोहित वेमुला (बहिष्कार या अन्याय निवारण) (शिक्षा और सम्मान का अधिकार) विधेयक, 2025 मॉनसून सत्र के दौरान पेश किया जा सकता है। इसमें अनुसूचित जाति, अनुसूचित जनजाति, अन्य पिछड़ा वर्ग और अल्पसंख्यक शामिल होंगे।

खबर है कि बिल का मकसद एससी, एसटी, ओबीसी और अल्पसंख्यकों को निजी और सरकारी विश्वविद्यालयों में शिक्षा का अधिकार और शिक्षा तक पहुंच मुहैया कराना है। रिपोर्ट के अनुसार, मसौदे में कहा गया है कि इसके तहत अपराध साबित होने पर जमानत नहीं हो सकेगी। साथ ही अगर कोई भेदभाव करता है या भेदभाव में सहयोग करता है या उकसाता है, तो उसे सजा दी जाएगी। पहली बार अपराध करने पर एक साल की जेल और 10 हजार रुपये जुर्माने का प्रावधान है। साथ ही अदालत मुआवजा को सीधे पीड़ित को देने की अनुमति दे सकती हैं। यह धनराशि 1 लाख तक जा सकती है। बार-बार अपराध करने पर तीन साल की जेल और 1 लाख रुपये के जुर्माने का प्रावधान है। खबर है कि अगर कोई संस्थान सभी वर्गों, जातियों, पंथों, लिंगों या राष्ट्रों के लिए शिक्षा उपलब्ध कराने के प्रावधानों का उल्लंघन करती है, तो उसपर भी ऐसा ही दंड लगेगा। रिपोर्ट के अनुसार, बिल में बताया गया है कि राज्य सरकार की तरफ से ऐसे संस्थानों को आर्थिक मदद या अनुदान नहीं दिया जाएगा। हैदराबाद विश्विद्यालय के छात्र रहे रोहित वेमुला ने जनवरी, 2016 में कथित जातिगत भेदभाव के कारण आत्महत्या कर ली थी। कांग्रेस के पूर्व अध्यक्ष राहुल गांधी ने कर्नाटक के मुख्यमंत्री सिद्धारमैया, हिमाचल प्रदेश के मुख्यमंत्री सुखविंदर सिंह सुक्खू और तेलंगाना के मुख्यमंत्री रेवंत रेड्डी को पत्र लिखकर 'रोहित वेमुला अधिनियम'लागू करने के लिए कहा था।

नर्सिंग कॉलेज के खिलाफ सीएम सिद्धारमैया लेंगे एक्शन? छात्र संगठन ने हिजाब प्रतिबंध को लेकर की ये अपील

बेंगलुरु (एजेंसी)। जम्मू और कश्मीर छात्र संघ (जेकेएसए) ने कर्नाटक के मुख्यमंत्री सिद्धारमैया से बेंगलुरु के एक नर्सिंग कॉलेज में कथित धार्मिक भेदभाव की घटना में तत्काल हस्तक्षेप करने की अपील की है। मुख्यमंत्री को लिखे एक पत्र में, जेकेएसए ने कहा कि श्री सौभाग्य ललिता कॉलेज ऑफ नर्सिंग में कश्मीरी छात्राओं को कक्षाओं में आने से रोक दिया गया और हिजाब या बुर्का पहनने पर उन्हें निष्कासित करने की धमकी दी गई। यह कॉलेज राजीव गांधी स्वास्थ्य विज्ञान विश्वविद्यालय (आरजीयूएचएस) से संबद्ध है। एसोसिएशन ने पत्र में कहा कि इन कश्मीरी छात्राओं को व्यवस्थित रूप से निशाना बनाया गया है, अपमानित किया गया है और शिक्षा के उनके मौलिक अधिकार से वंचित किया गया है, सिर्फ इसलिए क्योंकि उन्होंने बुर्का या अबाया पहनने का विकल्प चुना है।

जेकेएसए के राष्ट्रीय संयोजक

नासिर खुएहामी ने दावा किया कि कॉलेज के अध्यक्ष ने एक कक्षा में प्रवेश किया और हिजाब पहने छात्राओं को बाहर जाने का आदेश दिया। पूछताछ करने पर, अध्यक्ष ने कथित तौर पर कहा, यह हमारा कॉलेज है; यहाँ केवल हमारे नियम लागू होते हैं और छात्राओं को चेतावनी दी कि अगर वे ऐसा नहीं करेंगी तो उन्हें बर्खास्त कर दिया जाएगा और उनके रिकॉर्ड जब्त कर लिए जाएँगे। एसोसिएशन ने ज़ोर देकर कहा कि कोई भी क़ानून या विश्वविद्यालय नीति कक्षाओं में हिजाब या बुर्का पहनने पर प्रतिबंध नहीं लगाती है, और इस तरह के प्रतिबंध को लागू करना अवैध और भेदभावपूर्ण बताया। खुएहामी ने बताया कि प्रशासन ने अन्य छात्राओं की आपत्तियों का हवाला देते हुए इस कदम को उचित ठहराया और दावा किया देश में कहीं भी मेडिकल छात्रों के लिए हिजाब और पर्दा की अनुमति नहीं है।

जेकेएसए ने इन टिप्पणियों की निंदा करते हुए उन्हें बेतुका, इस्लामोफोबिक रूढ़िवादिता बताया और भारतीय संविधान के अनुच्छेद 25, 15 और 21ए का हवाला देते हुए इस घटना को संवैधानिक अधिकारों का खतरनाक उल्लंघन बताया। भावनात्मक और मनोवैज्ञानिक क्षति पर प्रकाश डालते हुए, खुएहामी ने कहा कि यह समान रूप से हृदयविदारक और क्रोधित करने वाला है कि एक संघर्ष प्रभावित क्षेत्र के छात्रों को... अब इस तरह के अपमान और आघात का सामना करना पड़ रहा है।

मायावती ने भतीजे आकाश को सौंपी कमान, बिहार में होगी पहली परीक्षा

-पार्टी युवा, ऊर्जा और नए समीकरणों से खुद को दोबारा खड़ा करना चाहती है

लखनऊ (एजेंसी)। यूपी में दलितों की सबसे मजबूत आवाज रही बहुजन समाज पार्टी आज अपना अस्तित्व खोती जा रह है। 2022 के विधानसभा चुनाव में सिर्फ 1 सीट पर सिमट चुकी बसपा अब 2027 के मिशन में जुट गई है। मायावती ने एक बार फिर अपने भतीजे आकाश आनंद को फ्रंटफुट पर लाकर पार्टी को नए सिरे से खड़ा करने की तैयारी शुरू कर दी है। सवाल यह है कि क्या बसपा 2027 में सत्ता में वापसी कर पाएगी?

बता दें मायावती ने अपने भतीजे आकाश आनंद को पार्टी का मुख्य राष्ट्रीय समन्वयक बना दिया है। आकाश को मई में अचानक पार्टी में वापस लिया। अब उन्हें तीन राष्ट्रीय समन्वयकों के ऊपर काम करने की जिम्मेदारी सौंपी है। यह पद विशेष रूप से आकाश के लिए बनाया गया है। इसके साथ ही वह पार्टी में दूसरे नंबर के नेता बन गए हैं। अब यह प्रश्न उठ रहा है कि आकाश आनंद बसपा के लिए मजबूरी क्यों बनते जा रहे हैं जबकि लोकसभा चुनाव में पार्टी का प्रदर्शन सबसे खराब रहा था।

बसपा आज यूपी में हाशिए पर है। हालांकि पार्टी ने 2022 के विधानसभा चुनाव में 12 फीसदी से ज्यादा वोट हासिल किए थे, जो उसे फिर से खड़ा होने की संभावना को दर्शाते हैं। हालांकि 2024 के लोकसभा चुनाव में बसपा को मात्र 9.39 फीसदी वोट मिले जो खतरे का संकेत है। आकाश को फिर से आगे लाने का फैसला इस संकेत के रूप में देखा जा सकता है कि पार्टी युवा, ऊर्जा और नए समीकरणों के सहारे खुद को दोबारा खड़ा करना चाहती है।

बसपा की सबसे बड़ी दिक्कत घटता जनाधार और जमीन पर कमजोर होती पकड़ है। पार्टी का दलित वोट बैंक बीजेपी और सपा में शिफ्ट हो गया है वहीं मुस्लिम सपा में अपना भविष्य तलाश रहे हैं। साथ ही नगीना से सांसद चंद्रशेखर रावण का दलित वोटरों पर बढ़ता प्रभाव भी बसपा के लिए खतरा है। आकाश की पहली परीक्षा बिहार विधानसभा चुनाव-2025 में होगी। हालांकि बसपा के सामने समय कम है और चुनौतियां ज्यादा। बिहार की अब तक की राजनीति पर नजर डालें तो बसपा यहां कभी भी निर्णायक राजनीति ताकत नहीं बन पाई है, लेकिन 243 विधानसभा सीटों वाले बिहार विधानसभा में बसपा करीब 25-30 सीटों पर अपने मजबूत कैडर की वजह से हमेशा से प्रतिद्वंदी पार्टियों को टेंशन देती आई है। बिहार में अब बीजेपी, राजद के बाद प्रशांत किशोर और एआईएमआईएम की एंट्री के बाद बसपा की राह कठिन होगी।

मायावती ने आकाश आनंद को मुख्य राष्ट्रीय संयोजक नियुक्त कर यह साफ कर दिया है कि 2027 का चुनाव अब युवा नेतृत्व के हाथों में होगा। आकाश को बिहार चुनाव की जिम्मेदारी भी दी गई है, ताकि वह मैदान में खुद को साबित कर सकें। वहीं राजनीतिक विश्लेषकों का मानना है कि बसपा इस बार युवा चेहरा, सोशल मीडिया, जातीय समीकरण के कॉम्बिनेशन पर दांव लगाने जा रही है। हालांकि जमीन पर इसका असर अभी तक दिखाई नहीं दे रहा है।

बता दें यूपी में ओबीसी की सियासत मुलायम सिंह यादव ने शुरू की तो अति पिछड़ों की राजनीतिक ताकत को सबसे पहले कांशीराम ने समझा था। कांशीराम ने अतिपिछड़ों में मौर्य, कुशवाहा, नाई, पाल, राजभर, नोनिया, बिंद, मल्लाह, साहू जैसे समुदाय के नेताओं को बसपा के साथ जोड़कर एक मजबूत बहुजन सियासत खड़ी की थी। बसपा के राष्ट्रीय अध्यक्ष की कमान कांशीराम और मायावती ने अपने हाथ में रखी, लेकिन यूपी में संगठन की बागडोर ज्यादातर ओबीसी नेताओं के हाथ

में रही है। कांशीराम के निधन और 2012 में सत्ता से बाहर होने के बाद जाटव समाज बसपा के साथ जुड़ा रहा, लेकिन गैर-जाटव दलित और अतिपिछड़ी जातियां दूर हो गई। इसके चलते बसपा का वोट शेयर 9.39 फीसदी पर पहुंच गया है।

Web site : www.krantisamay.com & epaper.krantisamay.com www.facebook.com/krantisamay1 www.twitter.com/krantisamay1

संक्षिप्त समाचार

कैमरून में 8वीं बार राष्ट्रपति बनना चाहते हैं 92 साल के पॉल बिया

हवे, एजेंसी। कैमरून के 92 वर्षीय राष्ट्रपति पॉल बिया ने सोमवार (स्थानीय समयानुसार) को घोषणा की है कि वह इस साल अक्तूबर में होने वाले चुनावों में फिर से खड़े होंगे। वह पहले ही सात बार राष्ट्रपति रह चुके हैं, और अब आठवीं बार चुनाव लड़ना चाहते हैं। यह एलान तब हुआ जब कई लोग सोच रहे थे कि उनकी उम्र और सेहत को देखते हुए वह अब चुनाव नहीं लड़ेंगे। पॉल बिया, जो अफ्रीका के सबसे लंबे समय तक राज करने वाले नेताओं में से एक हैं, अक्सर बीमार रहते हैं और देश के बाहर रहते हैं। पिछले साल उनके बारे में अफवाह फैली थी कि उनकी मौत हो गई है, जिसे सरकार ने गलत बताया। 1960 में फ्रांस से स्वतंत्रता के बाद कैमरून के दूसरे राष्ट्रपति, बिया 1982 से सत्ता में हैं।

पाकिस्तान में 20 सीवेज नमूनों में फिर मिला पोलियो वायरस

इस्लामाबाद, एजेंसी। पाकिस्तान में पोलियो का खतरा अभी भी बना हुआ है। एआरवाई न्यूज ने रविवार को राष्ट्रीय संदर्भ प्रयोगशाला के हवाले से बताया कि देश के अलग-अलग इलाकों से लिए गए 20 सीवेज नमूनों में पोलियो वायरस पाया गया है। राष्ट्रीय संदर्भ प्रयोगशाला ने इस्लामाबाद समेत 20 जिलों से कुल 28 सीवेज नमूने लेकर जांच की। इनमें से 20 नमूनों में पोलियो वायरस मिला है। इन नमूनों में वाइल्ड पोलियोवायरस टाइप 1 की पुष्टि हुई है। ये नमूने 8 मई से 17 जून के बीच लिए गए थे।

मंगल के उल्कापिंड की न्यूयॉर्क में होगी नीलामी

न्यूयॉर्क, एजेंसी। धरती पर अब तक मिला मंगल ग्रह का 25 किलो वजनी सबसे बड़ा उल्कापिंड न्यूयॉर्क के सोथबी में नीलामी के लिए रखा गया है। इसकी कीमत 20 लाख डॉलर से 40 लाख डॉलर तक लगाई गई है। एनडब्ल्यूए 16788 नाम का यह उल्कापिंड बुधवार को प्राकृतिक इतिहास पर आधारित नीलामी के तहत नीलाम किया जाएगा। इसके साथ ही एक 6 फीट ऊंचा और लगभग 11 फीट लंबे किशोर सेराटोसॉरस डायनासोर के कंकाल भी नीलामी की जाएगी। मशहूर नीलामी घर सोथबी के मुताबिक, बुधवार की यह नीलामी सोथबी की गीक वीक 2025 का हिस्सा है। इसमें उल्कापिंड, जीवाश्म और कीमती खनिज समेत कुल 122 वस्तुएं शामिल हैं। यह पत्थर एक विशाल क्षुद्रग्रह टकराव के बाद मंगल से उड़कर 14 करोड़ मील का सफर तय कर सहारा में गिरा। इसे नवंबर 2023 में नाइजर में एक उल्कापिंड खोजी ने ढूंढा था। यह लाल, भूरा और स्लेटी रंग का पत्थर अब तक पाए गए मंगल के किसी भी टुकड़े से 70 फीसदी बड़ा है।

दक्षिण अफ्रीका में भारतवंशी फिरोज कचालिया पुलिस मंत्री नियुक्त

केप टाउन , एजेंसी। दक्षिण अफ्रीका के राष्ट्रपति सिरिल रामफोसा ने रविवार (स्थानीय समयानुसार) को भारतीय मूल के वरिष्ठ कार्यकर्ता फिरोज कचालिया को देश का नया पुलिस मंत्री नियुक्त किया है। यह फैसला मौजूदा पुलिस मंत्री सेन्जो मचुनु को विशेष अवकाश पर भेजे जाने के बाद लिया गया है। राष्ट्रपति रामफोसा ने एक राष्ट्रीय स्तर पर प्रसारित संबोधन में इसकी घोषणा की, क्योंकि लेफ्टिनेंट जनरल नहलानहला मखवानाजी, जो क्वाजुलु-नताल प्रांत के पुलिस प्रमुख हैं, ने मचुनु और कुछ अन्य बड़े पुलिस अधिकारियों पर आपराधिक गिरोह के नेताओं के साथ मिलीभगत के गंभीर आरोप लगाए थे। राष्ट्रपति रामफोसा ने कहा कि एक जांच आयोग का गठन किया गया है, जो इन आरोपों की जांच करेगा और तीन महीने में रिपोर्ट देगा। जांच का नेतृत्व कार्यवाहक उप मुख्य न्यायाधीश म्बुइसेली मदलंगा करेंगे।

गाजा सहायता नीति नरसंहार का घटिया रूप : खामनेई

तेहरान, एजेंसी। ईरान के सुप्रीम लीडर अयातुल्ला अली खामनेई ने गाजा में इस्राइली सहायता वितरण प्रणाली की कड़ी आलोचना की और उसे नरसंहार का घटिया रूप बताया। खामनेई ने सोशल मीडिया पोस्ट में लिखा, इस्राइल ने गाजा में फलस्तीनियों के सामने एक गंभीर विकल्प रखा है-या तो वे भूखे मर जाएं, या भोजन का पैकेट प्राप्त करने की कोशिश में गोली खा लें। बता दें कि गाजा में सहयाता केंद्रों के पास इस्राइली गोलीबारी की कई घटनाएं हो चुकी हैं।

लंदन में एयरपोर्ट पर विमान क्रैश, आसमान में कई मीटर ऊंचा उठा आग का गोला

लंदन , एजेंसी। लंदन के साउथेंड एयरपोर्ट पर रविवार को एक छोटा विमान हादसे का शिकार हो गया है।ब्रिटिश समाचार एजेंसियों के मुताबिक बी 200 सुपर किंग एयर नामक या विमान कथित तौर पर साउथेंड से नीदरलैंड की तरफ जा रहा था। शाम चार बजे के आसपास उड़ान भरने के कुछ ही सेकेंड बाद यह दुर्घटनाग्रस्त हो गया। स्थानीय पुलिस ने भी इसे एक गंभीर घटना बताया है। सोशल मीडिया पर इस घटना के कथित दृश्य सामने आए, जिनमें एक विशाल आग का गोला और फिर आसमान में काले धुएँ का घना गुबार उठता हुआ दिखाई दे रहा है। स्काई न्यूज की रिपोर्ट के मुताबिक इस घटना के बारे में जानकारी देते हुए पुलिस ने कहा, हमें शाम 4 बजे से कुछ पहले एक 12 मीटर लंबे विमान की टक्कर की सूचना मिली थी... हम घटनास्थल पर सभी इमरजेंसी सेवाओं के साथ काम कर रहे हैं और यह काम कई घंटों तक जारी रहेगा। पुलिस ने जनता से अनुरोध किया है कि जहाँ तक हो सके, उस इलाके से दूर रहें। ईस्ट ऑफ़ इंग्लैंड एम्बुलेंस सर्विस ने कहा कि उसने दुर्घटनास्थल पर चार एम्बुलेंस और अन्य प्रतिक्रिया वाहन भेजे हैं। साउथएंड वेस्ट और लेह के सांसद डेविड बर्टन-सैम्पसन ने सोशल मीडिया पर इस घटना के बारे में पोस्ट किया

और जनता से उस इलाके से दूर रहने का भी अनुरोध किया। उन्होंने सोशल मीडिया पर लिखा, मुझे साउथएंड एयरपोर्ट पर हुई एक घटना की जानकारी है। कृपया दूर रहें और इमरजेंसी सेवाओं को अपना काम करने दें। मेरी संवेदनाएँ सभी संबंधित लोगों के साथ हैं। पुलिस ने एहतियात के तौर पर दुर्घटना स्थल के निकट होने के कारण रोचफोर्ड हंड्रेड गोल्फ क्लब और वेस्टक्लिफ रग्बी क्लब को खाली करा दिया। टेकऑफ के बाद बाई ओर झुका, पलटा फिर जमीन से टकराया प्रत्यक्षदर्शियों में शामिल 40 वर्षीय जॉन जॉनसन ने बीबीसी से बात करते हुए बताया कि टेकऑफ के कुछ ही सेकंड बाद बाई ओर झुका विमान, फिर पलटा और जमीन से टकरा गया। उन्होंने कहा, हमने पायलट को मुस्कुराते देखा। प्लेन टेकऑफ की तैयारी में रनवे पर दौड़ता हुआ हमारे पास से गुजरा और कुछ ही सेकंड में उड़ गया। लेकिन तुरंत ही वह बाईं ओर झुकने लगा। मैंने पत्नी से कहा- ये सामान्य नहीं है। फिर अचानक प्लेन उल्टा होकर जमीन से जा टकराया। एक जबरदस्त धमाका हुआ और आग का एक बड़ा गोला बन गया। पास के गोल्फ क्लब में बारटेंडर जेम्स फिलपॉट ने बताया- मैं गोल्फ कोर्स के बीच में झोपड़ी में था, तभी तेज गर्मी की लहर सी महसूस हुई। ऊपर देखा तो आग का बड़ा गोला दिखा। लोग दौड़कर देखने पहुंचे कि कोई जिंदा है या नहीं। दुर्घटनाग्रस्त हुआ विमान नीदरलैंड की कंपनी का था डच एविएशन कंपनी ज्यूश एविएशन ने पुष्टि की है कि उसका विमान एसयूजेड1 इस हादसे में शामिल था।

कंपनी ने बताया कि यह फ्लाइट ग्रीस की राजधानी एथेंस से क्रोएशिया के पुला शहर होते हुए साउथेंड पहुंचा था और वहां से नीदरलैंड के लेलीस्टाड एयरपोर्ट लौटने वाला था। कंपनी ने बयान में कहा- हमारी फ्लाइट एसयूजेड1 हादसे में शामिल थी। हम स्थानीय अधिकारियों के साथ पूरी तरह से सहयोग कर रहे हैं। हमारी संवेदनाएं उन सभी के साथ हैं जो इस घटना से प्रभावित हुए हैं।

अमेरिका- लेक्सिंगटन में चर्च में फायरिंग, दो महिलाओं की मौत:2 घायल

केंटकी, एजेंसी। अमेरिका के केंटकी राज्य के लेक्सिंगटन में रविवार को एक चर्च में फायरिंग में दो महिलाओं की मौत हो गई। दोनों महिलाओं की उम्र 72 साल और 32 साल बताई जा रही है। इसके अलावा दो अन्य लोग भी घायल हुए हैं, जिनमें से एक की हालत गंभीर बताई जा रही है, जबकि दूसरे की हालत स्थिर है। पुलिस ने बताया कि हमलावर को घटनास्थल पर ही मार गिराया गया। उसकी पहचान सार्वजनिक नहीं की गई है, क्योंकि अभी उसके परिवार को सूचना दी जानी बाकी है। हमलावर लेक्सिंगटन के ब्लू ग्रास एयरपोर्ट पर एक पुलिस अधिकारी को गोली मारकर भागा था। इसमें पुलिस अधिकारी गंभीर रूप से घायल हो गया। हालांकि, अब उनकी हालत स्थिर बताई जा रही है। एयरपोर्ट पर फायरिंग से यात्रियों में भी दहशत फैल गई। संदिग्ध ने चेकिंग के दौरान पुलिस पर गोली चलाई अधिकारियों ने बताया कि घायल पुलिस कर्मी ने सुबह 11:30 बजे ब्लू ग्रास एयरपोर्ट के पास चेकिंग के लिए एक कार रोकी थी। तभी कार सवार संदिग्ध ने उन्हें गोली मार दी। इसके बाद संदिग्ध वहां से भाग गया। उसने एयरपोर्ट से लगभग 16 किलोमीटर दूर एक कार लूटी। वहां से लेक्सिंगटन के रिचमंड रोड बैपटिस्ट चर्च भाग गया और लोगों पर फायरिंग शुरू कर दी। पुलिस चोरी की कार का लोकेशन ट्रैक करते हुए चर्च तक पहुंची और हमलावर को मार गिराया। अभी संदिग्ध का नाम औप उसकी उम्र पता नहीं चली है। पुलिस ने बताया कि संदिग्ध ने फायरिंग क्यों की, यह अभी पता नहीं चल पाया है।

अमेरिका में ग्रैंड कैन्यन के जंगल में लगी आग, ऐतिहासिक लॉज और कई इमारतें नष्ट

वाशिंगटन, एजेंसी। अमेरिका में ग्रैंड कैन्यन के उत्तरी हिस्से में जंगल में लगी भीषण आग ने एक पुराने ऐतिहासिक लॉज और कई अन्य इमारतों को नष्ट कर दिया है। इस वजह से अधिकारियों को पूरे गर्मियों के मौसम के लिए उत्तरी रिम को आम लोगों के लिए बंद करना पड़ा है। यह जानकारी पार्क के अधिकारियों ने रविवार को दी। ग्रैंड कैन्यन के इस हिस्से में एकमात्र लॉज- ग्रैंड कैन्यन लॉज आग में जल गया। पार्क के प्रभारी अधिकारी एड केबल ने बताया कि इस आग में आगंतुक केंद्र, पेट्रोल पंप, एक पानी साफ करने वाला संयंत्र, ऑफिस बिल्डिंग और कर्मचारियों के घर जैसी 50 से 80 इमारतें जल चुकी हैं। इनमें कुछ पुरानी और ऐतिहासिक झोपड़ियां भी शामिल हैं।

बांग्लादेश में हिंदू व्यापारी की पत्थरों से पीट-पीट कर हत्या पांच हमलावर गिरफ्तार

ढाका, एजेंसी। बांग्लादेश की राजधानी ढाका में एक मॉब लिंचिंग का मामला सामने आया है। जहां, एक हिंदू कबाड़ व्यापारी की भीड़ ने पीट-पीट कर हत्या कर दी। हमलावरों ने 9 जुलाई को मिटफोर्ड अस्पताल के पास कारोबारी लाल चंद सोहाग (39) को पहले ईंटों और पत्थरों से पीटा फिर सिर और शरीर बुरी तरह कुचल दिया। भीड़ ने कारोबारी के कपड़े तक उतार दिए और कुछ हमलावर उनके शरीर पर कूदते-नाचते हुए देखे गए। मीडिया रिपोर्ट्स के मुताबिक हिंसा की वजह जबरन वसूली और कारोबारी विवाद को बताया जा रहा है। हालांकि, अभी घटना के पीछे का असल मकसद सामने नहीं आया है। घटना के बाद पूरे देश में भारी विरोध प्रदर्शन शुरू हो गया है। हत्या की जांच के लिए एक हाई लेवल कमेटी के गठन की मांग को लेकर वकील यूनुस अली अकंद ने रविवार को हाई कोर्ट में रिट याचिका दायर की। मामले में 19 आरोपियों को नामजद किया गया है, और 15-20 अज्ञात भी शामिल हैं। पुलिस ने अब तक पांच लोगो को गिरफ्तार किया है। मामले की सुनवाई सोमवार को होगी।

बहन ने दर्ज कराई शिकायत : घटना को लेकर लाल चंद की बहन मंजुआरा बेगम (42) ने गुरुवार को पुलिस थाने में हत्या की शिकायत दर्ज कराई। मामले में पुलिस ने महमूदुल हसन

मोहिन, तारेक रहमान रॉबिन, आलमगीर, मोनिर और एक अन्य को गिरफ्तार किया है।

दोषियों को सजा की मांग को लेकर विश्वविद्यालयों में प्रदर्शन

घटना के बाद हत्या के दोषियों के लिए कठोर सजा की मांग को लेकर बीती रात कई विश्वविद्यालयों और कुछ जिलों में विरोध प्रदर्शन हुए। रैलियों में स्टूडेंट ने बीएनपी पर अपने नेताओं और कार्यकर्ताओं को नियंत्रित करने में विफल रहने का आरोप लगाया। छात्र फेडरेशन के अध्यक्ष सैकत आरिफ ने कहा, हसीना के सत्ता से हटने के बाद, बीएनपी नेता नियंत्रण के लिए आपस में लड़ रहे हैं, जिसके कारण हत्याएं हो रही हैं। बीएनपी को लगता है कि निष्कासन ही काफी है, लेकिन हम मांग करते हैं कि दोषियों पर मुकदमा चलाया जाए।

अप्रैल में हिंदू नेता की पीट-पीटकर हत्या कर दी थी : बांग्लादेश में 19 अप्रैल, 2025 को अज्ञात लोगों ने एक बड़े हिंदू नेता की हत्या कर दी थी। मीडिया रिपोर्ट्स के मुताबिक, भाबेश चंद्र रॉय (58) को उनके घर से किडनैप किया गया।

स्पेन के कई शहरों में भारी बारिश से बाढ़:गाड़ियां बही, दो लोग लापता; मदद के लिए सेना तैनात

मैड्रिड, एजेंसी। स्पेन हाल ही में भीषण गर्मी से जूझ रहा था, लेकिन अब बाढ़ की चपेट में है। यहां शनिवार को भारी बारिश और ह्यूह नाम के तूफान के कारण बाढ़ आ गई है। स्पेन की क्रील्स नदी, लोब्रेगाट नदी और एल कार्डेनर नदी उफान पर है। वहीं, स्पेन के बार्सिलोना (कैटेलोनिया) में बाढ़ से दो लोग लापता हो गए। स्पेन के शहर ताराजोना में 11 जुलाई को एक घंटे में 100 मिमी (3.9 इंच) बारिश दर्ज की गई, जिसके कारण सड़कों पर पानी भर गया। कई कारें पानी में बह गईं और घरों-इमारतों को भारी नुकसान हुआ। प्रभावित इलाकों में मदद के लिए सेना को तैनात किया गया। हालांकि, अभी तक किसी के हताहत होने की खबर नहीं है।

मौसम एजेंसी ने बारिश की चेतावनी दी : स्पेन की मौसम एजेंसी एईएमईटी ने उत्तरी और पूर्वी स्पेन में 30-40 मिमी प्रति घंटा बारिश और ओलों की चेतावनी दी। यह मौसमी बदलाव हीट डोम के कारण था, जिसने यूरोपीय देशों में तापमान को 42 डिग्री सेल्सियस तक

पहुंचा दिया था। जून में स्पेन का पारा 45 डिग्री सेल्सियस तक पहुंच गया था।

स्पेन में पिछले साल बाढ़ से 205 लोगों की मौत हुई थी स्पेन में नवंबर 2024 में भीषण बाढ़ आई थी। जिसमें कम से कम 205 लोगों की मौत हो गई थी। स्पेन के वैलेंसिया में 29 अक्टूबर को सिर्फ आठ घंटे में 12 इंच बारिश हुई थी। इतनी बारिश सालभर में होती है। भारी बारिश से अचानक बाढ़ आ गई थी, जिससे कई लोगों को सुरक्षित जगहों पर जाने का मौका नहीं मिला पाया। स्पेन के हालिया इतिहास में यह पहली बार था, जब इतने लोगों की बाढ़ से मौत हो गई थी। बीबीसी के मुताबिक, स्पेन में इससे पहले साल 1973 में सबसे बड़ी बाढ़ आई थी। तब 150 लोगों की मौत हुई थी। उससे पहले 1957 में वैलेंसिया शहर में भीषण बाढ़ आई थी, इसमें 81 लोगों की मौत हो गई थी।

पाकिस्तान में नजर आए राम, लक्ष्मण और सीता, कराची में रामायण का मंचन, दर्शकों की मिल रही सराहना

कराची, एजेंसी। पाकिस्तान के सिंध प्रांत के कराची शहर में एक पाकिस्तानी नाटक समूह रामायण का मंचन करके सुर्खियां बटोर रहा है। सप्ताहांत में कराची आर्ट्स काउंसिल में रामायण का मंचन करने वाले नाटक समूह 'मौज' को एआई संवर्द्धन का उपयोग करके महाकाव्य को जीवंत बनाने के उनके प्रयासों के लिए सराहना मिली है। निर्देशक योहेश्वर करेरा ने कहा कि उन्हें कभी नहीं लगा कि 'रामायण' का मंचन करने से लोग उन्हें नापसंद करेंगे या उन्हें किसी तरह की धमकी का सामना करना पड़ेगा। उन्होंने कहा, मेरे लिए, रामायण को मंच पर जीवंत करना एक अद्भुत दृश्य अनुभव है और यह दर्शाता है कि पाकिस्तानी समाज जितना माना जाता है, उससे कहीं अधिक सहिष्णु है। करेरा ने कहा कि नाटक को अच्छी प्रतिक्रिया मिली है और कई समीक्षकों ने इसके निर्माण और कलाकारों के अभिनय की सराहना की है। कला और फिल्म समीक्षक ओमैर अलवी ने कहा कि वे कहानी कहने की ईमानदारी से प्रभावित हुए और प्रकाश व्यवस्था, संगीत, रंग-बिरंगे परिधान और भावपूर्ण डिजाइन ने इस शो की भव्यता में चार चांद लगा दिये। उन्होंने कहा, रामायण एक ऐसी कहानी है जो दुनिया भर के लाखों लोगों के साथ जुड़ती है। सीता की भूमिका निभाने वाली निर्माता राणा काजमी ने कहा कि वह इस प्राचीन कथा को दर्शकों के लिए एक जीवंत अनुभव के रूप में प्रस्तुत करने के विचार से रोमांचित थीं। कलाकारों को नहीं मिली कोई

धमकी वीकेंड में कराची आर्ट्स काउंसिल में रामायण का मंचन करने वाले नाटक समूह 'मौज' को एआई तकनीक का उपयोग करके महाकाव्य को जीवंत बनाने के उनके प्रयासों के लिए खूब तारीफें मिली हैं। निर्देशक योहेश्वर करेरा ने कहा कि उन्हें कभी नहीं लगा कि 'रामायण' का मंचन करने से लोग उन्हें नापसंद करेंगे या उन्हें किसी तरह की धमकी का सामना करना पड़ेगा। उन्होंने कहा, 'मेरे लिए, रामायण को मंच पर जीवंत करना एक अद्भुत दृश्य अनुभव है और यह दर्शाता है कि पाकिस्तानी समाज जितना माना जाता है, उससे कहीं अधिक सहिष्णु है।' करेरा ने कहा कि नाटक को अच्छी प्रतिक्रिया मिली है और कई समीक्षकों ने इसके निर्माण और कलाकारों के अभिनय की सराहना की है।

दिन भर अच्छी बातें करते हैं और फिर रात में करा देते हैं बमबारी; पुतिन पर ट्रंप का तंज

वाशिंगटन, एजेंसी। रूस से जारी युद्ध के बीच अमेरिका एक बार फिर से यूक्रेन के साथ मजबूती से खड़ा हुआ है। अमेरिकी राष्ट्रपति डोनाल्ड ट्रंप ने घोषणा की कि यूएस यूक्रेन को पैट्रियट एयर डिफेंस मिसाइलें भेजने जा रहा है। उन्होंने कहा, रूस के राष्ट्रपति व्लादिमीर पुतिन दिन में अच्छी बातें करते हैं, लेकिन रात में बमबारी होने लगती है। ट्रंप ने यह नहीं बताया कि कितनी पैट्रियट मिसाइलें भेजी जाएंगी। हालांकि, उन्होंने कहा कि यूरोपीय संघ इनकी लागत का भुगतान करेगा। यह कदम यूक्रेन की रूस से होने वाले मिसाइल और ड्रोन हमलों से रक्षा करने की जरूरत को पूरा करने के लिए उठाया गया है।

डोनाल्ड ट्रंप ने कहा कि वह रूस और यूक्रेन के बीच युद्धविराम के लिए बातचीत करने की कोशिश कर रहे हैं, लेकिन पुतिन के रवैये से वह निराश हैं। उन्होंने संवाददाताओं से कहा, हम यूक्रेन को विभिन्न आधुनिक सैन्य उपकरण भेजेंगे और वे इसके लिए हमें 100 फीसदी भुगतान करेंगे। ट्रंप का यह बयान यूक्रेनी राष्ट्रपति वोलोदिमीर जेलेंस्की की उस अपील के बाद आया है, जिसमें उन्होंने रूस के हमलों से बचाव के लिए अधिक रक्षात्मक हथियारों की मांग की थी।

रूस के खिलाफ यूक्रेन के समर्थन में आए ट्रम्प : ट्रम्प के करीबी रिपब्लिकन सीनेटर लिंडसे ग्राहम का कहना है कि युद्ध अब निर्णायक मोड़ पर है। ट्रम्प यूक्रेन को रूस के खिलाफ सैन्य समर्थन देने के पक्ष में आ गए हैं। ग्राहम के मुताबिक, आने वाले दिनों में यूक्रेन को रिकॉर्ड स्तर पर हथियारों की आपूर्ति शुरू होगी। उन्होंने कहा, पुतिन की सबसे बड़ी भूल यह थी कि उसने ट्रम्प को हल्के में लिया।

अब देखिएगा, कुछ ही हफ्तों में पुतिन पर भारी दबाव बनाया जाएगा। पिछले हफ्ते ट्रम्प ने सोमवार को रूस को लेकर एक बड़ा ऐलान करने की बात कही थी। रविवार को पत्रकारों से बात करते हुए उन्होंने कहा, कल क्या होगा, यह कल ही देखेंगे। ट्रम्प ने गुरुवार को बताया था कि नाटो सहयोगियों और यूक्रेन के बीच अमेरिका से हथियारों की आपूर्ति को लेकर एक नया समझौता हुआ है।

यूक्रेन को 2.5 हजार करोड़ के हथियार देगा अमेरिका : मीडिया रिपोर्ट के मुताबिक अमेरिका 300 मिलियन डॉलर (2.5 हजार करोड़ रुपए) का पैकेज यूक्रेन को भेजने की तैयारी कर रहा है। इसमें पैट्रियट मिसाइल सिस्टम और मीडियम रेंज के रॉकेट शामिल होंगे। इसके साथ ट्रम्प ने कहा कि वे सोमवार को रूस को लेकर बड़ा बयान दे सकते हैं। राष्ट्रपति बनने के बाद ये पहली बार होगा जब ट्रम्प प्रेसिडेंशियल ड्रॉडाउन अथॉरिटी के तहत यूक्रेन को हथियार भेजने की अनुमति देंगे। यह एक कानूनी तरीका है जो राष्ट्रपति को बुरे समय में अमेरिकी भंडार से सीधे हथियार भेजने की अनुमति देता है। इससे पहले ट्रम्प सरकार ने केवल पूर्व राष्ट्रपति जो बाइडन द्वारा मंजूर किए गए हथियार ही यूक्रेन को भेजे थे। अमेरिकी राष्ट्रपति ट्रंप की नाटो महासचिव मार्क रट्टे से मुलाकात की योजना है, जिसमें यूक्रेन और अन्य मुद्दों पर चर्चा होगी। यह कदम तब उठाया गया है, जब रूस और यूक्रेन के बीच चल रहे संघर्ष में तनाव बढ़ता जा रहा है। अमेरिका का यह फैसला यूक्रेन को सैन्य सहायता बढ़ाने और क्षेत्रीय स्थिरता के लिए अहम माना जा रहा है। बता दें कि रूस-यूक्रेन युद्ध की शुरुआत 2014 में क्रीमिया पर रूस के कब्जे और डोनबास में अलगाववादी संघर्ष से हुई, जो 2022 में रूस के बड़े पैमाने पर आक्रमण के साथ बढ़ गया। इसके मुख्य कारणों में रूस का यूक्रेन की नाटो सदस्यता का विरोध, क्षेत्रीय प्रभाव और रूसी भाषी आबादी की सुरक्षा के दावे शामिल हैं। इस युद्ध में भारी जनहानि हुई है।

स्वामी,मुद्रक व् प्रकाशकः सुरेश मौर्या द्वारा अष्ठ विनायक ओफ़्सेट एफपी,149 प्लोट 26 खोडीयारनगर,सिद्धिविनायक मंदीर के पास ,भाटेना) हो.सो अंजना सुरत गुजरात से मुद्रित एवं 191 महादेव नगर उधना सुरत गुजरात से प्रकाशित संपादक : सुरेश मौया (M) 9879141480 RNI No.:GUJHIN/2018/75100 (Subject to Surat jurisdiction)

Web site : www.krantisamay.com & epaper.krantisamay.com www.facebook.com/krantisamay1 www.twitter.com/krantisamay1

सलाबतपुरा में असामाजिक तत्वों का कहर

गाड़ी पार्किंग को लेकर पिता-पुत्र पर हमला घर में घुसकर की तोड़फोड़, CCTV में कैद

क्रांति समय
www.krantisamay.com
www.guj.krantisamay.com
www.epaper.krantisamay.com
www.rti.krantisamay.com

सूरत के सलाबतपुरा इलाके में एक बार फिर असामाजिक तत्वों का आतंक सामने आया है। सिर्फ गाड़ी पार्क करने को लेकर हुई कहासुनी के बाद चार लोगों ने मिलकर एक पिता-पुत्र की बेरहमी से पिटाई कर दी। दोनों अपनी जान बचाने के लिए घर के अंदर भागे तो आरोपियों ने तलवार और पत्थरों से घर पर हमला कर दिया। इस दौरान उन्होंने पूरे परिवार को जान से मारने की धमकी दी और फरार हो गए। यह पूरी घटना इलाके में लगे सीसीटीवी कैमरे में कैद हो गई। घटना की शिकायत सलाबतपुरा थाने में दर्ज करवाई गई है, जिसके आधार पर चार आरोपियों के खिलाफ अपराध दर्ज कर आगे की जांच की जा रही है।

मिली जानकारी के अनुसार, सलाबतपुरा क्षेत्र के पंचशील नगर में युनुस खान हजीज खान लकड़ावाला अपने परिवार के साथ रहते हैं। बीते दिन (14 जुलाई) सुबह युनुस खान के पिता की गाड़ी पार्क करने को लेकर वसीम उर्फ वसीयो मोइन शेख से कहासुनी हो गई थी। युनुस ने मामले को समझाने की कोशिश की, लेकिन वसीम गाली-गलौज करता हुआ चला गया। कुछ ही समय बाद वह तीन अन्य साथियों के साथ लौट आया।

माथाभारी वसीम ने युनुस के पिता से कहा - "क्या तुम मोहल्ले के दादा बन गए हो? अपनी गाड़ियां रास्ते पर क्यों पार्क करते हो?" इतना कहकर फिर से बहस शुरू कर दी। जब बात बढ़ने लगी तो युनुस भी मौके पर पहुंचा। इसके बाद वसीम और उसके तीन साथियों ने मिलकर युनुस और उसके पिता की बुरी तरह पिटाई कर दी। जान बचाने के लिए दोनों भागकर अपने घर में घुस गए। तब वसीम तलवार लेकर लौटा और घर के दरवाजे पर लात मारी और तलवार से हमला किया। उसके साथ आए अन्य तीन साथियों ने भी खिड़की और दरवाजे पर पत्थर फेंके। इसके साथ ही पूरे परिवार को जान से मारने की धमकी दी और सभी आरोपी मौके से फरार हो गए। इस घटना से परिवार दहशत में आ गया। रिश्तेदारों और समाज के लोगों के समझाने के बाद युनुस ने थाने में शिकायत दर्ज करवाई।

युनुस खान की शिकायत पर सलाबतपुरा पुलिस ने आरोपी वसीम शेख और उसके तीन साथियों - अनवर मणियार, नाजिम कलीम शेख और अजर जिंगा - के खिलाफ मामला दर्ज किया है। पूरी घटना CCTV में कैद हो गई है। फिलहाल पुलिस आरोपियों की गिरफ्तारी के लिए प्रयास कर रही है।

पांच साल से फरार 6 टन माल ठगने वाला आरोपी यूपी से गिरफ्तार

क्रांति समय
www.krantisamay.com
www.guj.krantisamay.com
www.epaper.krantisamay.com
www.rti.krantisamay.com

वलसाड ज़िला पुलिस ने बीते पांच वर्षों से फरार चल रहे एक गंभीर धोखाधड़ी के आरोपी को उत्तर प्रदेश से गिरफ्तार कर एक महत्वपूर्ण सफलता हासिल की है। सूरत रेंज के आईजीपी श्री प्रेम वीर सिंह, वलसाड जिला पुलिस अधीक्षक डॉ.करनराज वाघेला तथा वलसाड रेंज के डीएसपी बीएन दवे के मार्गदर्शन में, वलसाड पुलिस द्वारा फरार अपराधियों को पकड़ने हेतु विशेष निर्देश जारी किए गए थे। इन निर्देशों के तहत वलसाड उद्योगनगर पुलिस स्टेशन के पीआई एम.पी. पटेल और उनकी टीम ने गहन केस अध्ययन और खुफिया जानकारी के आधार पर आरोपी की गिरफ्तारी को अंजाम दिया।

गिरफ्तार आरोपी श्यामवीरसिंह सुरजसिंह सिंग (उम्र 30 वर्ष), मूल निवासी - ग्राम हाजीपुर, पोस्ट - सोज, तहसील किशनी, जिला मैनपुरी (उत्तर प्रदेश) है। उसके खिलाफ वर्ष 2021 में IPC की धारा 406 और 411 के तहत केस दर्ज किया गया था (गु. र.नं. 11200049210360/2021)। आरोपी को दिनांक 12 जुलाई 2025 को शाम 4:40 बजे यूपी से गिरफ्तार कर वलसाड लाया गया और 14 जुलाई तक पुलिस रिमांड पर लिया गया।

धोखाधड़ी का तरीका: आरोपी ने "श्री स्वामि ट्रांसपोर्ट" के नाम से फर्जी ढंग से व्यवसाय करते हुए फरियादी से संपर्क कर 6 टन प्लास्टिक दानों (की.रु. 3,18,600) को भाड़े की गाड़ी से ले जाने का वादा किया।

37 वर्षों से फरार आरोपी चंद्रभानसिंह की गिरफ्तारी, वलसाड पुलिस की "ऑपरेशन हंट" को बड़ी सफलता

क्रांति समय
www.krantisamay.com
www.guj.krantisamay.com
www.epaper.krantisamay.com
www.rti.krantisamay.com

साल 1989 में वलसाड शहर थाने में दर्ज गंभीर आपराधिक मामले में पिछले 37 वर्षों से फरार चल रहे कुख्यात आरोपी चंद्रभानसिंह रणविजयसिंह चौहान (ठाकोर) को वलसाड पुलिस ने उत्तरप्रदेश से गिरफ्तार कर एक बड़ी कामयाबी हासिल की है। यह गिरफ्तारी वलसाड जिला पुलिस द्वारा चलाए जा रहे विशेष अभियान च्ऑपरेशन हंट - Hunt for Unrelenting" के तहत की गई। आई.जी.पी. श्री प्रेमवीर सिंह (IPS), सूरत रेंज के निर्देश अनुसार लंबे समय से फरार चल रहे आरोपियों को न्याय के कठघरे तक पहुंचाने हेतु समन्वित योजना के अंतर्गत कार्रवाई तेज़ की गई थी। वलसाड जिला पुलिस अधीक्षक डॉ. करनराज वाघेला के नेतृत्व में विभिन्न पुलिस थानों, एल.सी.बी. तथा एस.ओ.जी. की टीमों ने गहन विश्लेषण कर डेटा तैयार किया और आरोपियों की धरपकड़ शुरू की।

इस कड़ी में वलसाड सिटी पुलिस थाना की टीम द्वारा वर्ष 1989 में दर्ज गु.र.सं. 18/1989, आतंकवादी और विध्वंसक गतिविधि निवारण अधिनियम 1987 की धारा 5 तथा आर्म्स एक्ट की धारा 25(1)(A) के तहत फरार आरोपी चंद्रभानसिंह रणविजयसिंह चौहान का लगातार पीछा किया गया।

चंद्रभानसिंह पर आरोप है कि उसने अपने साथी के माध्यम से वलसाड क्षेत्र में लूटपाट व आतंक फैलाने हेतु 450 रुपये में एक देसी तमंचा और दो कारतूस खरीदे थे। मामले के खुलासे के बाद से वह फरार था।

पुलिस जांच में खुलासा हुआ कि आरोपी उत्तरप्रदेश के विभिन्न जिलों में लगातार स्थान बदलकर छुपता रहा। उसकी चार बेटियों के अलग-अलग जिलों में विवाह होने की जानकारी से पुलिस को बड़ी मदद मिली। इसके अतिरिक्त चंद्रभानसिंह के मध्यप्रदेश स्थित चित्रकूट के मंदिरों में समय बिताने की भी जानकारी मिली।

लगभग तीन महीनों की अथक मेहनत और उत्तरप्रदेश, मध्यप्रदेश और गुजरात के पुलिस अधिकारियों के समन्वय से 12 जुलाई 2025 को चंद्रभानसिंह को उत्तरप्रदेश के चांदपुर, जिला फतेहपुर से वलसाड पुलिस ने गिरफ्तार किया।

इस शानदार कार्यवाही में शामिल अधिकारी:

पुलिस निरीक्षक श्री डीडी परमार (वलसाड सिटी पुलिस) पुलिस उप निरीक्षक डी.एस पटेल,हेड कॉन्स्टेबल सहदेवसिंह प्रविणभाई,पुलिस कॉन्स्टेबल महेन्द्रसिंह, भरतभाई और अन्य वलसाड पुलिस की यह कार्रवाई न सिर्फ कानून का भय दर्शाती है, बल्कि न्याय की दिशा में एक मजबूत कदम है। "ऑपरेशन हंटज्ज की यह सफलता अन्य फरार आरोपियों के लिए चेतावनी है कि कानून से बच पाना अब संभव नहीं है।

सचिन इलाके में श्रीनाथजी ज्वेलर्स में 7 जुलाई की रात हुई लूट विद मर्डर की घटना में दो और आरोपी बिहार से गिरफ्तार

क्रांति समय
www.krantisamay.com
www.guj.krantisamay.com
www.epaper.krantisamay.com
www.rti.krantisamay.com

सूरत के सचिन इलाके में स्थित श्रीनाथजी ज्वेलर्स में 7 जुलाई की रात को हुई लूट और हत्या की सनसनीखेज वारदात में दो और आरोपी बिहार से गिरफ्तार किए गए हैं। घटना के समय दीपक पासवान नामक एक आरोपी को मौके पर ही लोगों ने पकड़ लिया था, जबकि बाकी तीन आरोपी फरार हो गए थे। इन तीन में से दो आरोपियों को सूरत क्राइम ब्रांच ने बिहार से गिरफ्तार किया है, जबकि एक आरोपी अभी भी फरार है और उसकी तलाश जारी है।

चारों आरोपियों ने श्रीनाथजी ज्वेलर्स में लूट का प्रयास किया था। जब दुकान के मालिक आशिष राजपरा ने उन्हें रोकने की कोशिश की, तो आरोपियों ने उन पर फायरिंग कर दी और फरार हो गए। गंभीर रूप से घायल आशिष राजपरा की इलाज के दौरान मौत हो गई थी।

7 जुलाई की रात को सचिन स्थित श्रीनाथजी ज्वेलर्स में चार लुटेरे हथियारों के साथ घुसे थे और लूट की कोशिश कर रहे थे। जब दुकान के मालिक आशिष राजपरा ने उन्हें रोकने का प्रयास किया तो उन पर गोली चला दी गई और आरोपी जेवरात से भरा बैग लेकर भाग निकले। हालांकि, दीपक पासवान नाम का एक लुटेरा मौके पर ही भीड़ द्वारा पकड़ा गया था, जबकि तीन अन्य फरार हो गए थे। इन फरार आरोपियों में से दो को क्राइम ब्रांच ने बिहार के एक गांव से गिरफ्तार कर लिया है, जबकि तीसरे आरोपी की तलाश जारी है।

7 जुलाई की रात को श्रीनाथजी ज्वेलर्स में आशिष राजपरा के भाई विशाल राजपरा, दो युवतियां और एक कर्मचारी मौजूद थे। इसी दौरान चार हथियारबंद लुटेरे दुकान में घुसे। दुकान के बगल में ही मौजूद आशिषभाई राजपरा अपने लैपटॉप पर दुकान के लाइव CCTV फुटेज देख रहे थे, तभी उन्हें लुटेरों के घुसने की जानकारी मिली। उन्होंने बिना एक पल गंवाए तुरंत दौड़कर दुकान पर पहुंचे। जब उन्होंने लुटेरों को रोकने की कोशिश की, तब लुटेरों ने उन पर गोली चला दी और जेवर से भरा बैग लेकर फरार हो गए। इस हमले में आशिषभाई गंभीर रूप से घायल हो गए थे और इलाज के दौरान उनकी मौत हो गई।

वापी में ईमानदारी की मिसाल

अफ्रीका निवासी NRI बहन का 6 लाख का सामान रिक्शा में भूलने के बाद पुलिस ने कुछ ही घंटों में लौटाया

क्रांति समय
www.krantisamay.com
www.guj.krantisamay.com
www.epaper.krantisamay.com
www.rti.krantisamay.com

वापी, गुजरात - वलसाड जिले के वापी औद्योगिक नगर पुलिस स्टेशन की सराहनीय तत्परता और ईमानदार कार्यशैली के चलते एक NRI बहन का पासपोर्ट, नकद रुपये और कीमती सोने के गहने कुछ ही घंटों में ढूंढकर सुरक्षित रूप से उन्हें वापस सौंप दिए गए।

अफ्रीका के लुबुम्बाशी, डीआर कांगो में रहने वाली सिमा आशिष रायाणी नामक NRI बहन इन दिनों अपने मामा के घर वापी के चला क्षेत्र में रह रही थीं। उन्होंने बताया कि वे एक ऑटो रिक्शा में सवार होकर वापी GIDC के कला मंदिर क्षेत्र में आई थीं और उसी रिक्शा में उनका पर्स भूल गईं। उस पर्स में अफ्रीका के दो पासपोर्ट, अमेरिकी, अफ्रीकी व भारतीय मुद्रा कुल रूपये 2,00,000 के लगभग, और 4,00,000 मूल्य के सोने के आभूषण थे — कुल मिलाकर लगभग 6,00,000 मूल्य की संपत्ति पर्स में थी।

घटना की जानकारी मिलते ही वापी उद्योगनगर थाने के निरीक्षक एम.पी. पटेल ने त्वरित कार्रवाई करते हुए सर्वेलांस स्टाफ को जांच के निर्देश दिए। CCTV फुटेज की सहायता से संबंधित रिक्शा (नं. GJ-15-AW-2759) की पहचान की गई। पॉकेटकॉप मोबाइल सिस्टम में खोजबीन करने पर रिक्शा चालक राकेश यादव (निवासी वटार, वापी) का नाम सामने आया।

पुलिस की टीम तुरंत बताए गए पते पर पहुंची और ईमानदार रिक्शा चालक राकेश यादव से संपर्क किया, जिनकी रिक्शा से वह पर्स सुरक्षित अवस्था में बरामद किया गया। जांच में वह सभी दस्तावेज़, नकद धनराशि और आभूषण पर्स में ही पाए गए। यह संपूर्ण कीमती सामान गणनात्मक घंटों में बहन सिमा रायाणी को सौंप दिया गया।

इस उल्लेखनीय कार्य में पुलिस निरीक्षक एम.पी. पटेल के साथ पुलिसकर्मी जयवीरसिंह नवलसिंह, प्रफुल शांतिलाल और किशोर भवानभाई ने टीमवर्क से प्रशंसनीय योगदान दिया।

वरिष्ठ अधिकारियों — रेंज आई.जी श्री प्रेमवीर सिंह, वलसाड एस.पी डॉ. कनराज वाघेला एवं वापी के डिप्टी.एस. पी बी.एन. दवे — द्वारा दी गई दिशानिर्देशों के अंतर्गत, वापी पुलिस ने च्तेरा तुझको अर्पणज्ज की भावना के साथ यह जिम्मेदारी निभाई।

यह घटना न केवल पुलिस की संवेदनशीलता और तत्परता को दर्शाती है, बल्कि समाज में ईमानदारी और भरोसे की भावना को भी मजबूत करती है।

बिल्डर मित्र को फायदा पहुंचाने का BJP कॉर्पोरेटर का खेल उजागर

बिल्डर मित्र को सस्ती जमीन देकर कीमती जमीन दिलाने की साजिश थी - कमिश्नर ने लगाया ब्रेक

क्रांति समय
www.krantisamay.com
www.guj.krantisamay.com
www.epaper.krantisamay.com
www.rti.krantisamay.com

सूरत शहर के पुणा क्षेत्र की ड्राफ्ट टी.पी. स्कीम नंबर 60 के अंतर्गत पालिका 50 बेड के अस्पताल के लिए जमीन तलाश रही थी। इस जानकारी की भनक सत्ताधारी भाजपा के एक मौजूदा (पूर्व पदाधिकारी) कॉर्पोरेटर को लगी, जिन्होंने अपने बिल्डर मित्र को फायदा पहुंचाने के उद्देश्य से एक चाल चली। उन्होंने 18 मीटर सड़क वाली निजी जमीन की जगह पालिका की 45 मीटर बीआरटीएस मार्ग पर स्थित बहुमूल्य च्सोने की लकीरज्ज जैसी जमीन से अदला-बदली कराने की योजना बना डाली।

हालांकि, पालिका कमिश्नर शालिनी अग्रवाल को यह पूरा खेल समय रहते समझ में आ गया और उन्होंने इस प्रोजेक्ट पर तत्काल ब्रेक लगा दिया। चर्चा है कि इस जमीन अदला-बदली के लिए पालिका के ही एक सौराष्ट्र क्षेत्र से जुड़े कॉर्पोरेटर ने पूरी योजना को आगे बढ़ाया और बिल्डर के पक्ष में ब्रीफिंग की।

जैसे ही यह मामला पालिका कमिश्नर के संज्ञान में आया, उन्होंने मूल आरक्षित प्लॉट पर ही अस्पताल के लिए टेंडर मंगवाने की कार्रवाई शुरू कर दी और महंगी पालिका जमीन को बिल्डर को सौंपने की इस साजिश को पूरी तरह पलट दिया।

पालिका के सूत्रों के अनुसार, पुणा के योगी चौक क्षेत्र में 50 बेड का अस्पताल बनवाने की योजना बनाई गई थी। इस योजना का फायदा उठाकर भाजपा का एक कॉर्पोरेटर सक्रिय हो गया। उन्होंने अपने बिल्डर मित्र, जिसके पास 18 मीटर सड़क पर प्लॉट है, से पालिका में यह प्रस्ताव रखवाया कि अस्पताल के लिए उनकी जमीन ले ली जाए और बदले में पालिका की 45 मीटर चौड़ी बीआरटीएस मार्ग वाली महंगी जमीन बिल्डर को दे दी जाए।

चर्चा है कि इस पूरे मामले में टी.पी. ऑफिस तक सेटिंग की कोशिश हुई, लेकिन टाउन प्लानिंग विभाग ने दो बार स्पष्ट राय दी कि इस तरह की अदला-बदली की कोई आवश्यकता नहीं है। इसके बावजूद बिल्डर के लिए दबाव बनाते हुए एक कॉर्पोरेटर ने आरक्षित प्लॉट (मूल आर-45) पर अस्पताल की योजना लाने का दबाव डाला और टेंडर स्क्रूटिनी कमेटी से प्रशासनिक मंजूरी भी दिलवा दी। लेकिन, यह प्रस्ताव स्थायी समिति के सामने पेश होता, उससे पहले ही पालिका कमिश्नर ने इस साजिश को पकड़ लिया और ब्रेक लगा दिया। अब उन्होंने अस्पताल के इस प्रोजेक्ट को किसी अन्य स्थान पर स्थानांतरित करने की प्रक्रिया शुरू कर दी है।

भाजपा के उक्त कॉर्पोरेटर ने एक पूर्व कमिश्नर पर भी दबाव बनाकर ड्राफ्ट टीपी स्कीम-60 की तुलना में फाइनल प्लॉट की अदला-बदली करवा दी थी और मूल फाइनल प्लॉट की जगह पालिका को आरक्षित प्लॉट सौंप दिया था। इसके अलावा, जिस फाइनल प्लॉट (एफपी नं. 96) पर विकास की अनुमति चाहिए थी, उसके लिए बिल्डर के पक्ष में लगातार कमिश्नर पर दबाव बनाया गया और पूछा गया कि अस्पताल के लिए जमीन देने वाले का प्लान पास करने में दिक्कत क्यों हो रही है?

इसी बात से कमिश्नर को संदेह हुआ और सवाल उठाया गया कि जब पालिका के पास पहले से इतनी ज़मीन उपलब्ध है, तो किसी निजी जमीन की ज़रूरत क्यों पड़ रही है? इस बिंदु पर जांच आगे बढ़ी और पूरी साजिश सामने आ गई।

दो श्रीहरि रथ मंदिर का हुआ उद्घाटन

क्रांति समय
www.krantisamay.com
www.guj.krantisamay.com
www.epaper.krantisamay.com
www.rti.krantisamay.com

सूरत,एकल श्रीहरि सूरत चैप्टर द्वारा रविवार को दो श्रीहरि रथ मंदिर का उद्घाटन किया गया। इस मौके पर सिटी लाइट स्थित महाराजा अग्रसेन पैलेस के श्याम कुंज हॉल में एक कार्यक्रम का आयोजन किया गया।

कार्यक्रम में एक रथ के दानदाता ओमप्रकाश अग्रवाल, दूसरे रथ के दानदाता विनोद मित्तल के साथ सीए अरुण गिनोड़िया एवं विष्णु चौधरी मुख्य अतिथि के रूप में उपस्थित रहें। कार्यक्रम की शुरुआत में गणेश वंदना की गई एवं भारत माता की प्रतिमा के समक्ष दीप प्रज्वलित किया गया। कार्यक्रम में सूरत चेप्टर के अध्यक्ष रमेश अग्रवाल द्वारा सभी का स्वागत किया गया। एकल श्रीहरि के पश्चिम ज़ोन के नगर संघटन प्रमुख रामेश्वर दयाल द्वारा रथ योजना का उद्देश्य, कार्य एवं परिणाम के बारे में बताया गया।

कार्यक्रम में एकल श्रीहरि के राष्ट्रीय अध्यक्ष सीए महेश मित्तल ने एकल श्रीहरि को पंचमुखी योजना के बारे में बताया गया। उन्होंने बताया कि छोटे-छोटे वनवासी गांवों में पूजा-अर्चना के लिये देव स्थानों और मंदिरों का अभाव है। सरल हृदयी वनवासी समाज अपने इष्ट देवों की आराधना अपने गांव में ही कर सके इसके लिये रथ मंदिर योजना चलाई जा रही है। कार्यक्रम के अंत में दानदाता परिवार द्वारा श्रीहरि रथ मंदिर का पूजन किया गया। आयोजन में सभी के लिए प्रसाद की व्यवस्था की गई थी। इस मौके पर एकल श्रीहरि के सूरत के संरक्षक उमेश अग्रवाल, राष्ट्रीय उपाध्यक्ष विश्वनाथ सिंघानिया के अलावा महिला एवं युवा समिति के अनेकों सदस्य उपस्थित रहें।